@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 4 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 114 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पिछले दशक में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था रहा: उपराष्ट्रपति

तिरुवनंतपुरम, 2 फरवरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि देश ने पिछले एक दशक में तेज आर्थिक वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान यह सबसे तेजी आगे बढ़ने वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है। उपराष्ट्रपति ने यहां भारतीय विचार केंद्र द्वारा आयोजित चौथे 'पी. परमेश्वरन स्मृति व्याख्यान' में कहा कि 1989 में जब वह सांसद थे और 1991 में जब वह केंद्रीय मंत्री थे, तब माहौल हमें प्रेरित नहीं करता था। संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति ने कहा, अब

हमारा भारत सकारात्मकता और संभावनाओं से भरा हुआ है। यह आशा और आकांक्षाओं से भरा है। हर तरफ और हर जगह हम आशा और संभावनाओं का पारिस्थितिकी तंत्र देख सकते हैं। भारत ने पिछले एक दशक में तेजी से आर्थिक उछाल देखा है। उन्होंने कहा कि देश पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द चार हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा, भारत आठ प्रतिशत की औसत वृद्धि के साथ पिछले एक दशक में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था है। इससे पहले कर्नाटक के हावेरी जिले के रानेबेन्नूर में आयोजित कर्नाटक वैभव साहित्य और सांस्कृतिक महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में धनखड़ ने कहा था कि विभाजनकारी ताकतें अलग-अलग तरीकों से काम करती हैं। उन्होंने नए रास्ते अपनाए हैं और कई मुद्दों पर आप देखेंगे कि वे न्यायपालिका की ओर रुख कर रहे हैं। दरअसल, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि हाल के वर्षों में न्यायपालिका तक पहुंच के अधिकार को एक हथियार के तौर इस्तेमाल किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने जूनागढ़ में नेशनल रेफरल सेंटर की आधारशिला रखी

सिम्मी कौर बब्बर

अहमदाबाद, 3 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन यानी आज प्रधानमंत्री मोदी ने वन्य जीवों के मुद्दे पर अहम बैठक की अध्यक्षता भी की। इस बैठक से पहले उन्होंने गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी का आनंद लेकर अपने दिन की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि एशियाई शेरों की गणना इस वर्ष मई में की जाएगी। उन्होंने जूनागढ़ में वन्यजीवों के लिए 'नेशनल रेफरल सेंटर' की आधारशिला रखी। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। देश के प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष होते हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने सासण में कुछ महिला वन कर्मचारियों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सोमवार की

सुबह गुजरात के जूनागढ़ जिले में गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, अन्य मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सफारी के दौरान मोदी के साथ थे। इसके बाद प्रधानमंत्री गिर वन्यजीव अभयारण्य के मुख्यालय सासण गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक की अध्यक्षता करने पहुंचे। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट लॉयन' के तहत 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर दी है। इन शेरों का एकमात्र निवास स्थान गुजरात है। वर्तमान में एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। इसके अलावा एक राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोग से बचाव के लिए एक 'राष्ट्रीय रेफरल केंद्र' स्थापित किया जा रहा है। संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने के लिए सासण में वन्यजीव निगरानी के लिए उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया गया है।

प्रदेश में विधायकों के फोन नहीं उठा रहे हैं अधिकारी, शासन ने दिए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश

लखनऊ, 3 मार्च। मुख्य सचिव के सख्त निर्देश के बावजूद जिलों में अफसर विधायकों के फोन नहीं उठा रहे हैं। उन्हें कॉल बैक भी नहीं करते हैं। शासन द्वारा इसका संज्ञान लेते हुए ऐसा आचरण करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। प्रमुख सचिव संसदीय कार्य जेपी सिंह द्वारा सभी अपर मुख्य सचिव, डीजीपी, मंडलायुक्त एवं डीएम को जारी शासनादेश में कहा गया है कि सांसदों एवं विधायकों के प्रति शिष्टाचार, प्रोटोकॉल एवं सौजन्य प्रदर्शन को लेकर विगत वर्षों में कई शासनादेश जारी किए जा चुके हैं। जिनके अनुपालन के लिए मुख्य सचिव द्वारा बीते दिनों वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए निर्देशित भी किया गया था। इसके बावजूद शासन के संज्ञान में आया है कि कुछ जिलों में विभिन्न अधिकारियों द्वारा विधानमंडल के सदस्यों के फोन नहीं उठाए जा रहे हैं और ना ही कॉल बैक की जाती है। सदस्यों द्वारा यह मामला सदन एवं संसदीय अनुश्रवण समिति की बैठकों में उठाए जाने से शासन के सामने असहज स्थिति उत्पन्न होती है, जो खेदजनक है। उन्होंने निर्देश दिया है कि सदस्यों के फोन नंबर को अधिकारी अपने फोन पर सेव कर लें। कॉल आने पर उसे रिसीव करेंगे। बैठक में होने पर वह कॉल आने पर प्राथमिकता के आधार पर अनुपलब्ध होने का मैसेज भेजेंगे और यथाशीघ्र कॉल बैक करेंगे।

पुलिस ने बताया हिमानी नरवाल का डाटा केबल से घोंटा गला

नरेश मल्होत्रा

रोहतक, 3 मार्च। कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। डीजीपी केके राव ने पत्रकारवार्ता में बताया कि पुलिस ने आरोपी सचिन को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि हिमानी से सचिन की कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान आरोपी ने डाटा केबल से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्यारोपी सचिन सोशल मीडिया के जरिये करीब डे? साल से हिमानी के संपर्क में था। छः सात माह पहले दोस्ती कर घर पर आना जाना शुरू कर दिया था। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद आरोपी हिमानी की स्कूटी से अपने घर गया। इसके बाद वह वापस आया और हिमानी के लैपटॉप मोबाइल और जेवरात ले गया। आरोपी ने अगले दिन एक निजी कंपनी के पास जेवरात गिरवी रख दिए थे। उसे अंदेशा था कि वह इस मामले में फंसेगा तो पैसे की आवश्यकता पड़ेगी। पुलिस अभी हत्या का कारण पैसे का लेनदेन मान रही है। हालांकि आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। कितने पैसे का विवाद था? इस बात पर अभी पुलिस ने कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने दावा किया है कि आरोपी ने शाम पांच बजे शिवानी की हत्या की थी और फिर घर चला गया था। शव को ठिकाने लगाने के लिए वह दोबारा आया और खून के धब्बे साफ कर बाकी साक्ष्य मिटाए। पुलिस के अनुसार आरोपी हिमानी की स्कूटी से ही अपने घर गया था और फाइनेंस कंपनी के पास जेवर गिरवी रखकर पैसे ले लिए थे। पुलिस के अनुसार सचिन ने रात 9 बजे के करीब शव को घर में रखे सूटकेस में पैक किया और इसके बाद ऑटो में सवार होकर रात को ही सांपला बस स्टैंड पहुंच गया। वहां पहुंचने पर ऑटो को छोड़कर बस स्टैंड की तरफ गया और सूटकेस को वहीं पर फेंक कर भाग गया। हिमानी हत्याकांड का खुलासा होते ही परिजन पीजीआई से हिमानी का शव लेकर निकल गए। करीब तीन बजे एडीजीपी केके राव की और से हिमानी हत्याकांड के आरोपी सचिन को गिरफ्तार करने का दावा किया गया। खुलासा होने के बाद परिजन पीजीआई पहुंचे और पोस्टमार्टम के करीब चौबीस घंटे बाद शव को लेकर रवाना हो गए। हिमानी का अंतिम संस्कार वैश्य कालेज के पास स्थित श्मशानघाट में किया जाएगा। दिल्ली पुलिस की बाहरी जिला पुलिस और हरियाणा की सांपला पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर बहादुरगढ़ के सचिन (30) नामक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोबाइल एसेसरीज की दुकान चलाता है। फिलहाल सांपला पुलिस ने उसे अपनी गिरफ्त में ले लिया है। सांपला पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। कांग्रेस नेता

हिमानी हत्याकांड में यह पहली गिरफ्तारी है। हत्यारे के पास से हिमानी का मोबाइल फोन और ज्वेलरी भी बरामद कर ली गई है। हरियाणा पुलिस सूत्रों ने दावा किया है कि हिमानी और सचिन एक दूसरे को करीबन एक साल से जानते थे। सचिन हिमानी से मिलने उसके घर भी जाता था और वहां रुकता था। पुलिस हत्या के कारणों को जानने के लिए लगातार पूछताछ कर रही है। सचिन ने कांग्रेस नेता की मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर हत्या की थी। हरियाणा की रोहतक के संपला कस्बे के बस स्टैंड पर एक बैग में एक मार्च को सुबह कांग्रेस नेता की बॉडी मिली थी। राहगीरों की नजर जब उस पर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची और बैग को खोला तो इसमें सूटकेस था। आरोपी बैग को बस में लेकर बस स्टैंड तक गया था। शुरुआती जानकारी मिली है कि बहादुरगढ़ के सचिन और हिमानी की एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। इसके बाद हिमानी ने सचिन को घर बुलाया। दोनों के बीच संबंध बने। हिमानी ने संबंधों की वीडियो बना ली। इस वीडियो के जरिए हिमानी द्वारा सचिन को ब्लैकमेल करने की बात सामने आ रही है। हिमानी को कई लाख रुपये देने की बात भी सामने आ रही है। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। आरोपी यह भी बताया कि दो मार्च को निकाय चुनाव होने थे, उससे पहले हिमानी ने सचिन को अपने घर बुलाया था।

एफआईआर का आदेश रद्द कराने हाईकोर्ट पहुंचीं पूर्व सेबी चीफ माधवी पुरी बुच

नई दिल्ली, 3 मार्च। पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और पांच अन्य ने कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी के लिए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए बंबई हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बॉम्बे हाईकोर्ट पूर्व सेबी प्रमुख व अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं पर 4 मार्च को सुनवाई करेगा। एसीबी तब तक विशेष अदालत के आदेश पर कार्रवाई नहीं करने को कहा गया है। इससे पहले, मुंबई की एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामक उल्लंघन के आरोप में पूर्व सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। मुंबई स्थित विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगा। मामले में 30 दिनों के भीतर स्टेटस रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। अदालत ने आदेश में यह भी कहा है कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है। आदेश में कहा गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी (आपराधिक प्रक्रिया संहिता) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है। माधबी बुच के अलावा जिन अन्य अधिकारियों के खिलाफ अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, उनमें बीएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदररामन राममूर्ति, इसके तत्कालीन चेयरमैन और जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल और सेबी के तीन पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय शामिल हैं।

कांग्रेस समर्थक शिक्षकों पर झूठे केस हटाने में हस्तक्षेप करें: अधीर रंजन

कोलकाता, 2 फरवरी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखा, जिसमें कहा गया है कि दो शिक्षकों पर झूठे मामले दर्ज किए गए हैं। दोनों शिक्षकों पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) संचालित बहरामपुर नगर पालिका द्वारा कथित तौर पर बाल शोषण के मामले में फंसाया गया था। चौधरी ने सीएम से दोनों शिक्षकों के खिलाफ आरोप हटाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की। चौधरी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का समर्थन करने के कारण इन शिक्षकों को अत्यधिक मानसिक उत्पीड़न और वित्तीय परेशानी का सामना करना पड़ा है। दोनों शिक्षक मुर्शिदाबाद जिले के गोराबाजार में एक प्राथमिक विद्यालय से जुड़े हैं। चौधरी ने यह भी बताया कि इन शिक्षकों का वेतन बिना किसी वजह के रोका गया था, जिससे उनकी रोजी-रोटी संकट में आ गई। इसके बाद उन्हें न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। महीनों चली कानूनी लड़ाई के बाद, उनके पक्ष में फैसला आया और उनका वेतन बहाल कर दिया गया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बहरामपुर के नगरपालिका अधिकारी इस बात को स्वीकार नहीं कर पाए कि कम वेतन पाने वाले शिक्षक न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं, इसलिए उन्होंने इन शिक्षकों पर झूठे यौन दुराचार और शोषण के आरोप लगाने की साजिश रची और उसे अंजाम दिया। चौधरी ने दोनों शिक्षकों के खिलाफ आरोप वापस लेने के लिए सीएम बनर्जी से हस्तक्षेप की मांग की। बहरामपुर नगर पालिका के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों शिक्षकों के खिलाफ शिकायत के बाद पिछले साल मामला दर्ज किया गया था।

गिर के शेर देखने के बाद थोड़ा गिरते हुए शेयर भी देख लेते साहब: पवन खेड़ा

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 3 मार्च। गुजरात दौरे पर गिर नेशनल पार्क में जंगल सफारी करने गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस ने कटाक्ष किया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गिर में शेर की तस्वीरें क्लिक करते पीएम मोदी की एक तस्वीर को दोबारा पोस्ट किया। उन्होंने शेयर बाजार में लगातार हो रही गिरावट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी से इस मुद्दे की गंभीरता को समझने और तत्काल हस्तक्षेप कर सुधारात्मक उपाय करने की अपील भी की। सोमवार के कारोबार के बाद भी शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 112.16 अंक गिरकर 73,085.94 पर बंद हुआ। निफ्टी 5.40 अंक गिरकर 22,119.30 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गिरावट से जुड़े एक अहम घटनाक्रम में यह जानना भी दिलचस्प है कि 29 साल के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में लगातार पांचवें महीने गिरावट देखी गई। इससे पहले 1996 में बड़ी गिरावट देखी गई थी। आर्थिक नुकसान का जिक्र करते हुए कांग्रेस के मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक्स हैंडल पर विकास भदौरिया की पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। उन्होंने लिखा, गिर के शेर देखने के

बाद थोड़ा गिरते हुए शेयर भी देख लेते साहब.. विकास भदौरिया ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें कैमरे से तस्वीरें क्लिक करते पीएम मोदी और गिर नेशनल पार्क में शेरों और उनके शावकों को देखा जा सकता है। बता दें कि कांग्रेस पहले भी मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों को लेकर आक्रामक रही है। बाजार में लगातार हो रही गिरावट को लेकर बीते फरवरी के अंतिम हफ्ते में पार्टी सांसद राहुल गांधी, पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश और पवन खेड़ा ने प्रेस वार्ता कर पीएम मोदी की आर्थिक नीतियों पर सवाल खड़े किए थे। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान पहले प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने शेयर बाजार में निवेश से जुड़े बयान दिए थे। हालांकि, प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने का दावा करने वाली भाजपा को महज 240 सीटों से संतोष करना पड़ा। इसके बाद विपक्षी दलों ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार जनता के साथ-साथ निवेशकों का भी भरोसा खो चुकी है। शेयर बाजार में लगातार हो रही गिरावट को लेकर कांग्रेस का आरोप है कि पीएम मोदी और शाह के बयानों के बाद शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश हुआ। अब निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये डूब रहे हैं, तो सरकार मौन है।

लेकिन, सरकार तेजस्वी यादव की बनेगी: लालू यादव

कौमी संवाददाता

जहानाबाद, 2 फरवरी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव अपने करीबी सहयोगी रहे दिवंगत डॉ. चंद्रिका प्रसाद यादव की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने जहानाबाद जिले के मीरा बीघा टेंपल सिटी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव के नेतृत्व में 2025 में बिहार में सरकार बनने का दावा किया और कहा कि जनता का पूरा समर्थन राजद के साथ है। लालू यादव के आगमन की सूचना मिलते ही जहानाबाद बॉर्डर पर राजद विधायक सुदय यादव के नेतृत्व में सैकड़ों समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। समर्थकों की भारी भीड़ ने राजद सुप्रीमो के समर्थन में जोरदार नारे लगाए। इसके बाद उनका काफिला टेहटा थाना क्षेत्र के मीरा बीघा टेंपल सिटी गांव पहुंचा, जहां उन्होंने श्रद्धांजलि सभा में शिरकत की। मीरा बीघा पहुंचकर

लालू प्रसाद यादव ने दिवंगत चंद्रिका प्रसाद यादव के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने दिवंगत नेता के परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और कहा कि चंद्रिका बाबू का योगदान समाज और जिले के विकास में अमूल्य था। गौरतलब है कि दिवंगत चंद्रिका प्रसाद यादव राजद सुप्रीमो लालू यादव के कॉलेज के साथी रहे थे। वे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी रहे और अपने जीवनकाल में समाज सेवा और जिले के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लालू यादव ने इस मौके पर कहा कि चंद्रिका बाबू का व्यक्तित्व प्रेरणादायक था और उन्होंने हमेशा गरीबों व वंचितों की आवाज उठाई। श्रद्धांजलि सभा के दौरान जब सी-वोटर सर्वे को लेकर लालू यादव से सवाल किया गया, तो उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि 2025 में बिहार में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि जनता मौजूदा सरकार से पूरी तरह ऊब चुकी है और बदलाव चाहती है। लालू यादव ने कहा कि बिहार की जनता अब एक नई सरकार चाहती है, जो उनके हितों की रक्षा कर सके। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद सरकार बनाएगी और बिहार को आगे ले जाने का काम करेगी। जब उनसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने संक्षिप्त जवाब में कहा कि हां, आ रहे हैं। हालांकि इस पर उन्होंने ज्यादा विस्तार से कुछ नहीं कहा, लेकिन उनके इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं को तेज कर दिया। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का दिवंगत चंद्रिका प्रसाद यादव के सुपुत्र संजय यादव और चंद्र प्रकाश ने अपने पैतृक गांव में गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान कार्यक्रम में राजद के कई वरिष्ठ नेता, स्थानीय विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मायावती ने अब आकाश आनंद को पार्टी से निष्कासित कर दिया

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 3 मार्च। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद से नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी पद छीनने के बाद अब उन्हें पार्टी से ही निष्कासित कर दिया है। अपने फैसले के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बसपा की आल-इण्डिया की बैठक में कल आकाश आनन्द को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चाताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी लेकिन इसके विपरीत आकाश ने जो अपनी लम्बी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है वह उसके पछतावे व राजनीतिक मैच्युरिटी का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर-मिशनरी है, जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ दण्डित भी करती रही हूं। अतः डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्मसम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के हित में तथा कांशीराम की अनुशासन की परम्परा को निभाते हुए आकाश आनन्द को, उनके ससुर की तरह, पार्टी व मूवमेन्ट के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है। आकाश आनंद ने अपनी सफाई में कहा था कि मैं

मायावती जी का कैडर हूं और उनके नेतृत्व में मैने त्याग, निष्ठा और समर्पण के कभी ना भूलने वाले सबक सीखे हैं, ये सब मेरे लिए केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य हैं। आदरणीय बहन जी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर के समान है, मैं उनके हर फैसले का सम्मान करता हूं उस फैसले के साथ खड़ा हूं। मायावती जी द्वारा मुझे पार्टी के सभी पदों से मुक्त करने का निर्णय मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से भावनात्मक है, लेकिन साथ ही अब एक बड़ी चुनौती भी है, परीक्षा कठिन है और लड़ाई लंबी है। ऐसे कठिन समय में धैर्य और संकल्प ही सच्चे साथी होते हैं। बहुजन मिशन और मूवमेंट के एक सच्चे कार्यकर्ता की तरह, मैं पार्टी और मिशन के लिए पूरी निष्ठा से काम करता रहूंगा और अपनी आखिरी सांस तक अपने समाज के हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा। कुछ विरोधी दल के लोग ये सोच रहे हैं कि पार्टी के इस फैसले से मेरा राजनीतिक करियर समाप्त हो गया, उन्हें समझना चाहिए कि बहुजन मूवमेंट कोई करियर नहीं, बल्कि करोड़ों दलित, शोषित, वंचित और गरीबों के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान की लड़ाई है। यह एक विचार है, एक आंदोलन है, जिसे दबाया नहीं जा सकता। इस मशाल को जलाए रखने और इसके लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने के लिए लाखों आकाश आनंद हमेशा तैयार हैं।

ये मोइली के निजी विचार, अंतिम फैसला हाईकमान का: शिवकुमार

बंगलूरू, 3 मार्च। कर्नाटक के मंत्रियों ने पार्टी के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली के उस बयान से किनारा कर लिया है, जिसमें मोइली ने डीके शिवकुमार के सीएम बनने की बात कही थी। मंत्रियों ने कहा कि वीरप्पा मोइली ने जो भी कहा, वे उनके निजी विचार थे और सीएम को लेकर हाईकमान का फैसला ही अंतिम है। गौरतलब है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि डीके शिवकुमार ने पार्टी बनाई है और कोई भी उन्हें सीएम बनने से नहीं रोक सकता। कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि न तो डीके शिवकुमार और न ही कोई और ये दावा कर सकता है कि वे नेतृत्व संभालने वाले हैं। खरगे ने कहा कि न तो मोइली और न ही किसी और ने ये कहा है कि डीके शिवकुमार आज या कल सीएम बनने जा रहे हैं। उन्होंने सिर्फ ये कहा कि एक दिन शिवकुमार को उनकी कड़ी मेहनत का फल मिलेगा। ये पार्टी हाईकमान तय करेगा। हमारी जिम्मेदारियां स्पष्ट हैं। सिद्धारमैया अभी सीएम हैं और डीके शिवकुमार डिप्टी सीएम। वीरप्पा मोइली ने जो भी कहा है, ये उनके विचार हैं। एक अन्य मंत्री संतोष कुमार लाड ने कहा कि अगर वीरप्पा मोइली ने कोई बयान दिया है तो उनसे ही इसके बारे में सवाल किए जाने चाहिए

एयर इंडिया ने इज़रायल के लिए उड़ानें फिर से शुरू की

यरूशलम। देश की प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया ने सात महीने के निलंबन के बाद इजरायल के लिए अपनी उड़ानें फिर से शुरू कर दीं। परिचालन दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधी उड़ान के साथ शुरू हुआ और तेल अवीव के बाहर बेन गुरियन हवाई अड्डे पर उतरी। एयर इंडिया अब दिल्ली और तेल अवीव के बीच पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी, जिसके साथ वह दोनों देशों के बीच सीधी सेवाएं देने वाली एकमात्र एयरलाइन बन जाएगी। इज़रायल में बहु-मोर्चे संघर्ष तेज होने के बाद, मध्य पूर्व क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच अधिकांश विदेशी एयरलाइनों ने तेल अवीव के लिए अपनी उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कर दीं थी।

दक्षिण-पश्चिमी रूस में तेल रिफाइनरी में लगी आग

मॉस्को। रूस के दक्षिण-पश्चिमी शहर उफा में एक तेल रिफाइनरी में आग लग गई,हालांकि इससे स्थानीय निवासियों को कोई खतरा नहीं है। देश की आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। रूसी आपातकालीन स्थिति मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय ने कहा, प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि आग सुविधा के भस्मक क्षेत्र में लगी थी, जिससे आसपास के निवासियों को कोई खतरा नहीं है। कार्यालय ने कहा, आग की रिपोर्ट मिलने के बाद आपातकालीन कर्मचारियों को रात भर उच्च प्रतिक्रिया स्तर पर तैनात किया गया था। उन्होंने कहा कि हवा की गुणवत्ता की निगरानी के लिए एक प्रयोगशाला भेजी गई है। टेलीग्राम चैनल 'बाजा' ने बताया कि उफ़ा निवासियों ने विस्फोट से पहले ड्रोन जैसी आवाज़ सुनी।

सीरिया में गोलीबारी में 4 की मौत, 13 घायल

दमिश्क। मध्य सीरिया के हामा के हयालिन गांव में एक मोटरसाइकिल सवार बंदूकधारी ने उपासकों के एक समूह पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 13 से अधिक अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया 'शैम एफएम' की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।रिपोर्ट के अनुसार हमलावर ने एक मस्जिद से निकल रहे लोगों को निशाना बनाया, जिससे दहशत और अफरा-तफरी मच गई और आपातकालीन टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। सीरियाई नागरिक सुरक्षा दल घायलों की सहायता के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, जबकि सुरक्षा बलों ने हमलावर की तलाश शुरू कर दी। अधिकारियों ने अभी तक हमले के मकसद का खुलासा नहीं किया है, जिसके लिए किसी समूह ने जिम्मेदारी का दावा नहीं किया है।

अमेरिकी रक्षा विभाग दक्षिणी सीमा पर भेजेगा 3,000 अतिरिक्त सैनिक

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग मेक्सिको से लगी दक्षिणी सीमा पर लगभग 3,000 सैनिकों को भेज रहा है। 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को इन आदेशों को मंजूरी प्रदान की। इनमें स्ट्राइकर ब्रिगेड लड़ाकू टीम और एक सामान्य सहायता विमानन बटालियन शामिल हैं, आने वाले हफ्तों में लगभग 2,000 मील की सीमा पर पहुंचेंगी। पेंटागन ने कहा कि नए सैनिक वर्तमान सीमा सुरक्षा अभियानों को मजबूती प्रदान करेंगे और विस्तारित करेंगे जिससे सीमा को सील किया जा सके और अमेरिका की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सीमा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने अपने कार्यालय में पहले दिन मेक्सिको के साथ अमेरिकी सीमा पर एक राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की जिससे अवैध प्रवासियों के प्रवेश को व्यापक रूप से रोका जा सकें।

संघर्ष विराम वार्ता ठप्प होने से गाजावासियों की बढ़ी चिंता, कहीं फिर से शुरू न हो जाए जंग

एजेंसी

गाजा । गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों ने इस साल रमजान का स्वागत भारी मन से किया। तबाह हो चुके शहर के निवासियों को युद्ध विराम समझौते कहीं टूट न जाए और इजरायली हमले फिर से शुरू न हो जाए। समाचार एजेंसी के अनुसार, फिलीस्तीन और इजरायल के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। दूसरे चरण का कोई संकेत न मिलने के कारण गाजा के लोग अब बहुत चिंता में हैं और उन्हें डर है कि युद्ध कभी भी फिर से शुरू हो सकता है। गाजा की सड़कों पर पहले लोगों का आवागमन रहता था। लेकिन, अब यह खंडहर में बदल चुकी हैं। टूटे हुए घरों का मलबा तबाही की याद दिलाता है और हवा में बारूद, मौत और सड़ी गली चीजों की बदबू फैली हुई है।

दक्षिणी गाजा के खान यूनिस की ओम मोहम्मद अल-नज्जर कहती हैं, हर दिन जब गोलाबारी नहीं होती, तो थोड़ा आराम मिलता है। लेकिन हम हमेशा इस डर में जीते हैं कि कहीं हमले फिर से न शुरू हो जाएं। हाल ही में हुई बमबारी में उनका घर भी नष्ट हो गया।

उन्होंने कहा, हमने बहुत दुख सहा है। रमजान शांति का समय होना चाहिए, लेकिन यहां कोई शांति नहीं है। गाजा सिटी के 45 वर्षीय मोहम्मद अल-दहदौह, जो चार बच्चों के पिता हैं, बताते हैं कि उनका परिवार पहले खुशी-खुशी अपने घर को लालटेन और चमकीले रंगों से सजाता था। रसोई में पारंपरिक मध्य पूर्वी व्यंजन, मकलूबा और कतायेफ़ की खुशबू फैल जाती थी और पूरे घर में हंसी की आवाजें गूंजती थीं।

अल-दहदौह ने बताया, रमजान का मतलब होता था इफ्तार की मेज पर परिवार का एक साथ होना, बच्चों की हंसी की आवाज़ और घर में खाने की खुशबू का होना।÷ अब, न घर है, न मेज। हम एक छोटे से तंबू में रह रहे हैं और हमारे पास जो खाना है, वह मुश्किल से पर्याप्त है। राफा शहर की एक फिलिस्तीनी महिला, तसाहिल नासर ने बताया पवित्र रमजान का महीना गाजा में अपनी खुशियां खो चुका है। यहां कोई लालटेन नहीं है, कोई सजावट नहीं हैं, और न ही हलचल भरे बाजार हैं। इसके बजाय, यहां मौत का सन्नाटा है और हमेशा विनाश की गंध फैलती रहती है। नासर इजरायली हवाई हमले में अपने पति, भाइयों और माता-पिता को खो चुकी है। उन्होंने कहा, ÷हमारे प्रियजन चले गए हैं और अब हमारे पास आगे बढ़ने की ताकत नहीं है। दर्द लगातार बना हुआ है, अब यह और भी बढ़ गया है, क्योंकि पवित्र रमजान का महीना उस परिवार की यादें लेकर आता है, जिसे मैंने खो दिया है।

कुछ गाजावासी दर्द में टूटना नहीं चाहते। मध्य गाजा के डेर अल-बलाह के 35 वर्षीय अर्कान रादी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने तंबू में रमजान की कुछ सजावट की हैं। रेडी ने कहा, ये एक संदेश हैं कि हम अभी भी यहां हैं। अभी भी जीवन को थामे हुए हैं, चाहे हालात कितने भी बुरे क्यों न हों। यह कोई समाधान नहीं है, लेकिन मैं अपने बच्चों के लिए कुछ उम्मीद और खुशी लाना चाहती हूं।

निजी अमेरिकी कंपनी का अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक चांद पर उतरा

एजेंसी

वाशिंगटन। फायरफ्लाई एयरोस्पेस का ब्लू घोस्ट चंद्र लैंडर सफलतापूर्वक चंद्रमा के मैरे क्रिसियम क्षेत्र में उतर गया। यह मिशन 15 जनवरी, 2025 को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ और रविवार, को सटीक लैंडिंग के साथ समाप्त हुआ। फायरफ्लाई स्पेस, टेक्सास स्थित एक अमेरिकी निजी क्षेत्र की एयरोस्पेस फर्म है, जो अंतरिक्ष वाहनों के डिजाइन, निर्माण और प्रक्षेपण संचालन से संबंधित है। नासा की पोस्ट के अनुसार, कर्मशियल कंपनी के ब्लू घोस्ट चंद्र लैंडर ने नासा के 10 वैज्ञानिक उपकरण और तकनीकी डेमो को सुरक्षित रूप से चंद्रमा पर पहुंचा दिया। नासा के मुताबिक, ब्लू घोस्ट के मिशन के दौरान, एजेंसी के वैज्ञानिक उपकरणों का लक्ष्य चंद्र उपसतह ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी, रेगोलिथ नमूना संग्रह क्षमताओं, ग्लोबल नेविगेशन उपग्रह प्रणाली क्षमताओं, विकिरण सहनशील कंप्यूटिंग और चंद्र धूल शमन विधियों का परीक्षण और प्रदर्शन करना है। कैप्चर किए गए डाटा से पृथ्वी पर मनुष्यों को भी लाभ हो सकता है, क्योंकि इससे यह पता चल सकता है कि अंतरिक्ष का मौसम और अन्य ब्रह्मांडीय ताकतें पृथ्वी को कैसे प्रभावित करती हैं। नासा की कार्यवाहक प्रशासक जेनेट पेट्रो ने कहा, यह अविश्वसनीय उपलब्धि दर्शाती है कि कैसे नासा और अमेरिकी कंपनियां सभी के लाभ के लिए अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। यह मिशन नासा-उद्योग साझेदारी का हिस्सा है जिसका उद्देश्य लागत कम करना और आर्टेमिस प्रोग्राम को समर्थन देना है, जो अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस भेजने के लिए बनाया गया है। फरवरी 2024 में, इंट्यूटिव मशीन्स चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाली पहली निजी कंपनी बन गई। 1972 के अपोलो 17 मिशन के बाद यह अमेरिका की पहली लैंडिंग भी थी।

यूक्रेन का अमेरिका ने दिया साथ, इसके लिए उनका आभार : जेलेंस्की

एजेंसी

नई दिल्ली । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ चल रहे युद्ध के दौरान अमेरिका से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो संदेश पोस्ट कर कहा कि यूक्रेन को अमेरिका से मिल रहे समर्थन की महत्वपूर्ण भूमिका को वह समझते हैं और इसके लिए आभारी हैं।

जेलेंस्की का यह बयान व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा यूक्रेन से पर्याप्त आभार व्यक्त न करने की बात कहने और संघर्ष विराम के प्रस्तावों को अस्वीकार करने के बाद आया। जेलेंस्की ने वीडियो में यह भी बताया कि यूरोप से उन्हें समर्थन और एकता मिल रही है और इस सहयोग को मजबूत बनाने की इच्छा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन का लक्ष्य शांति है, न कि ÷अंतहीन युद्ध÷, और इसके लिए उन्हें ÷वास्तविक सुरक्षा गारंटी÷ की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पूरे यूरोप, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और तुर्की समेत कई देशों का यह मुख्य मुद्दा है। इसके अलावा, जेलेंस्की ने यूक्रेनी लोगों की लचीलापन की सराहना करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता को बचाने के लिए चल रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के लिए वे हमेशा कृतज्ञ (थैंकफुल) महसूस कर रहे हैं। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि यूक्रेन का लचीलापन इस बात पर आधारित है कि उनके साझेदार उनकी और अपनी सुरक्षा के लिए क्या कर रहे हैं। जेलेंस्की का यह संदेश लंदन में हुए एक शिखर सम्मेलन के बाद आया, जहां विभिन्न देशों

के नेता रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए थे। इस सम्मेलन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूरूडो और इटली के प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी शामिल थे। यह सम्मेलन 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की एकजुटता को दिखाने का एक अहम मौका था।

संघर्ष के कारण महीनों तक बंद रहने के बाद इजरायल में फिर से खुले स्कूल

एजेंसी

यरूसलम । उत्तर इजरायल में लगभग डेढ़ साल बाद स्कूल दोबारा खुले हैं। अक्टूबर 2023 में लेबनान सीमा पर इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद ये स्कूल बंद कर दिए गए थे।न्यूज एजेंसी के अनुसार, इजरायली शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को धीरे-धीरे खोला जाएगा क्योंकि युद्ध के दौरान स्कूलों की इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, और बहुत से छात्र अपने परिवारों के साथ देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में चले गए थे।

अभिभावकों के लिए जारी एक सूचना में मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2023 में उत्तरी इजरायल के 43 शहरों, कस्बों और गांवों के 195 स्कूलों और किंडरगार्टन के करीब 12,600 छात्रों को उनके परिवारों के साथ निकाला गया था। मंत्रालय ने कहा कि अब प्रत्येक परिवार यह तय कर सकता है कि वे अपने घर लौटकर बच्चों को फिर से पुराने स्कूल में दाखिला दिलाएं या जहां वे स्थानांतरित हुए थे, वहीं पढ़ाई

जारी रखें। इसके अलावा, सरकार ने स्कूल के बाद की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 50 मिलियन शेकेल (करीब 13.89 मिलियन डॉलर) का बजट जारी किया है। साथ ही, बच्चों की मानसिक स्थिति को मजबूत करने के लिए विशेष सहायता और मार्गदर्शन कार्यक्रम शुरू किए गए हैं ताकि वे इस संघर्ष के प्रभाव से उबर सकें।

इसके अलावा, इजरायल ने गाजा पट्टी में रमजान और यहूदी पर्व पासओवर के दौरान अस्थायी संघर्ष विराम के लिए अमेरिका के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह घोषणा शनिवार और मध्यरात्रि को प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से की गई। रमजान शुक्रवार से शुरू हो चुका है और 30 मार्च तक चलेगा, जबकि यहूदी पर्व पासओवर 12 से 20 अप्रैल तक मनाया जाएगा। अमेरिका के मध्य पूर्व के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के प्रस्ताव के अनुसार, बढ़े हुए युद्धविराम के पहले दिन, हमास द्वारा गाजा में बंधक बनाए गए जीवित और मृत लगभग 59 इजरायली बंधकों में आधे को लौटाया जाएगा।

ब्रिटिश पीएम ने यूक्रेन के लिए 1.6 बिलियन पाउंड के मिसाइल सौदे का किया ऐलान

एजेंसी

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने यूक्रेन की मदद के लिए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यूके, कीव को 5,000 से अधिक एयर डिफेंस मिसाइलों की खरीद के लिए ब्रिटिश निर्यात वित्त के 1.6 बिलियन पाउंड (2 बिलियन डॉलर) इस्तेमाल करने की अनुमति देगा। लंदन में पश्चिमी नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टारमर ने कहा, यह बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और यूक्रेन की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण होगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्टारमर ने कहा कि इसका लक्ष्य यूक्रेन को सबसे मजबूत स्थिति में लाना है, ताकि देश बेहतर स्थिति में रहकर बातचीत कर सके। स्टार्मर ने कहा कि शिखर सम्मेलन में नेताओं ने यूक्रेन में शांति की गारंटी के लिए चार-चरणीय योजना पर

सहमति व्यक्त की। इसके तहत - संघर्ष जारी रहने तक यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी रखना, रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना; यह सुनिश्चित करना कि कोई भी स्थायी शांति यूक्रेन की संप्रभुता और सुरक्षा की गारंटी दे, किसी भी वार्ता के लिए यूक्रेन को मेज पर रखना; शांति समझौते की स्थिति में रूस द्वारा किसी भी भविष्य के आक्रमण को रोकना; यूक्रेन की रक्षा करने और देश में शांति बनाए रखने के लिए इच्छुक लोगों का गठबंधन स्थापित करना- शामिल है। स्टारमर ने कहा कि नेताओं ने इन प्रयासों के पीछे की गति को बनाए रखने के लिए जल्द ही फिर से मिलने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा, यूरोप को भारी काम करना चाहिए। ब्रिटिश पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि समझौते को अमेरिका के समर्थन की जरूरत है। उन्होंने कहा, ÷मैं स्पष्ट कर दूं कि हम स्थायी शांति की तत्काल आवश्यकता पर ट्रम्प से सहमत हैं। अब हमें मिलकर काम करने की जरूरत है। शिखर सम्मेलन से पहले स्टारमर ने घोषणा की कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन अमेरिका के सामने पेश करने के लिए युद्धविराम योजना पर काम करेंगे। उन्होंने स्थायी शांति हासिल करने के लिए तीन जरूरी बिंदुओं का नाम लिया - मजबूत यूक्रेन, सुरक्षा गारंटी के साथ एक यूरोपीय तत्व और एक अमेरिकी बैकस्टॉप, इनमें से अंतिम गहन चर्चा का विषय है।

पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों का जबरन निर्वासन रोका जाए, मानवाधिकार संगठनों की इस्लामाबाद से गुहार

एजेंसी

काबुल। मानवाधिकार संगठनों और शरणार्थी समर्थक समूहों के गठबंधन ने पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों के जबरन निर्वासन को तुरंत रोकने की मांग की। गठबंधन ने कहा कि जबरन निर्वासन की नीति अंतरराष्ट्रीय कानून और शरणार्थियों की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करती है। स्थानीय अफगान मीडिया अमू टीवी ने यह जानकारी दी।

इन संगठनों ने पाकिस्तानी सरकार को एक खुला पत्र लिखा, जिसमें कहा गया कि ये अफगान प्रवासी उत्पीड़न, उल्लंघन और दमन से बचने के लिए अपने ही देश से भागे हैं। पाकिस्तान ने 31 मार्च, 2025 तक अफगान प्रवासियों के लिए स्वेच्छा से देश छोड़ने या जबरन निष्कासन का सामना करने की समय-सीमा तय की है। ये अफगान प्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पत्र में पाकिस्तान में अफगान प्रवासियों पर लगाए गए अत्यधिक वीजा शुल्क की निंदा की गई। इसमें कहा गया कि निर्वासन के खतरे ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। गठबंधन ने पाकिस्तानी पुलिस की कार्रवाइयों पर भी चिंता जताई, जिन्होंने कई मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और बिना परिवार या कानूनी अभिभावकों के बच्चों को भी निर्वासित किया। निर्वासन के जोखिम का सामना करने वालों में गर्भवती महिलाएं और विकलांग व्यक्ति भी शामिल हैं। पत्र में गठबंधन ने आरोप लगाया कि वैध वीजा और कानूनी निवास परमिट वाले अफगानों को जबरन निर्वासित किया गया ।

नेपाल की राष्ट्रीय सभा में बहुमत के लिए दल विभाजन विधेयक लाने की तैयारी में ओली सरकार

एजेंसी

ताइपे । हांगकांग और मकाऊ के रहने वालों को अब ताइवान में स्थायी निवास मिलने में रियायत नहीं दी जाएगी। चीन की नीतियों के चलते ताइवान अपने नागरिकता कानूनों को कड़ा करने पर विचार कर रहा है।ताइवान सरकार हांगकांग और मकाऊ के निवासियों के लिए नागरिकता पाने के वैकल्पिक रास्ते को खत्म करने और स्थायी निवास की पात्रता की शर्तों को सख्त करने पर विचार कर रही है। यह जानकारी 'ताइपे टाइम्स' ने अपने सूत्रों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, नाम न बताने की शर्त पर मामले से परिचित एक अधिकारी ने 'ताइपे टाइम्स' को बताया कि ताइवान सरकार हांगकांग और मकाऊ के निवासियों के लिए आव्रजन कानूनों में बदलाव कर सकती है। इस कदम का मकसद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) को इन क्षेत्रों के जरिए

ताइवान में घुसपैठ करने से रोकना है। अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित बदलावों के तहत, चीन के क्षेत्रों से आने वाले लोगों को ताइवान में स्थायी निवास पाने से पहले चार साल तक रहना होगा, जबकि अब यह समय एक साल है। इसके बाद, वे स्थायी निवास प्राप्त करने के बाद ताइवान की नागरिकता के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रस्तावित बदलावों के तहत, हांगकांग या मकाऊ के उन निवासी आवेदकों की कड़ी जांच की जाएगी, जिन्होंने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी), चीनी सेना या चीनी सरकारी संस्थाओं के लिए काम किया है और उनके आवेदनों को संभवतः अस्वीकार भी किया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि यह कदम ताइवान के 'राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानूनी सुधार' का हिस्सा है। ताइवान, हांगकांग में बदलती स्थिति को देखते हुए इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, जहां 1997 के बाद से 2 मिलियन से ज्यादा चीनी लोग हांगकांग में बस चुके हैं। बता दें 1997 में ब्रिटने हांगकांग को चीन को सौंपा था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीजिंग ने 2020 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के बाद हांगकांग की स्थिति को काफी बदल दिया और चीनी प्रभाव को बढ़ाया। इन सब के चलते हांगकांग के लोगों के लिए ताइवान की आसान आव्रजन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ी समस्या बन गई।

अमेरिका संग निरस्त खनिज सौदे पर हस्ताक्षर को तैयार जेलेंस्की

एजेंसी

लंदन । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका के साथ निरस्त खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की का यह बयान रविवार (स्थानीय समयानुसार) को लंदन में यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन में यूक्रेन को मिले समर्थन के बाद आया।

शिखर सम्मेलन यूक्रेन के भविष्य और यूरोप के साथ उसके संबंधों पर केंद्रित था। शिखर सम्मेलन के बाद, जेलेंस्की ने संवाददाताओं से कहा, 'अगर हम खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमत हुए, तो हम इस पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा,'अगर दोनों पक्ष तैयार हैं, तो मेज पर मौजूद समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। हालांकि, इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी कि अमेरिका दोनों पक्षों द्वारा तैयार किए गए और हस्ताक्षर के लिए तैयार समझौते को जारी रखने के लिए तैयार है या नहीं। अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अगर वह लड़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो समझौता बेमानी हो जाएगा।

जेलेंस्की ने कहा है कि वह पहले अमेरिका से रूस के साथ युद्ध खत्म करना चाहते हैं लेकिन इससे पहले अपने देश की सुरक्षा की गारंटी चाहते हैं। इस बीच, फ्रांस और ब्रिटेन ने शांति प्रयासों को गति देने की कोशिश की, जिसके प्रति खास आग्रह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दिखाया गया, जबकि जेलेंस्की ने इसके प्रति संदेह जताया है। स्टार्मर ने कहा कि वह और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जेलेंस्की के साथ मिलकर एक शांति योजना बनाएंगे और इसे ट्रंप के समक्ष रखेंगे। उन्होंने यह भी बताया, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और संभवतः एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ मिलकर लड़ाई रोकने की योजना पर काम करेगा और फिर हम उस योजना पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ चर्चा करेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक योजना का सुझाव दिया, जिसके तहत यह एक महीने के युद्धविराम से शुरू हो सकता है, जो पूर्ण शांति समझौते की प्रस्तावना होगी। मैक्रों ने कहा कि शुरुआत में युद्धविराम हवाई, समुद्री और ऊर्जा अवसंरचना को कवर करेगा न कि जमीनी लड़ाई को क्योंकि जमीनी निगरानी करना मुश्किल होगा।

ट्यूनीशिया की समुद्री इकाई ने पूर्वी तट से 64 लोगों को बचाया

एजेंसी

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया के पूर्वी प्रांत महदिया में एक समुद्री इकाई ने यूरोप पहुंचने की कोशिश करते समय समुद्र में फंसे 64 लोगों को बचाया है। ट्यूनीशिया के सीमा शुल्क महानिदेशालय ने अपने फेसबुक अकाउंट के माध्यम से यह जानकारी दी। महानिदेशालय के अनुसार,

विभिन्न देशों के 64 लोग समुद्र में ईंधन खत्म हो रही एक नाव पर पाए

बंधकों को वापस पाने के लिए इजरायल के सामने सिर्फ एक रास्ता : हमास

एजेंसी

गाजा । हमास ने कहा कि इजरायल सिर्फ 'कैदी अदला-बदली समझौते' के जरिए ही अपने बंदियों को वापस पा सकता है। वरिष्ठ अधिकारी महमूद मर्दावी ने एक प्रेस बयान में यह बात कही।मर्दावी ने कहा, 'इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगर यह सोचते हैं कि गाजा पट्टी पर थोपे गए भुखमरी युद्ध माध्यम से वे अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे, तो वे भ्रम में हैं।' समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार मर्दावी ने समझौते के तहत तय सभी चरणों को मूल रूप में लागू करने पर जोर दिया और इजरायल की ओर से पहले चरण को आगे बढ़ाने का विरोध किया। हमास नेता ने मध्यस्थों से यह सुनिश्चित करने की भी अपील की कि इजरायल समझौते की शर्तों का पालन करे। उन्होंने मध्यस्थों से यह भी कहा कि वे सुनिश्चित करें कि इजरायल समझौते की शर्तों का पालन करे, जैसा कि सहमति हुई थी। हमास और इजरायल के बीच तीन-चरणीय समझौते का पहला 42-दिवसीय चरण, जिसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी, समाप्त हो गया। समझौते के तहत, दोनों पक्षों के बीच दूसरे चरण पर बातचीत करने की उम्मीद थी, जिसमें गाजा से इजरायल की पूर्ण वापसी और स्थायी युद्धविराम के बदले में हमास को बाकी बंधकों को रिहा करना था। हालांकि इजरायल ने घोषणा की कि वह संघर्ष विराम के पहले चरण को रमजान और पासओवर [यहूदी त्योहार] या 20 अप्रैल तक बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन करता है। उसने कहा कि यह प्रस्ताव ट्रंप प्रशासन के मध्यपूर्व दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से आया है। इजरायल ने न सिर्फ

अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है बल्कि गाजा में सभी वस्तुओं की सप्लाई रोकने का भी फैसला किया। यहूदी राष्ट्र ने कहा कि हमास द्वारा विटकॉफ प्रस्ताव को स्वीकार न करने की वजह से उसने सभी चीजों आपूर्ति पर रोक लगाई है। हमास ने अस्थायी युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकारने के लिए इजरायल की आलोचना की। फिलिस्तीनी ग्रुप के मुताबिक यहूदी राष्ट्र का यह कदम गाजा युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए वार्ता को टालने की कोशिश है। फिलिस्तीनी ग्रुप ने कहा कि गाजा में मानवीय सहायता को रोकने का नेतन्याहू का फैसला सस्ता ब्लैकमेल, युद्ध अपराध और समझौते के खिलाफ एक जबरदस्त उल्लंघन है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर बड़ा हमला किया था। हमास के सदस्यों ने करीब 12,00 लोगों को मार दिया और 251 लोगों को बंधक बना लिया। इसके बाद इजरायल ने हमास के नियंत्रण वाली गाजा पट्टी पर हमले शुरू कर दिए। इजरायल के हमले में 48 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इजरायल के हमलों से गाजा की लगभग दो-तिहाई इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया द्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नगर निगम को मिलेगा उसका उचित हिस्सा, की जाएगी गौशालाओं की मदद : रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने मंत्रिमंडल के साथ बवाना स्थित गोपाल गोसदन हरेवली गौशाला का दौरा किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा गौशालाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि नगर निगम को उसका उचित हिस्सा मिले। उन्होंने पिछली सरकारों की गलतियों से बचने की शपथ ली। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'हम पिछली सरकारों के तरीके का पालन नहीं करेंगे, जिन्होंने नगर निगम को पैसे का उचित हिस्सा नहीं दिया। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि नगर निगम को उसका हिस्सा मिले और गौशालाओं का काम बिना किसी रुकावट के

चलता रहे। उन्होंने राष्ट्र की प्रगति और परंपराओं के संरक्षण के महत्व पर भी विचार व्यक्त किए। धार्मिक और सांस्कृतिक संरक्षण को दिल्ली सरकार की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा, 'आजादी के 70 साल बाद भी हमारा देश बर्बादी की स्थिति में था। हमारे सनातन धर्म में जो पूजनीय था, उसे भी नजरअंदाज किया गया। सभी तीर्थ स्थल, सभी गौशालाएं और हमारे भगवान के प्रति हमारी भक्ति, को किसी न किसी तरह नजरअंदाज किया गया। 2014 के बाद एक नई सुबह आई, जिसने सनातन में आस्था रखने वालों के दिलों में उम्मीद जगाई।'

वहीं भाजपा सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने भी कार्यक्रम में बोलते हुए, गौशालाओं के प्रति पूर्ववर्ती सरकार के रुख की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट हो चुका है कि किस तरह दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम ने अतीत में गौशालाओं के साथ भेदभाव किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से गौशालाओं के लिए आवंटित धनराशि को जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि दिल्ली सरकार की ओर से गौशालाओं को सशक्त बनाया जाएगा।

कांग्रेस ने रोहतक में पार्टी कार्यकर्ता हिमानी की हत्या पर जताया शोक

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस ने हरियाणा के रोहतक में पार्टी कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए घटना की जांच करने की राज्य सरकार से मांग की है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स पेज पर कहा, हरियाणा के रोहतक में कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की बर्बर हत्या का समाचार बहुत दुखद और पीड़ादायक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति और परिजनों को दुख सहने की शक्ति दें। मुश्किल समय में हम पूरे परिवार के साथ खड़े हैं। पार्टी ने घटना की जांच की मांग करते हुए इसे शर्मनाक बताया है और कहा है, हिमानी के साथ हुई इस क्रूर और शर्मनाक घटना की निष्पक्ष जांच हो और अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। गौरतलब है हिमानी रोहतक छोड़कर कई साल से दिल्ली में अपनी मां और छोटे भाई के साथ रहती थी, लेकिन पिछले कुछ माह से वह रोहतक के विजयनगर में अपने पुस्तैनी मकान में अकेले रह रही थी। हिमानी के बड़े भाई की करीब 12 साल पहले हत्या कर दी गई थी, जबकि उसके पिता ने दस साल पहले आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद उसकी मां उसके छोटे भाई तथा उसे लेकर दिल्ली आ गई, लेकिन करीब चार-पांच माह से वह रोहतक में अकेली रह रही थी। आज हिमानी के शव का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस से बचने की कोशिश में मेट्रो पिलर से टकराई शराब तस्कर की कार, गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस से बचकर भाग रहे शराब तस्कर की होंडा सिटी कार मेट्रो पिलर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। नंगली मेट्रो स्टेशन के समीप हुई इस दुर्घटना के बाद पुलिस ने शराब तस्कर को धर दबोचा। आरोपित की पहचान सन्नी के रूप में हुई है। उसके कब्जे से होंडा सिटी कार तथा 68 पेटी शराब बरामद की गई है। आरोपित के खिलाफ पहले से चार मामले दर्ज हैं। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल को सूचना मिली कि हरियाणा से एक युवक शराब की तस्करी में लिप्त है। जो द्वारका और साउथ जिले में शराब की सप्लाई करता है। इस आधार पर गुरुग्राम सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई। पुलिस टीम ने नजफगढ़ इलाके के नंगली मेट्रो स्टेशन के पास शनिवार रात घेराबंदी की। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर कार चालक ने अचानक ब्रेक लगाकर कार बैक कर भागने की कोशिश की। इस दौरान फुटपाथ पर बने मेट्रो पिलर से कार टकराकर रुक गई। कार चला रहे युवक ने बाहर निकलकर राणाजी एन्क्लेव की तरफ दौड़ लगा दी। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। उसकी पहचान सन्नी के रूप में हुई। कार की तलाशी लेने पर शराब की 68 पेटियां बरामद हुईं। आरोपित ओखला इलाके का रहने वाला है।

'स्वास्थ्य क्षेत्र में भी शराब नीति जैसी अनियमितता बरती गई'

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र जारी है। दिल्ली के स्वास्थ्य सेवाओं में अनियमितताओं पर सीएजी की रिपोर्ट में कई बड़े खुलासे हुए। इस पर भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने 'आप' पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में भी शराब नीति जैसी अनियमितता बरती गई। भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा, 'पिछले 11 साल में आम आदमी पार्टी के बहुत से कारनामे हैं। अभी सिर्फ शराब नीति की रिपोर्ट को सदन में पेश किया गया था। आज स्वास्थ्य के बारे में सीएजी की रिपोर्ट पेश होगी। इससे पहले 'आप' ने सीएजी की तमाम रिपोर्ट को सदन के पटल पर नहीं रखा था।' उन्होंने आगे कहा, 'जैसे शराब नीति में 'आप' सरकार ने अनियमितता बरती, वैसे ही चिकित्सा क्षेत्र में भी बरती। उन्होंने मोहल्ला क्लिनिक, टैक्स स्लैब और दवाइयों की खरीद तक में अनियमितता बरती। सतीश उपाध्याय ने कहा, 'मोहल्ला क्लिनिक में सरकार ने अपने सगे-संबंधियों और रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाने के काम किए हैं। उन्होंने सारे नियम-कानून को ताक पर रखकर काम किया। उन्होंने कैसी-कैसी अनियमितता बरती है, सीएजी रिपोर्ट पेश होने के बाद सदन में इस पर चर्चा होगी। मोहल्ला क्लिनिक को उन्होंने वर्ल्ड क्लास बताया था, लेकिन वो गंदगी के अंबार थे। कोई ढंग के टेस्ट नहीं होते थे, दवाइयां नहीं होती थीं, दवाइयां होती थीं तो डॉक्टर नहीं मिलते थे। लोग नकली दवाइयों के आरोप भी लगाते रहे हैं।'

इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन की कार्रवाई बाधित करने को लेकर 21 'आप' विधायकों को सदन से तीन दिन के लिए निष्कासित कर दिया था। इस पर 'आप' नेता भाजपा पर तानाशाही का आरोप लगा रहे हैं। दिल्ली विधानसभा में विपक्षी विधायकों के खिलाफ हुए अत्याचार पर नेता विपक्ष आतिशी ने चिंता जताई है। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर विधानसभा अध्यक्ष को एक पत्र भी लिखा है, जिसमें उन्होंने विधानसभा में हाल ही में हुए घटनाक्रम की कड़ी आलोचना की है।

ईपीआईसी नंबर समान होने का मतलब फर्जी मतदाता नहीं : चुनाव आयोग

एजेंसी
नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने ऐसी रिपोर्टों का संज्ञान लिया है, जिसमें दो अलग-अलग राज्यों के वोटरों के समान मतदाता पहचान पत्र संख्या (ईपीआईसी) नंबर होने का मुद्दा उठाया गया है। आयोग का कहना है कि ईपीआईसी नंबर चाहे जो भी हो, कोई भी मतदाता अपने राज्य के अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में निर्धारित मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज होता है, न कि कहीं और।

चुनाव आयोग ने एक नई पहल करते हुए मतदाताओं को यूनीक ईपीआईसी नंबर आवंटित करने का निर्णय भी लिया है। आयोग का कहना है कि कुछ मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर समान हो सकते हैं, लेकिन समान ईपीआईसी नंबर वाले मतदाताओं के लिए जनसांख्यिकीय विवरण, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र सहित अन्य विवरण अलग-अलग हैं।

चुनाव आयोग ने मतदाता

सूची में हेराफेरी के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र नंबर होने का मतलब यह नहीं है कि मतदाता फर्जी है।

आयोग का यह स्पष्टीकरण विभिन्न सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में सामने आया है। गौरतलब है कि कई विपक्षी दलों ने भी मतदाताओं को जारी किए गए एक समान ईपीआईसी नंबर को लेकर चिंता जाहिर की है।

चुनाव आयोग का कहना है कि किसी भी आशंका को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। आशंका दूर करने के लिए पंजीकृत मतदाताओं को यूनीक ईपीआईसी नंबर आवंटित करने का निर्णय भी लिया गया है। डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर के किसी भी मामले को एक यूनीक ईपीआईसी नंबर आवंटित करके ठीक किया जाएगा। इस प्रक्रिया की सहायता के लिए ईआरओएनईटी 2.0 प्लेटफॉर्म को अपडेट किया जाएगा।

विभिन्न राज्यों के कुछ मतदाताओं को जारी किए गए समान ईपीआईसी संख्या का कारण भी आयोग ने बताया है। आयोग के मुताबिक, यह पहले अपनाई गई विकेंद्रीकृत और मैन्युअल प्रणाली के कारण हुआ। इसके परिणामस्वरूप कुछ राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालयों ने एक ही ईपीआईसी अल्फान्यूमेरिक श्रृंखला का उपयोग किया। इसके कारण विभिन्न राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर आवंटित किए जाने की संभावना बनी रही।

ठगी के मामले में दो गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने जाली दस्तावेजों के जरिए गुरुग्राम की एक संपत्ति का मालिक बताकर बेचने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने संपत्ति बेचकर कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक से 5.78 करोड़ रुपये की ठगी की। मूल मालिक के अदालत में शिकायत करने पर ठगी का खुलासा हुआ। इसके बाद पीड़ित ने आर्थिक अपराध शाखा में इसकी शिकायत दर्ज करवाई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद सलमान और रानी कपूर (बदला हुआ नाम) के रूप में हुई है। आर्थिक अपराध शाखा के डीसीपी विक्रम के पोरवाल ने बताया कि दिसंबर 2024 को कंस्ट्रक्शन कारोबारी अजय कुमार अग्रवाल से शाखा में ठगी की शिकायत दी। जिसमें उन्होंने मोहम्मद सलमान पर गुरुग्राम स्थित एक प्लॉट की बिक्री कर उनसे 5.78 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया। वह सलमान को पहले से जानते थे। उन्होंने बताया कि वह पहाड़गंज में उनके कार्यालय से संपर्क किया। आरोपित ने बताया कि संपत्ति शास्त्री नगर निवासी रानी कपूर (बदला हुआ नाम) की है। जिसका माप 1,340 वर्ग गज है। मोहम्मद सलमान ने उन्हें संपत्ति के मूल दस्तावेज दिखाए। इसके बाद शिकायतकर्ता ने इन दस्तावेजों के आधार पर आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से पांच करोड़ का ऋण लिया। फिर शिकायतकर्ता ने संपत्ति का दौरा किया। जहां एक बोर्ड देखकर वह चौंक गया। जिसमें बताया गया था कि संपत्ति कविता शर्मा (बदला हुआ नाम) की है। पीड़ित के पूछने पर सलमान ने कहा कि बोर्ड उन्होंने लगाए हैं। कुछ दिन बाद शिकायतकर्ता को गुरुग्राम कोर्ट से एक नोटिस मिला, जिसमें मूल मालिक कविता शर्मा ने रानी कपूर द्वारा उनके नाम पर निष्पादित बिक्री विलेख को रद्द करने की मांग की गई थी।

'जहान-ए खुसरो' में पीएम मोदी ने देश के लिए बहुत अच्छा पैगाम दिया : फरीद अहमद निजामी

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली की सुंदर नर्सरी में आयोजित सूफी संगीत समारोह 'जहान-ए-खुसरो 2025' में हिस्सा लिया। पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर हजरत निजामुद्दीन औलिया दरगाह के सज्जादानशीन सैयद फरीद अहमद निजामी ने बयान दिया है। सैयद फरीद अहमद निजामी ने से कहा, ' 'जहान-ए-खुसरो 2025' प्रोग्राम में मैं भी शामिल हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहतरीन भाषण दिया। पीएम मोदी के भाषण के दौरान सभी लोगों में खुशी का माहौल था। उन्होंने पूरे देश के लिए बहुत अच्छा पैगाम उनसे मुलाकात भी की है। गरीब नवाज के आस्ताना मुबारक पर हमेशा से उनकी चादर जाती है।

हजरत निजामुद्दीन औलिया के उर्स पर उनका पैगाम हमेशा हमें मिलता है। इसी से पता चलता है कि पीएम मोदी के दिल में सूफी संतों को लेकर मोहब्बत है। पीएम उन्होंने कहा कि पीएम मोदी किसी खास पार्टी या किसी खास तबके के नहीं, बल्कि पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। वजीर-ए-आजम (प्रधानमंत्री) जब कोई बात कहते हैं तो वह सभी के लिए होती है। लोगों को उनसे शिकायतें रही होंगी, लेकिन हमने जब भी उनसे मुलाकात की तो हमें उनकी बात में बहुत खुशी महसूस हुई और एक सच्चाई नजर आई। क्या आम मुसलमान पीएम मोदी का विरोध है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता आम मुसलमान पीएम मोदी का विरोधी है। ये सोशल मीडिया की फैलाई बातें हैं, विरोधी हमेशा रहते हैं, लेकिन उन्हें सारे मुसलमानों से जोड़ देना ठीक नहीं है। हमने बहुत से लोगों को उनकी तारीफ भी करते देखा है और वे उनके दोस्त

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Jagdish chand Singh S/O: Heera Singh, R/O SF-2 Plot No 24, Aashirwad Homes, Naveen Park, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, declare that name of mine has been wrongly written as Jagdish Chander in my service record. The actual name of mine is Jagdish Chand Singh, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, REENA KUMARI CHAUHAN W/O PRASHANT KANWAR R/O A2-501, SRS ROYAL HILLS, NEAR NARYANA SCHOOL, SECTOR-87, FARIDABAD, HARYANA-121002, HAVE CHANGED MY NAME TO REENA CHAUHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
It is for general information that I KRISHNA KANT S/O SURESH PRASAD YADAV R/O QTR. NO-2155, LODHI ROAD COMPLEX, NEAR JAWAHAR LAL NEHRU STADIUM, NEW DELHI-110003 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as JAY SHRUTI in my minor daughter namely JAI SHRUTI aged 10 years in her school record. The actual name of my minor daughter is JAI SHRUTI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DIPIKA D/o MADAN LAL SHARMA W/o NEERAJ KUMAR SHARMA R/o C-363/B S/F, Old No. C-263, KH No. 358, Gali No. 16, Bhajanpura, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as DEEPIKA SHARMA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, GURMEET SINGH BARIAH S/o SHRI BAKHSHISH SINGH, R/o C-28, Pushpanjali Enclave, Pitampura, PO: Saraswati Vihar, DIST: North West Delhi, Delhi - 110034, declare that the name of mine and my wife has been wrongly written as GURMEET SINGH and ROOPINDER KAUR in my PPO No. 684471503297 and in my Service Record. The actual name of mine and my wife are GURMEET SINGH BARIAH and ROOPINDER BARIAH, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Gurayya Gullapalli S/O: Devayya Gullapalli,R/O House No.404. Metro Vihar Housing Complex, Sarita Vihar. PO: Sarita Vihar, DIST: South Delhi, Delhi-110076,declare that name of my father has been wrongly written as David Gullapalli in my Pan card no APFPG1185C.The actual name of my father is Devayya Gullapalli,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Runeshwar S/O Lalmani,R/O JHUGGI N-D-113, D-BLOCK SURAJ PARK, BADLI, DIST:North West Delhi, Delhi-110042,have changed my name and shall hereafter be known as AMAR KUMAR KUSHAVAHA.

NAME CHANGE
I,Sneha W/O Kuldeep Kumar, R/O B-488, Ground Floor, Double Story, Police Training Center, PTS Colony, Malviya Nagar, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi-110017,have changed my name and shall hereafter be known as SNEHA KHAJURIA.

NAME CHANGE
I RIFA W/O DEEPAK SINGH R/O S-1204 SUPERTECH ECO CITI, SECTOR 137, NOIDA U.P. 201305 HAVE CHANGED NAME TO RIFA SINGH.

NAME CHANGE
I ALOK DIXIT S/O SANT KUMAR DIXIT R/O BR-16, SECTOR-45, NOIDA, P O: NOIDA SECTOR-37, DISTT. GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201303, have changed the name of my minor daughter SHE aged 9 year and she shall hereafter be known as ADIKSHI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NARENDRA SINGH S/O HEMPAL SINGH R/O House no - 185 Khajra khakam, Bahjoi Dehat PO: Bahjoi DIST: Sambhal, Uttar Pradesh - 202410 declare that name of my wife GIRIJA in my minor son namely KARTIKEY SINGH aged 14 year in his school record. The actual name of my wife is GIRIJA KUMARI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, S Gopal alias Subramaniam Gopal S/O Tiruvarur Pichu Subramaniam Iyer R/O E-340A, GREATER KAILASH-1, Greater Kailash S.O, South Delhi, Delhi, 110048,have changed my name and shall hereafter be known as SUBRAMANIAM GOPAL.

NAME CHANGE
I, RANJEETA W/o UMESH GUPTA R/o WZ-72/3, GALI NO-3, MOHAN NAGAR, PANKHA ROAD, NEW DELHI-110046, have changed my name from RANJEETA to RANJEETA DEVI for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, DEVENDER KUMAR ARORA S/o CHIMAN SINGH, R/o B-76/A, GURUDWARA ROAD, GALI NO-5, MAHAVIR ENCLAVE-1, DELHI-110045, declare that name of mine has been wrongly written as DEVINDER KUMAR in my service records. The actual name of mine is DEVENDER KUMAR ARORA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VANDANA W/O AMIT KUMAR BENIWAL R/O H.NO-358P, 1ST FLOOR, NEAR VITA DAIRY BOOTH, SECTOR-38, GURUGRAM, HARYANA-122003, HAVE CHANGED MY NAME TO VANDANA JAYANT FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ARSHI SHAMEEM W/O SHAMIM AHMAD Permanent Resident 238/123, KATRA ABU TURAB KHAN CHOWK, NAKKHAS, LUCKNOW, PO-CHOWK, LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226003, Presently Residing At- WZ-1237, SHIV MANDIR MARG, PALAM VILLAGE SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 have changed my name and shall hereafter be known as KHADIJA FARAZ.

NAME CHANGE
I, No-2619330X Rank-LNK Name-HAJEEMIRSAB SOUDAGAR S/o – HARUNRASHID Presently residing at VPO-MASALI BK, TQ-INDI, DIST-BIJAPUR, KARNATAKA-586215, have changed my minor son's name from TAIMUR SOUDAGAR to TAIMUR HAJEEMIRASAB SOUDAGAR for all future purposes vide Affidavit dated 03/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANUJ KUMAR AGGARWAL S/O VED PRAKASH AGGARWAL residing at K-15/10, GALI NO-15, WEST GHONDA, GARHI MENDU, DELHI-110053 have changed my name to ANUJ AGGARWAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Gaurav Garg S/O Subhash Chand R/O H NO-G-107, Ramsons Kshitij society, Near Wazirpur Mode Sector-95, Gurgaon Haryana-122505 have changed my name to Gaurav for all future purposes.

LOST & FOUND
I, SURENDER KAUR w/o Late Bhupender Singh R/o 1/5986, Kabul Nagar, Shahdra, near PNB Bank, Delhi-110032 have lost Documents of Property bearing no. 1/5986, Kabul Nagar, Shahdra, Delhi- 110032 i.e., previous chain, Sale Deed etc., and in terms of said lost documents NCR LR no. 2391160/2024. Founder please contact 8800124042. please refrain from using or misusing the said documents.

NAME CHANGE
I, VIJAYAMMA Mother of No.14440870K, Rank-HAV, Name-AJI S Residing at VILL-VALLICODE KOTTAYAM, PO-ELAPPUPARA, TEHSIL-KONNI, DISTT-PATHANAMTHITTA, KERALA-689656, have changed my name from VIJAYAMMA to VIJAYAMMA K for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1956 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 vide Affidavit dated 03/03/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I NARENDRA SINGH S/O HEMPAL SINGH R/O House no-185, Khajra khakam Bahjoi Dehat, PO: Bahjoi, DIST: Sambhal, Uttar Pradesh - 202410 declare that name of mine and my father has been wrongly written as NARENDRA and HEM PAL SINGH in my 10th class educational document , name of mine has been wrongly written as NARENDRA in my 12 class and all educational document. The actual name of mine and my father are NARENDRA SINGH and HEMPAL SINGH ,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SUMAN DEVI Wife of JC-473116M Rank-NB SUB Name- DAYA RAM R/o VPO-MUNSHRI, TEH-BHADRA, DISTT-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335504 have changed my name from SUMAN DEVI to SUMAN for all future purposes vide Affidavit dated 03/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAKESH KUMAR S/O SHEO CHAND R/O GURAWARA VILLAGE, GURAWARA (245), REWARI, HARYANA-123035, HAVE CHANGED MY NAME TO RAKESH YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I MOHD NIZAMUDDIN S/O MOHD SALEEM R/O 525/5, CHHOTA BAZAR, SHAHDARA, NORTH EAST DELHI, DELHI-110032, declare that name of mine and my minor daughter have been wrongly written as NIZAMUDDIN and ROZI in my minor daughter namely ROSY SHEIKH aged 12 year in her school record. The actual name of mine and my minor daughter are MOHD NIZAMUDDIN and ROSY SHEIKH, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
This is to certify that my client smt. Shanti Devi w/o sh. Ram naresh Jha r/o plot no. C-55A, Nanhey Park, Block-C, Uttam Nagar, New Delhi 110059 has disowned and severed all there relation with there son sh. Deepak Jha , daughter in law smt. Neha w/o Deepak Jha and grand daughter Baby Deeksha Jha and debarred them from all their moveable and Immoveable properties forever, as they are cruelly behaved with my client smt. Shanti Devi And they (deepak Jha, Neha Deeksha Jha)are disregarding, disobeying, assaulting and creating nuisance for our client, henceforth our client will have no concern with them whatsoever. If anybody deals with them, he/ she/ they will do so at his/her/ their own cost and risk
Adv Ankit Saklani
Ch no. 822 Dwarka court
New Delhi 110075
8802330644

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as HEMANT KUMAR alias ROHIT KUMAR S/O NARENDRA SINGH R/o Village, Pratappur, Tundla, PO: Tundla DIST: Firozabad, Uttar Pradesh - 283204, have changed my name and shall hereafter be known as ROHIT KUMAR

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client (SMFG India Home Finance Co. Ltd.) stating that Mrs. Kiran Devi is claiming to be the owner of Freehold Residential Plot of land area measuring 55 Sq. yds., Part of Khasra No.1019, Situated at Adarsh Nagar Colony, Village Makanpur, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad, U.P., vide Gift Deed dated 16.08.2024 (Doc.No.10355), executed by Mr. Pramod Kumar. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to mortgage the said property and intends to obtain a loan from our client (SMFG India Home Finance Co. Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200. Second Floor, 23.
Shivaji Marg.
Moti Nagar, New Delhi-15

NAME CHANGE
I, RUBI Wife of JC-283953H Rank-SUB Name-PANKAJ KUMAR MISHRA Presently residing at VILL-LAKHAICHA, PO-DHUNDHU, TEH-JAYSINGHPUR, DIST-SULTANPUR, UTTAR PRADESH-228151 have changed my name from RUBI to RUBI MISHRA for all future purposes vide Affidavit dated 03/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Sh. Chetan Singh & Smt. Manju Rani is purchasing the Third Floor Back Side Left Side with roof rights Pvt No. D-3 area measuring 62.5 sq. yds. Built on Plot No. 31 out of Khasra No. 249,250 & 253 situated in the area of village Bindapur Delhi state Delhi colony known as B Block Jana Puri Jeewan Park Uttam Nagar New Delhi 110059 from Sh. Nitin Saxena who is the owner of the abovementioned property from vide Relinquishment Deed dated 20.02.2025 as doc no. 2025/25/I/5256 and Intend to mortgage the said property with SMFG India Home Finance. If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 (2) (ii) CrPC देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **गुड्डन, पुत्रः हरिओम निवासीः गली नं. 17, विकास कुंज, लोनी बॉर्डर, गाजियाबाद, यूपी** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 30479/2017 U/S 379/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना ज्योति नगर, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि उक्त **गुड्डन** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **गुड्डन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है), इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि अभियुक्त **गुड्डन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्री राहुल सैनी
एलडी जेएमएफसी-08, नया न्यायालय भवन
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/1674/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इरफान, पुत्र रुमल सिंह, पताः खुशहाल पार्क, डीएलएफ लोनी, गाजियाबाद, यूपी** ने **FIR No. 387/2022, U/s 328/379/411 IPC, पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **इरफान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **इरफान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अभियुक्त **इरफान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी—11
मुख्य न्यायालय भवन और 138, केंद्रीय
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली
DP/2543/N/2025

NAME CHANGE
I RINKU S/O BHAGWAN DASS R/O NIWARI DEHAT, GHAZIABAD NIWARI UTTAR PRADESH-201204, have changed the name of my minor son HAPPY aged 14 years and he shall hereafter be known as SUSHANTRAJ.

NAME CHANGE
I, CHANDRA KALA SHARMA W/O DEEPAK SINGLA R/O 57-58, FIRST FLOOR, POCKET-2, SECTOR -22, ROHINI, C- BLOCK SULTANPUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086 HAVE CHANGED MY NAME FROM CHANDRA KALA SHARMA TO CHANDRA KALA SINGLA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्रीमती सविता देवी और श्री हरेंद्र सिंह फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट के मालिक हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल 370.52 वर्ग है। मीटर, (41.82 वर्ग मीटर + 62.31 वर्ग मीटर + 62.31 वर्ग मीटर + 78.62 वर्ग मीटर + 125.46 वर्ग मीटर), खसरा संख्या 201 के भाग से उत्पन्न, ग्राम शाहपुर जाटत, परगना तहसील और जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में स्थित है। विक्रय विलेख दिनांक 06.09.2014 के आधार पर, पृष्ठ संख्या 347–360 एसआर–हापुड़–द्वितीय और पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 3756 में दस्तावेज़ संख्या 6131 के आधार अन्य विक्रय विलेखों की, श्रृंखला में नीचे उल्लिखित दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी (1) मूल विक्रय विलेख दिनांक 09.02.2011, (2) मूल विक्रय विलेख दिनांक 01.08.2013, (3) मूल विक्रय विलेख दिनांक 01.08.2013, (4) मूल विक्रय विलेख दिनांक 28.11.2013, (5), मूल विक्रय विलेख दिनांक 28.11.2013, (6) मूल विक्रय विलेख दिनांक 06.09.2014, (7) मूल विक्रय विलेख दिनांक 23.10.2007, (8) मूल विक्रय विलेख दिनांक 23.10.2007, (8) मूल विक्रय विलेख दिनांक 06.09.2014 09.09.2014 और (9) मूल विक्रय विलेख दिनांक 09.09.2014 अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा– राज नगर उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्रीमती रूबी पत्नी श्री महेश खसरा नंबर 31 में से 50 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर 53 की मालिक हैं, जो गांव ढुंढेडा परगना लोनी तहसील और जिला गाजियाबाद यूपी के विहारपुरा में स्थित है, दिनांक 08.03.2021 के सेल डीड के आधार पर दस्तावेज़ नंबर 2213 बुक नंबर 1 जिल्द नंबर 17957 पेज नंबर 105–148 पर पंजीकृत है। 08.03.2021 एसआर– I– गाजियाबाद में श्रृंखला में नीचे दिए गए दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं यानी मूल बिक्री विलेख दिनांक 13.05.2002 को श्री बल्लू पुत्र श्री किशन द्वारा (1) श्री सलामत हुसैन पुत्र श्री अहमद हुसैन (2) श्री बसीर हुसैन पुत्र श्री अहमद हुसैन के पक्ष में निष्पादित दस्तावेज़ संख्या 2137 पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 5060 पृष्ठ संख्या 110–114 पर पंजीकृत 13.05.2002 को एस.आर.–आई–गाजियाबाद में अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है और वही संपत्ति श्री करण प्रिंस की पत्नी श्रीमती रुचि प्रिंस को बेची गई है, जिसे उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा नोएडा यूपी द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

इनेलो चलाएगी जनसंपर्क अभियानः रणबीर मंदोला

एजेंसी

नारनौल । इंडियन नेशनल लोकदल मार्च महीने में चारों विधानसभाओं में जनसम्पर्क अभियान चलाएगा। नई अनाज मंडी नारनौल में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में जिला प्रभारी पूर्व विधायक रणबीर मंदोला ने कहा कि इसी महीने में पूरी जिला कार्यकारिणी हल्के वाइज टीम बना कर पार्टी की नीतियों को जन जन तक पंहुचा कर गांव गांव में जन संपर्क अभियान चलाया जाएगा। जन संपर्क अभियान चला कर नए लोगों को पार्टी से जोडने के साथ साथ युवाओ पर विशेष ध्यान देकर पार्टी से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा की किसी कारण वश पार्टी छोडकर गए पुराने कार्यकर्ताओ से सम्पर्क कर वापस पार्टी में लाने का आग्रह किया क्योंकि उन सभी का मन व विचार इनेलो की विचारधारा साथ जुड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही संगठन में विस्तार कर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारी दी जाएगी। उन्होंने सरकार से मांग की सरकार सीईटी परीक्षा जल्द करवा कर युवाओं को रोजगार दे और महंगाई पर लगाम लगाने, और कानून व्यवस्था को सुधरने की मांग भी की। बैठक में ओलावृष्टि से हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की व सरकार से 50000 रुपये प्रति एकड़ देने की मांग की।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रिंसिपल ब्रह्म प्रकाश यादव सम्मानित

तहलका जज्बा/योगेश भारद्वाज

खोल। प्रबुद्ध समाजसेवी एवं गौ सेवा और गोरक्षा को बढ़ावा देने वाले दिनेश यादव टीट ने खोरी के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल ब्रह्म प्रकाश यादव को उनके शिक्षा के प्रति उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। दिनेश यादव टीट ने कहा कि प्रिंसिपल ब्रह्म प्रकाश यादव इस क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे है और खोरी स्कूल के शिक्षा स्तर को उन्होंने काफी ऊंचा उठाया है। इतना ही नहीं खोरी स्कूल के विद्यार्थी उनके मार्गदर्शन में राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी हिस्सा ले रहे है।

घोड़ी पर बैठाकर लड़की का बनवारा निकाला

कनीना। लडक़ी लडक़ों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। बस हमें अपनी बच्चियों से प्रेम करना चाहिए और उनकी भावनाओं को समझना चाहिए। उक्त विचार गांव कलवाड़ी निवासी जोगिंद्र सिंह चौहान ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लोग लडक़ों से प्रेम करते हैं, जबकि लड़कियां लडक़ों से कहीं अधिक अच्छी होती है जो अपने परिवार को मां-बाप भाई बहन को सबको समझती हैं। उन्होंने बताया अब सोनिया की शादी है। जिसको लेकर उन्होंने बेटी सोनिया का बनवारा घोड़ी पर बैठाकर निकाला। उन्होंने बताया जब मेरी बेटी 5 वर्ष की थी तभी से उसको इस बात का शौक था कि वो घोड़ी पर बैठे और सवारी करें उसको ध्यान में रखते हुए मैंने अपनी सोनिया चौहान को बेटे की तरह लाड प्यार किया है और आज जब उसकी शादी सर पर है तो लडक़ों की खुशी की तरह आज हमने अपनी सोनिया चौहान का बनवारा निकाल कर खुशी मनाई है। इस अवसर पर चाचा जितेंद्र चौहान, भाई चेतन सिंह चौहान, नितिन चौहान, सोनू चौहान, जसवंत सिंह चौहान व सतपाल सिंह चौहान के अलावा अन्य चौहान परिवार उपस्थित था।

शांतिपूर्ण संपन्न हुआ हथीन पालिका चुनाव, 80 प्रतिशत मतदान

पलवल। हथीन नगर पालिका आम चुनाव 2025 की मतदान प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। युवा, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर मतदान में भाग लिया। समाचार लिखे जाने तक 80.1 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। मतदान प्रक्रिया की सुचारू निगरानी के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ और पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान रिटर्निंग अधिकारी विकास कुमार यादव भी मौजूद रहे। चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए हरियाणा राज्य चुनाव आयोग की ओर से नियुक्त सामान्य चुनाव पर्यवेक्षक एचसीएस महेंद्रपाल और पुलिस पर्यवेक्षक संदीप कुमार ने भी लगातार मतदान प्रक्रिया की निगरानी की।

बजट सत्र के लिए हमारी पार्टी और सरकार तैयार : मंत्री अनिल विज

आम आदमी पार्टी और केजरीवाल की कहानी खत्म

रूपेश देव ,देखो एनसीआर

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने हरियाणा बजट सत्र को लेकर कहा कि हमारी पार्टी और सरकार हर

- **हरियाणा रोडवेज बसों की ट्रैकिंग के लिए ऐप बनाने पर कार्य शुरू हो चुका है जिसका यात्रियों को बहुत फायदा होगा और बसों की सही स्थिति पता चल सकेगी : परिवहन मंत्री अनिल विज**

समय तैयार है और हमारे पास बताने के लिए बहुत कुछ है। मगर अफसोस है कि हरियाणा के विपक्ष के पास पूछने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। इनकी आपसी लड़ाई चल रही है और अभी तक यह विधायक दल का नेता तय नहीं कर सके हैं। प्रजातंत्र में दोनों पक्षों की भूमिका आवश्यक होती है, यहां विपक्ष शून्य था, शून्य है और शून्य ही रहेगा। विपक्ष आज भी बंटा हुआ है, मगर हम पूरी तरह से तैयार है।

श्री विज आज नगर परिषद अम्बाला छावनी चुनाव के लिए मतदान के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा द्वारा भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि इनको (कांग्रेस को) तब भी नजर नहीं आता था जब इनकी सरकार थी। इन्होंने जनता के लिए जो किया वह बहुत शर्मनाक है और वह देश-प्रदेश की सुर्खियां बना और उसके केस चल रहे हैं। इसका अंजाम कुछ भी हो सकता है। अब जो हमारी पार्टी ने बीते दस सालों में विकास मनोहरलाल जी के नेतृत्व में और नायब सैनी जी जिस विकास को आगे बढ़ा रहे हैं हरियाणा में वह आज से पहले कभी नहीं हुआ। हरियाणा के किसी भी छोर पर चले जाओं नए हाईवे व सब स्टेशन बन रहे हैं। हर तरह हरियाणा प्रगति के

पथ पर हैं।

'मैनें परिवहन विभाग की पहली मीटिंग में ही रोडमैप तय कर दिया था कि हमें क्या-क्या करना है': परिवहन मंत्री अनिल विज

हरियाणा रोडवेज बेहतर सुविधा प्रदान करने को लेकर परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि उन्होंने परिवहन विभाग की पहली मीटिंग में ही रोडमैप तय कर दिया था कि क्या-क्या करना है। सभी बस अड्डों को आधुनिक बनाना, साफ-सफाई, खाने-पीने के सामान की क्वालिटी सुधारना है। बस अड्डों पर खाने का प्रबंध है वह टूरिज्म विभाग को देने के लिए पांच शहरों के बस स्टैंड का पायलट प्रोजेक्ट बनाकर मुख्यमंत्री जी को भेजा है। हमने यह भी कहा है कि यदि किसी कारण से वह एमओयू नहीं होता, तो जैसा रेलवे में आईआरसीटीसी खाना उपलब्ध कराती है उस तर्ज पर ऐसी कारपोरेशन हरियाणा में बनाई जाए जिससे स्टाफ व यात्रियों को अच्छा खाना दिया जा सके।

परिवहन मंत्री ने कहा कि हम बसों की ट्रैकिंग पर कार्य कर रहे हैं जिससे बस की सही स्थिति का पता चल सके। जिस प्रकार एयरपोर्ट पर फ्लाइट की स्थिति दिखती है उसी तरह बसों की स्थिति बस स्टैंड पर बोर्ड पर दिखे कि कौन सी बस कितने देर में पहुंचेगी। इससे यात्रियों को बहुत फायदा होगा। हम एक एप भी बनाने पर काम कर रहे हैं, जिससे बसों की सही स्थिति का पता चल सके। इस पर काम शुरू हो गया है और 750 बसों की खरीद के हाई पावर परचेज कमेटी की मीटिंग में आर्डर कर दिए हैं।

जनता दरबार लगाने के प्रश्न पर मंत्री अनिल विज बोले, 'अनिल विज जहां बैठ जाता हैं वहीं उनका दरबार लग जाता है और वह यह लगातार कर रहे हैं'वहीं, पत्रकारों द्वारा कैबिनेट मंत्री अनिल विज से जनता दरबार लगाने के संबंध पर पूछे गए प्रश्न पर मंत्री अनिल विज ने कहा कि वह जहां बैठ जाते हैं वहीं उनका दरबार लग जाता है और वह यह लगातार कर रहे हैं। उधर, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पंजाब से राज्यसभा में जाने के बयान पर मंत्री अनिल विज ने कहा कि आम आदमी पार्टी और केजरीवाल की कहानी खत्म हो चुकी है, जनता के सामने इनकी सच्चाई उजागर हो चुकी है। जनता को एक बार गुमराह किया जा सकता है, मगर बार-बार गुमराह नहीं किया जा सकता।

गांवों में बने अवैध स्पीड ब्रेकर दे रहे हैं हादसों को न्यौता

इंद्रजीत यादव,देखो एनसीआर

नारनौल। गांवों में बने अवैध स्पीड ब्रेकर हादसों को न्यौता दे रहे हैं। लेकिन प्रशासन इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अगर बात करें नारनौल से कमानिया होकर नांगल चौधरी जाने वाली सडक़ की दूरी मात्र 25

किलोमीटर है। लेकिन इस रोड पर 25 ही अवैध स्पीड ब्रेकर बने हुए हैं। जिसके कारण रोजाना बाइक सवार घायल हो रहे हैं। गांव नांगल शालू के पास बने स्पीड ब्रेकर से हरियाणा रोडवेज बस भी लगातार 2 दिन से कमानी तोड़ चुकी है। बस ड्राइवर हरिराम ने बताया कि गांव नांगल शालू के पास इतना ऊंचा स्पीड ब्रेकर बना रखा है कि गाड़ी आने-जाने में परेशानी होती है। कई बार गाड़ी कमानी तोड़ चुकी है। जिसका नुकसान खुद अपनी जेब से भरना पड़ता है। इस ब्रेकर पर रोजाना एक से दो बाइक सवार घायल हो रहे हैं। इस रूट पर नारनौल आने वाले बाइक सवार रमेश, विकास, करतार, प्रदीप, पुष्कर, अमन, सुरेश, विकास, प्रताप, कमल व रोशन ने बताया कि इस रूट पर अवैध स्पीड ब्रेकरों से इतने परेशान है कि आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूरोथेरेपी शिविर 150 मरीजों की निशुल्क जांच एवं इलाज

इंद्रजीत यादव,देखो एनसीआर

नारनौल । बाबा निहाल चंद सेवादल पटीकरा नारनौल एवं न्यूरो स्पाइन फिजियोथेरेपी अस्पताल नारनौल के संयुक्त तत्वावधान में एक निशुल्क न्यूरो फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए सेवा दल के संदीप यादव ने बताया कि गांव पटीकरा के ठाकुर जी मंदिर में बाबा निहाल चंद सेवादल पटीकरा नारनौल एवं न्यूरो स्पाइन फिजियोथेरेपी अस्पताल नारनौल के संयुक्त तत्वावधान में एक निशुल्क न्यूरो फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें 150 मरीजों की जांच एवं इलाज न्यूरो एवं स्पाइन विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ डा. अशोक मीणा एवम उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माजरी धाम के महंत सुमित गिरी महाराज उपस्थित रहे तथा अध्यक्षता संदीप यादव ने की। शिविर में में विशिष्ट अतिथि के रूप शिक्षाविद एवं प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ.

संजय शर्मा मौजूद रहे। मुख्य अतिथि सुमित गिरी महाराज ने कहा कि ऐसे शिविर सेवा के बहुत सहज और सरल केंद्र होते हैं, जहां निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध रहती है। बाबा निहाल चंद सेवा दल द्वारा लगाया गया यह शिविर सेवा की भावना को सार्थक करता है। विशिष्ट अतिथि डा. संजय शर्मा ने कहा कि न्यूरो स्पाइन अस्पताल और सेवा दल के इस कार्यक्रम ने सैकड़ों लोगों को स्वास्थ्य सेवायें देकर जो पुण्य कार्य किया है। डा. अशोक मीना ने बताया कि शिविर में जोड़ों का दर्द, सर्वाइकल, सायटिका, कमर दर्द, घुटनों का दर्द, माइग्रेन संबंधी बीमारियों के विषय में परामर्श के साथ साथ इलाज भी किया। वर्तमान जीवन-शैली में इस तरह की बीमारियां गंभीर रूप ले रही है और इनका इलाज फिजियो थेरेपी से संभव है।

धोखाधड़ी कर खाते से 69 हजार रुपए निकाले

मंडी अटेली। अटेली मंडी के एक युवक के साथ धोखाधड़ी कर खाते से 69 हजार रुपए रुपए निकालने का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यक्ति ने जिसकी शिकायत पुलिस को दी है।

पुलिस में दर्ज शिकायत में मंडी अटेली निवासी योगेश ने बताया कि वह निजी स्कूल कुंड में कार्य करता है। पिछले वर्ष छह दिसंबर को समय सायं साढ़े चार बजे उसके पास फोन आया कि उसकी लीमिट पूरी हो गई है। फोन पर उसको बताया कि उसके पास पहले सौ रुपये का मैसेज भेजा फिर 10 हजार रुपये का मैसेज भेजा उसके बाद उन्होंने उसके पास और 50 हजार रुपये का मैसेज किया। उसके बाद उसने अपना बैलेंस चैक किया तो 69 हजार रुपये कुल 8 बार मे भेज दिए। यह सारी पैमेंट उसने फोन पे के माध्यम से कि थी।

सरकार के कड़े रुख के बाद, बोर्ड परीक्षाओं के लिए झज्जर प्रशासन हरकत में

चुनाव में व्यस्तता के बावजूद डीसी, डीसीपी ने किया संवेदनशील परीक्षा केंद्रों का दौरा

ब्यूरो, देखो एनसीआर

झज्जर। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में हो रही धांधली में पुलिस अधिकारियों और शिक्षकों को सस्पेंड करने के प्रदेश सरकार के कड़े कदम के बाद जिला प्रशासन हरकत में नजर आया। बेरी में जारी निकाय चुनाव के बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वयं संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर जाकर जायजा लिया। डीसी प्रदीप दहिया ने तो स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दे डाली कि नकल करने, कराने और इसमें सहयोग देने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और तत्काल सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने कहा कि सीएम नायब सैनी की सोच है कि नकल रहित परीक्षा होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि बीते रोज झज्जर के डाबला गांव में बोर्ड परीक्षा के दौरान मिली अनियमितता के दौरान सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए झज्जर में नियुक्त एक एसीपी को सस्पेंड कर दिया था। उसी के बाद अब जिला प्रशासन परीक्षा केंद्रों की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था करने में जुटा है। डीसी ने

- **अनियमितता के चलते एक पुलिस अधिकारी को सरकार कर चुकी है सस्पेंड**
- **डीसी ने दी चेतावनी, नकल में कोई भी मिला संलिप्त तो बख्शा नहीं जाएगा**
- **सरपंचों से भी सहयोग की अपील**
- **बोले, मेहनत का नहीं कोई शॉर्ट कट**

कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि परीक्षा केंद्र के बाहर और अंदर किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि न हो। डीसी ने ग्राम पंचायतों का भी आह्वान किया है कि अपने अपने गांव के परीक्षा केंद्रों पर नकल रहित परीक्षा आयोजित करने में प्रशासन के साथ भागीदार बनें। डीसीपी लोगेश कुमार पी ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल को तैनात किया गया है। जिले के संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि परीक्षा में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

डीसी बोले, मेहनत का नहीं है कोई शॉर्ट कट :डीसी प्रदीप दहिया ने कहा कि परीक्षा मेहनत और ईमानदारी से सफलता प्राप्त करने का माध्यम है। मेहनत का कोई शॉर्टकट नहीं होता और परीक्षाएं स्वयं को साबित करने का सबसे अच्छा अवसर होती हैं।

हिमानी नरवान हत्याकांडः आरोपी गिरफ्तार, जांच में बड़े खुलासे संभव

अजय तोमर,देखो एनसीआर

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवान की हत्या में बड़ा मोड़ आ गया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान सचिन के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक सचिन ने ही हिमानी की हत्या की थी। उसने देर रात दिल्ली के नांगलोई थाने में सरेंडर कर दिया, जिसके बाद रोहतक पुलिस ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि पुलिस आज इस मामले में बड़ा खुलासा कर सकती है।

राजनीतिक दबाव तेज

हत्या के बाद राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। हरियाणा निकाय चुनाव के चलते पुलिस प्रशासन पहले से ही व्यस्त था, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए विशेष टीम बनानी पड़ी। राजनीतिक दबाव भी बढ़ता चला गया, खासकर तब जब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने रोहतक एसपी से मुलाकात कर जांच में तेजी लाने और आरोपियों को जल्द से

जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। उधर, हिमानी के परिजनों ने भी शव लेने से इनकार कर दिया और आशंका जताई कि इस हत्या के पीछे कांग्रेस पार्टी के कुछ लोगों का हाथ हो सकता है।

5 विशेष टीमें कर रही जांच

हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने पांच टीमें बनाई हैं। कोई सुराग तलाशने के लिए हिमानी के घर और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की गहनता से जांच की जा रही है। साइबर टीम हिमानी के सोशल मीडिया अकाउंट की भी जांच कर रही है। हालांकि पुलिस के लिए यह बड़ी चुनौती बनी हुई है, क्योंकि जिस जगह पर सूटकेस में हिमानी का शव मिला, वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था।

पैसों के लेन-देन की बात गलत, मेरी बेटी के आरोपी को मिले सजा-ए-मौतः हिमानी नरवाल की मां

कांग्रेस कार्यकर्ता हिमानी नरवाल की मां सविता ने सोमवार को अपनी बेटी के आरोपी के खिलाफ सजा-ए-मौत की मांग की। उन्होंने कहा कि मेरी बेटी के आरोपी की मौत की सजा दी जाए। न्यूज एजेंसी बातचीत में कहा कि मेरी बेटी 18 तारीख को एक कार्यक्रम में जाने के लिए घर पर तैयार थी, लेकिन उसके बाद के घटनाक्रम से मैं हैरान हूं। मेरी बेटी मुझसे कुछ नहीं छुपाती थी। मुझे अपनी हर बात बताती थी। वो मुझे पैसों से संबंधित बात भी बताती थी। यहां तक कि पार्टी के दूसरे कार्यकर्ता भी मेरी बेटी को पैसे देने के लिए तैयार रहते थे। लेकिन, मेरी बेटी ने आज तक किसी से कोई मदद नहीं ली। उन्होंने बताया, ÷मेरी बेटी अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए संघर्ष कर रही थी। उसने फीस भरने के लिए समय भी मांगा था और कहा था कि मैं नौकरी खोज रही हूं।

नकल रोको अभियान के तहत मुख्य सचिव ने डीसी-एसपी के साथ की वीडियो कांफ्रेंसिंग

जिला प्रशासन परीक्षा की सुचिता बनाए रखने को प्रतिबद्धः उपायुक्त डा. विवेक भारती

इंद्रजीत यादव ,देखो एनसीआर

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि जिला में चल रही परीक्षाओं को पूर्णतया नकल रहित संपन्न करवाया जाएगा। अगर कोई भी नागरिक नकल करवाने की कोशिश करता पाया जाए तो उसके खिलाफ तुरंत एक्शन लिया जाए। डीसी आज हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के साथ नकल रोको अभियान के तहत हुई वीडियो कांफ्रेंसिंग के बाद अधिकारियों की बैठक में बोल रहे थे। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला में प्रत्येक केंद्र पर कड़ी निगरानी रखी जाए। छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी सूरत में खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।

उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे परीक्षा के दौरान लगातार फील्ड में रहें तथा यह सुनिश्चित करें कि जिला में कहीं भी नकल ना हो। परीक्षाओं की सुचिता बरकरार रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस मामले में हरियाणा सरकार बहुत ही सख्त है। अगर कोई भी कर्मचारी इसमें संलिप्त मिलता है तो उसे तुरंत प्रभाव से निलंबित किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में अन्य भी परीक्षाएं होनी है। ऐसे में अधिकारी पूरी तरह से सतर्क रहकर कार्य करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ व नगराधीश मनजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

धरती को बचाने के लिए वन्य जीव संरक्षण आवश्यकः राव नरबीर सिंह

तहलका जज्बा/लोकेश गुप्ता

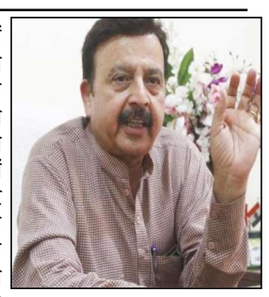

चंडीगढ़। हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि धरती को बचाने के लिए वन्य जीव संरक्षण आवश्यक है। आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट बना हुआ है। इस वर्ष विश्व वन्य जीव संरक्षण दिवस को वन्य जीव संरक्षण, वित्त-लोगो और गृह में निवेश थीम के साथ मनाया जा रहा है। विश्व वन्य जीव दिवस की पूर्व संध्या पर आज यहां जारी एक संदेश में मंत्री राव नरबीर सिंह ने लोगों को आह्वान किया कि इस दिन लोगों को वन्य जीव संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।उन्होंने कहा कि वन एवं वन्य जीवन विभाग हरियाणा में वन्य जीवन संरक्षण के लिए कई अनूठी पहल कर रहा है। शिवालिक पर्वत श्रृंखला में पड़ने वाले पिंजौर में गिद्ध प्रज जिसमें विलुप्त हो रही इस गिद्ध प्रजाति को संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने कहा कि : जंगल सफारी परियोजना की रूपरेखा तैयार हो जाएगा। इसमें कौन से वन्य प्राणी को ि किया जा रहा है और वे स्वयं इसकी मॉनिट के जंगलों में बनाई गई इस प्रकार की सप कहा कि उष्ण कटिबद्ध क्षेत्रों में वन्यजीव हैं। वन्य जीव की आबादी को बढ़ाने के लि एजेंसियों के साथ बातचीत की है। इस स्टार्टअप ने भी सरकार को सहयोग देने में

NAME CHANGE
I, PREM CHANDRA TIWARI S/O PRASHURAM TIWARI R/O 173, MATHIA SHRI RAM, KUSHINAGAR, UTTAR PRADESH-274409, have changed the name of my minor son ANSHU aged 07 years and he shall hereafter be known as AYUSH TIWARI.

NAME CHANGE
I, SEEMA TIWARI W/O ASHISH TIWARI R/O VILLAGE DUBAWAL, POST- DUBAWAL, PHULPUR, ALLAHABAD, UTTAR PRADESH-221505, have changed the name of my minor son SHANKAR aged 14 years and he shall hereafter be known as SANSKAR.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I DIPANSHU S/O PAWAN KUMAR R/O SATNALI (7), MAHENDRAGARH, HARYANA-123024 declare that name of my father has been wrongly written as PAWAN SHARMA in my 10th and 12 class educational documents. The actual name of my father is PAWAN KUMAR which may be amended accordingly.

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने दिया धरना

तहलका जज्बा/रमेश ढाका

फतेहाबाद। प्रदेश में 18 सालों से कार्यरत 11 हजार सफाई कर्मचारियों का रोजगार पक्का करने और 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन की घोषणा को तुरंत लागू करवाने की मांग को लेकर जिलेभर के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों द्वारा आज फतेहाबाद में डीसी कार्यालय पर धरना देकर रोष प्रदर्शन किया गया। ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ सम्बंधित सीटू के राज्यव्यापी आह्वान पर जिलेभर से ग्रामीण सफाई कर्मचारी उपायुक्त कार्यालय के बाहर पार्क में इकट्ठा हुए और धरना देकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरने की अध्यक्षता यूनियन के जिला प्रधान सुनील कुमार ने की व संचालन जिला सचिव हरपाल सिंह द्वारा किया गया। धरने के बाद ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान सुनील कुमार, जिला सचिव हरपाल सिंह, कोषाध्यक्ष बलबीर सिंह व सीटू नेता बेगराज ने कहा कि 24 नवम्बर को जींद में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय महासम्मेलन में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को 26 हजार वेतन देने की घोषणा की थी, लेकिन करीब ढाई माह बीत जाने के बाद आज तक भी ये घोषणा लागू नहीं हुई है। 6 फरवरी को केवल एक हजार रुपये बढ़ोतरी करके 16 हजार वेतन का पत्र जारी किया गया, जिससे 26 हजार वेतन लागू करने पर सवालिया निशान लग गया है। उन्होंने कहा कि सीएम की घोषणा के बाद ग्रामीण सफाई कर्मियों ने कुछ राहत की सांस ली थी कि कम से कम महंगाई को देखते हुए वेतन तो कुछ ठीक ठाक मिल जाएगा। सफाई कर्मियों को उम्मीद थी कि सरकार इसको जनवरी 2025 से लागू करके सफाई कर्मियों को नए साल का

प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि पर बजट बाद वेबिनार का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि पर बजट बाद वेबिनार का उद्घाटन किया।इस वेबिनार का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से किया था। इस कार्यक्रम में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, वस्त्र सचिव नीलम शमी राव और विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस सत्र में कृषि क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों और विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। उद्घाटन भाषण के बाद, वेबिनार में विभिन्न आगामी योजनाओं और मिशनों पर केंद्रित कई शुरूआती सत्र आयोजित किए गए।

वस्त्र सचिव नीलम शमी राव ने कपास मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने फाइबर परीक्षण अवसंरचना का विस्तार करने, एक्स्ट्रा लॉन्ग स्टेपल (ईएलएस) कपास के बीजों का उत्पादन बढ़ाने और भारत के कपास क्षेत्र की वृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कस्तूरी कॉटन भारत पहल को और विकसित करने जैसी प्रमुख पहलों के बारे में बताया।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री फरवरी में 19 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। रॉयल एनफील्ड की फरवरी में कुल बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 90,670 इकाई रही। एक साल पहले इसी महीने में कंपनी ने कुल 75,935 इकाइयां बेची थीं। रॉयल एनफील्ड ने बताया कि उसने फरवरी में घरेलू बाजार में 80,799 गाड़ियां बेचीं, जो पिछले साल फरवरी की घरेलू बिक्री से 19 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसका निर्यात फरवरी में 23 प्रतिशत बढ़कर 9,871 इकाई रहा, जो पिछले साल फरवरी में 8,013 इकाई था। रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी गोविंदराजन ने कहा कि कंपनी के मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो से वृद्धि को मदद मिली है।

किआ इंडिया की बिक्री फरवरी में 23.8 प्रतिशत बढ़कर 25,026 इकाई पर

नयी दिल्ली। वाहन विनिर्माता किआ इंडिया ने बताया कि फरवरी में उसकी कुल बिक्री 23.8 प्रतिशत बढ़कर 25,026 इकाई हो गई। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने 20,200 इकाइयां बेची थीं। किआ इंडिया ने एक बयान में कहा कि हाल ही में पेश की गई कॉम्पैक्ट एसयूवी सिरोस ने फरवरी में 20,000 से अधिक बुकिंग के साथ 5,425 इकाइयों की बिक्री दर्ज की। समीक्षाधीन अवधि में एसयूवी सोनेट और सेल्टोस की बिक्री क्रमश: 7,598 और 6,446 इकाई रही। किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और बिक्री एवं विपणन प्रमुख हरदीप सिंह बरार ने कहा, किआ इंडिया लगातार बढ़ रही है, जो ग्राहकों की मजबूत मांग और अत्याधुनिक गतिशीलता समाधान देने की हमारी प्रतिबद्धता से प्रेरित है।

वित्त मंत्रालय से फैंटेसी स्पोर्ट, वायदा-विकल्प मंच पर सख्त नियमन की मांग

नयी दिल्ली,। उपभोक्ता संगठनों और नागरिक संस्थाओं ने फैंटेसी स्पोर्ट और वायदा-विकल्प कारोबार मंच पर सख्त नियमन की मांग की है। गौरतलब है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत के साथ ही क्रिकेट सीजन की शुरुआत हो गई है और अगले महीने आईपीएल 2025 शुरू होगा।

नागरिक संस्था स्पंदन फाउंडेशन ने वित्त मंत्रालय को दिए गए एक ज्ञापन में इन गतिविधियों से संबंधित नियमन में कमी, भ्रामक विज्ञापनों और उपभोक्ता को होने वाले नुकसान के बारे में चिंता जताई। इससे पहले भारत में वायदा-विकल्प मंच पर तत्काल नियमन के लिए न्यू इंडियन कंज्यूमर इनिशिएटिव (एनआईसीआई) और पेन मीडिया लिटरेसी सहित 10 संगठनों ने संयुक्त रूप से ज्ञापन दिया था। स्पंदन फाउंडेशन ने अपने ज्ञापन में कहा कि फैंटेसी स्पोर्ट में नुकसान के कारण आम लोगों को वित्तीय संकट और भारी कर्ज का सामना करना पड़ा है। संस्था ने लोगों को वित्तीय संकट से बचाने के लिए सरकार से अनुरोध किया है कि इस बारे में कुछ नियम बनाए जाएं। स्पंदन ने कहा कि फैंटेसी स्पोर्ट और वायदा-विकल्प कारोबार मंच छिपे रूप में जुए के संचालन के समान हैं, जो कौशल आधारित गेमिंग के बहाने उपयोगकर्ताओं को गुमराह करते हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की खुदरा बिक्री फरवरी में 16.3 प्रतिशत बढ़कर 4,956 इकाई पर

नयी दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की इस साल फरवरी में खुदरा बिक्री 16.3 प्रतिशत बढ़कर 4,956 इकाई हो गई है। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 4,261 गाड़ियों की बिक्री की थी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बयान में कहा कि पिछले महीने थोक बिक्री 4,002 इकाई रही, जो फरवरी, 2024 में 4,595 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि यह कमी कंपनी के हलोल संयंत्र में उत्पादन में अस्थायी कमी के कारण हुई, क्योंकि नए उत्पादों को पेश करने और विंडसर उत्पादन स्थिरीकरण के लिए संयंत्र में आवश्यक संशोधन किए गए थे। कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) लाइनअप ने महीने के दौरान इसकी कुल बिक्री में 78 प्रतिशत का योगदान दिया। एमजी विंडसर की भारतीय यात्री ईवी खंड में बाजार पैठ बढ़ गई है ।

कमजोर लिस्टिंग के बाद बीजासन एक्सप्लोटेक के शेयरों पर लगा अपर सर्किट, निवेशकों को 12.4 प्रतिशत का नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। माइनिंग और डिफेंस सेक्टर के लिए एक्सप्लोसिव बनाने वाली कंपनी बीजासन एक्सप्लोटेक के शेयरों ने आज कंपनी के आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 175 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 29 रुपये यानी 16.57 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 146 रुपये के भाव पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 153.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस रिकवरी के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 12.40 प्रतिशत का नुकसान हो गया। बीजासन एक्सप्लोटेक का 59.93 करोड़ रुपये का आईपीओ

21 से 25 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.43 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 34,24,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए प्लांट और मशीनरी की खरीदारी करने, पुराने कर्ज को चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 2.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 2.94 करोड़ और 2023-24 में 4.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 8.33 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस अवधि में कंपनी 101.44 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

चना कांटा, तुअर सस्ती, दालों में मिश्रित रंगत

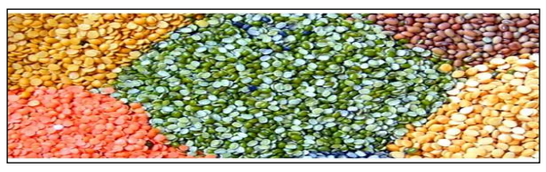

एजेंसी

इंदौर। संयोगितागंज अनाज मंडी में सप्ताहांत चना कांटा तथा तुअर सस्ती बिकी। मूंग- उड़द में कामकाज बना रहा। दालों के दामों में मिश्रित रंगत दर्ज की गई। चावल में खरीदी बनी बताई गई। सोमवार को चना कांटा 5800 से 6000 रुपये खुलने के बाद शनिवार को 5600 से 5900 रुपये होकर थमा। मूंग 8000 से 8400 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 7200 रुपये बिकी। भाव 8000 से 8400 रुपये बोले गए। कारोबार में तुअर 6500 से 7400 रुपये खुलकर 6500 से 7400 रुपये बिकी। उड़द 8000 से 8200 पर खुलकर 8000 से 8200 रुपये रही। मसूर 6000 से 6050 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर खुलने के बाद 6150 से 6200 रुपये प्रति क्विंटल होकर थमी। दालों में भाव मांग सुस्ती से ऊपर नीचे हुए। सप्ताहांत चना दाल के साथ तुअर कम होकर बिकी। मूंग दाल तथा मूंग मोगर महंगी बिकी। रवा, मैदा, गेहूं का आटा में लिवाली रही।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 86,610 रुपये से लेकर 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज कमजोरी दर्ज की गई है, जिसे कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख

शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सेबी की पूर्व प्रमुख माधवी पुरी बुच की बढ़ेगी मुसीबत, धोखाधड़ी के आरोप में दर्ज होगी प्राथमिकी

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के चेयरपर्सन पद से अवकाश ग्रहण करने के तुरंत बाद माधवी पुरी बुच की परेशानी बढ़ती हुई नजर आने लगी है। सेबी की पूर्व प्रमुख और पांच अन्य लोगों के खिलाफ शेयर बाजार में रेगुलेटरी प्रावधानों का उल्लंघन करने और कथित धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिक की दर्ज करने का आदेश दिया गया है। ये आदेश मुंबई की एक अदालत की ओर से जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि इस मामले में प्रथम दृष्ट्या रेगुलेटरी प्रावधानों के उल्लंघन और मिली भगत की बात नजर आती है। इसलिए मामले की निष्पक्ष जांच की जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि पिछले शुक्रवार को ही सेबी के चेयरपर्सन के रूप में माधवी पुरी बुच ने 3 साल का कार्यकाल पूरा किया है। अब उनके स्थान पर तुहिन कांत पांडे ने सेबी की कमान संभाल ली है। अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान माधवी पुरी बुच को कई आरोपों का सामना करना पड़ा। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने भी अपनी एक रिपोर्ट में माधवी पुरी बुच पर निशाना साधा था।

मुंबई की विशेष अदालत ने एंटी

करप्शन ब्यूरो को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और रेगुलेटरी प्रावधानों का उल्लंघन के संबंध में मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। अदालत की ओर से कहा गया है कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए वो खुद जांच की निगरानी करेगा। अदालत ने 30 दिन के अंदर स्टेटस रिपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया है। अदालत की ओर से कहा गया है कि माधवी पुरी बुच पर लगाए गए आरोप संगीन अपराध का खुलासा करते हैं।

इसके पहले कोर्ट में एक याचिका दाखिल करके माधवी पुरी बुच समेत सेबी के अन्य अधिकारियों पर बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी करने, रेगुलेटरी प्रावधानों का उल्लंघन करने और भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया गया था। याचिका में शिकायतकर्ता की ओर से दावा किया गया था कि सेबी के अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्यों को निभाने में विफल रहे और बाजार में हेराफेरी को बढ़ावा दिया। इसके साथ ही निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करने वाली एक कंपनी को लिस्ट होने की अनुमति देकर कॉर्पोरेट धोखाधड़ी के लिए रास्ता भी खोला।

लगातार दूसरे महीने बिकवाल बने रहे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, दो महीने में की 1.12 लाख करोड़ की निकासी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जनवरी के बाद फरवरी के महीने में भी लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने रहे। फरवरी के महीने में एफपीआई ने इंडियन स्टॉक मार्केट से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की। इस तरह 2025 के पहले 2 महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार से अभी तक 1.12 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जनवरी के महीने में भी घरेलू शेयर बाजार में लगातार बिकवाली करके 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे हालांकि जनवरी के पहले दिसंबर 2024 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 15,446 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। इस साल की शुरुआत से ही अमेरिकी बाजार में बनी अनिश्चितता की

स्थिति और स्लोडाउन की आशंका के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक दुनिया भर के स्टॉक मार्केट से अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी नजर आ रहा है। यही कारण है कि साल के पहले 2 महीने में ही विदेशी निवेशक अभी तक कुल 1,12,601 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन और कॉर्पोरेट इनकम में वृद्धि को लेकर बनी चिंता के कारण भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बाजारों में बिकवाली का दबाव बनाए हुए हैं। इसके साथ ही अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में हुई बढ़ोतरी, डॉलर इंडेक्स में आई तेजी और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के कारण भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल कर अमेरिकी एसेट्स में निवेश करने में जुटे हुए हैं। घरेलू शेयर बाजार में बने नकारात्मक माहौल की एक वजह तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे में आई कमजोरी भी रही है, जिसकी वजह से आर्थिक मंदी का डर बढ़ता जा रहा है।

पआईआईसीए ने भारत में ईएसजी नेतृत्व को सशक्त करने के लिए गोवा में एनएआईएल की बैठक की मेजबानी की

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) ने गोवा में नेशनल एसोसिएशन ऑफ इम्पैक्ट लीडर्स (एनएआईएल) मीट 2025 का आयोजन किया। इस महत?वपूर्ण कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें प्रख्यात ईएसजी पेशेवर, नीति निर्माता और विचारक शामिल थे। आईआईसीए के महानिदेशक व सीईओ अजय भूषण प्रसाद पांडे और राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित एनएआईएल में गहन विचारों का आदान-प्रदान करने, उभरती स्थिरता प्रवृत्तियों पर विमर्श करने और जिम्मेदार कॉर्पोरेट भविष्य के लिए एक नीति तैयार करने पर मंथन किया गया। बौद्धिक चर्चा के लिए मंच तैयार करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर गरिमा दाधीच, एसोसिएट प्रोफेसर और स्कूल ऑफ बिजनेस एनवायरनमेंट, आईआईसीए की प्रमुख द्वारा आयोजित स्वागत और संदर्भ सत्र से हुई। उन्होंने कॉर्पोरेट स्थिरता को बढ़ावा देने में ईएसजी नेतृत्व के बढ़ते महत्व को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया और संगठनात्मक रणनीतियों को नई वैश्विक नीतियों के अनुरूप करने की आवश्यकता के बारे में बताया। कार्यक्रम में इंफोसिस लिमिटेड की उपाध्यक्ष अरुणा सी. न्यूटन ने इस बारे में एक रोचक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया कि कैसे मजबूत शासन व्यवस्था हरित प्रौद्योगिकी को अपनाने में तेजी ला सकती है, जिससे अंततः कॉर्पोरेट स्थिरता की संस्कृति को बढ़ावा मिल सकता है।

अगले सप्ताह सिर्फ 1 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 4 कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुरू हो रहा कारोबारी सप्ताह आईपीओ लॉन्चिंग के लिहाज से काफी ठंडा रहने वाला है। इस सप्ताह सिर्फ एक नए पब्लिक इश्यू की लॉन्चिंग होने वाली है। ये इश्यू भी मेनबोर्ड का नहीं, बल्कि एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा पिछले सप्ताह 28 फरवरी को ओपन हुए एक इश्यू में भी 4 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। जहां तक नए शेयरों की लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह 4 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। इनमें भी मेनबोर्ड सेगमेंट की कोई कंपनी नहीं है। सभी चारों कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबार दिन 4 मार्च को टेक्सटाइल इंपोर्टर कंपनी एनएपीएस ग्लोबल इंडिया का 11.88 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा।

इस इश्यू में 6 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 90 रुपये प्रति शेयर की कीमत तय की गई है, जबकि इसका लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ क्लोज होने के बाद 7 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। इसी तरह 11 मार्च को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इसके अलावा पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 28 फरवरी को लॉन्च हुए बालाजी फॉस्फेट्स लिमिटेड के आईपीओ में चार मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 66 से 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ को अभी तक 19 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। कंपनी के शेयर 7 मार्च को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। लिस्टिंग की बात करें तो सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह में पहले दिन ही 3 मार्च को बीजासन एक्सप्लोटेक के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अगले दिन 4 मार्च को न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस के शेयरों की लिस्टिंग भी बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ही होगी। इसके बाद बुधवार 5 मार्च को श्रीनाथ पेपर के शेयर भी बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। वहीं सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 7 मार्च को बालाजी फास्फेट्स के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी पर कोयला मंत्रालय गांधीनगर में करेगा तीसरा रोड शो

जेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्यिक कोयला खनन को बढ़ावा देने और निजी निवेश को आकर्षित करने के अपने चल रहे प्रयासों के तहत कोयला मंत्रालय गुजरात के गांधीनगर में वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी और निवेश अवसरों पर एक रोड शो आयोजित करेगा। इसका उद्देश्य भारत के कोयला क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी में तेजी लाने के लिए उद्योग के हितधारकों, संभावित निवेशकों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाना है।

इस रोड शो कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे मुख्य अतिथि होंगे। उनके साथ कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रूपिंदर बरार और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी नीलामी प्रक्रिया, निवेश परिदृश्य और क्षेत्र में विकास को गति देने वाली सरकारी पहल के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

कोयला मंत्रालय वाणिज्यिक कोयला खनन को बढ़ावा देने के लिए रोड शो की एक श्रृंखला के माध्यम से हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। कोलकाता और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद मंत्रालय अब संभावित निवेशकों और उद्योग जगत के नेताओं को आकर्षित करने के लिए गांधीनगर में रोड शो आयोजित कर रहा है। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी का आगामी 12वां दौर मार्च के दूसरे सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है, जो घरेलू कोयला उत्पादन को बढ़ाने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। यह रोड शो कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने, दक्षता बढ़ाने, नीति समर्थन और क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल है। प्रतिभागियों को कोयला ब्लॉकों की उपलब्धता, निवेश के अवसरों और भारत के कोयला उद्योग में व्यापार करने में आसानी के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिलेगी। विशेषज्ञ कोयला प्रौद्योगिकी, स्थिरता उपायों और नीति सुधारों में प्रगति को भी उजागर करेंगे, जिसका उद्देश्य पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बाज़ार को बढ़ावा देना है। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी भारत के कोयला भंडार की वास्तविक क्षमता को उजागर करने, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आकर्षित करने और आयात निर्भरता को कम करने में सहायक रही है। निवेशक-अनुकूल नीतियों और तकनीकी प्रगति के साथ, कोयला मंत्रालय एक मजबूत और टिकाऊ कोयला क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62

रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.57 प्रतिशत लुढ़ककर 69.95 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.37 प्रतिशत की तेजी लेकर 73.08 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.09 लाख करोड़ की गिरावट, टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 3.09 लाख करोड़ से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को लगातार दूसरे सप्ताह सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा। इसके अलावा टॉप 10 में शामिल दो कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 39,308.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

लगातार दूसरे सप्ताह सबसे अधिक नुकसान का सामना करने के कारण टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) मार्केट कैप के मामले में टॉप 10 कंपनियों की सूची में दूसरे स्थान से फिसल कर तीसरे स्थान पर आ गई है। दूसरी ओर, मार्केट कैप में बढ़ोतरी होने के कारण एचडीएफसी बैंक टॉप 10 कंपनियों की सूची में तीसरे स्थान से उछल कर दूसरे स्थान पर आ गया है। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, इंफोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), हिन्दुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में कुल 3,09,244.57 करोड़ रुपये की गिरावट आई। वहीं, एचडीएफसी बैंक, और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई।सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,09,211.97 करोड़ रुपये कम होकर 12,60,505.51 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप 52,697.93 करोड़ रुपये घट कर 7,01,002.22 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 39,230.10 करोड़ रुपये कम होकर 8,94,993.67 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 38,025.97 करोड़ रुपये फिसल कर 16,23,343.45 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक

ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 29,718.99 करोड़ रुपये गिर कर 6,14,236.97 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 20,775.78 करोड़ रुपये कम होकर 8,49,803.90 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 11,700.97 करोड़ रुपये घट कर 5,14,983.41 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईटीसी का मार्केट कैप 7,882.86 करोड़ रुपये कम होकर 4,93,867.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 30,258.49 करोड़ रुपये बढ़ कर 13,24,411.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 9,050.24 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,29,516.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,23,343.45 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

कुल्फी के लिए मशहूर हैं दिल्ली की ये दुकानें, इस बार होली पर जरूर करें ट्राई

कुल्फी खाना किसे पसंद नहीं होता, लेकिन जब बात होली की हो तो इसे खाने का मजा और भी दोगुना हो जाता है. ऐसे में अगर आप दिल्ली में रहते हैं और होली पर अपनों के साथ कुल्फी के मजे लेना चाहते हैं तो यहां कुल्फी के लिए दिल्ली की मशहूर शॉप्स के बारे में बताया गया है.

होली का त्योहार मस्ती, रंग और स्वादिष्ट खाने का संगम होता है. इस मौके पर ठंडक देने वाली कुल्फी का मजा कुछ अलग ही होता है. रंगों से सराबोर होकर जब लोग थक जाते हैं, तो ठंडी-मीठी कुल्फी हर किसी को तरोताजा कर देती है. खासकर गर्मी के मौसम में होली खेलते वक्त ठंडा खाने की चाहत बढ़ जाती है, और कुल्फी इस मौके के लिए परफेक्ट ट्रीट बन जाती है.

कुल्फी न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि यह होली की पारंपरिक मिठाइयों के साथ भी खूब मेल खाती है. ठंडाई और गुजिया के बाद अगर मलाईदार केसर-पिस्ता कुल्फी मिल जाए, तो त्योहार का मजा दोगुना हो जाता है. इसके अलग-अलग फ्लेवर जैसे आम, केसर, बादाम और चॉकलेट हर किसी को पसंद आते हैं. कुल्फी को हाथ में पकड़कर धीरे-धीरे खाने का अनुभव खुद में ही खास होता है, जो होली की मस्ती को और बढ़ा देता है.

कुल्फी के लिए फेमस हैं ये दुकानें

कुल्फीवाला- पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक में स्थित कुल्फीवाला दशकों से अपने स्वादिष्ट कुल्फी के लिए प्रसिद्ध है. यहां विभिन्न फ्लेवर्स की कुल्फी मिलती है, जो होली के मौके पर आपकी मिठास को बढ़ा देगी.

रोशन दी कुल्फी- करोल बाग में स्थित रोशन दी कुल्फी अपने मलाईदार और रिच फ्लेवर के लिए जाना जाता है. होली के दौरान यहां की कुल्फी का आनंद लेना एक यादगार अनुभव होगा.

कुल्फी फैक्ट्री- कनॉट प्लेस में स्थित कुल्फी फैक्ट्री में आपको पारंपरिक से लेकर फ्यूजन फ्लेवर्स तक की कुल्फी मिलेगी. होली के अवसर पर यहां आकर आप नए-नए स्वादों का मजा ले सकते हैं.

कुल्फी जोन- साउथ एक्सटेंशन में स्थित कुल्फी जोन अपने अनोखे फ्लेवर्स और प्रेजेंटेशन के लिए मशहूर है. होली के मौके पर यहां की कुल्फी आपके त्योहार में चार चांद लगा देगी.

प्रभु दयाल कुल्फी वाला- कनॉट प्लेस में स्थित प्रभु दयाल कुल्फी वाला अपने पारंपरिक स्वाद और गुणवत्ता के लिए जाना जाता है. होली के दौरान यहां की कुल्फी का स्वाद लेना न भूलें.

सिंधी कुल्फी कॉर्नर- लाजपत नगर के लाल साईं मार्केट में स्थित यह दुकान 52 वर्षों से कुल्फी और रबड़ी फालूदा के लिए मशहूर है. यहां की महाराजा रबड़ी फालूदा विशेष रूप से फेमस है.

कुल्फी दोस्तों और परिवार के साथ होली सेलिब्रेट करने का एक मजेदार बहाना भी बनती है. जब सब लोग रंगों में भीगे हों और एक साथ बैठकर कुल्फी खा रहे हों, तो त्योहार की खुशी और भी बढ़ जाती है. कुल्फी की ठंडक और मिठास हर किसी को फ्रेश महसूस कराती है, जिससे होली की थकान भी गायब हो जाती है. यही वजह है कि होली के मौके पर कुल्फी खाना एक मजेदार और यादगार एक्सपीरियंस बन जाता है.

निर्वासितों से दुर्व्यवहार को सामान्य न बनाएं

छोटे देशों ने बेहतर काम किया है। वे एक अच्छी प्रतिक्रिया के उदाहरण के रूप में सामने आते हैं। कोलंबिया, ब्राजील और मैक्सिको ने अपने देशों में वापस भेजे गए निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार को स्पष्ट रूप से सामने लाया है। दो दक्षिण अमेरिकी देशों और मैक्सिको की गुस्से भरी प्रतिक्रियाएं एक अच्छी और संतुलित प्रतिक्रिया का एक शानदार उदाहरण हैं।

19 फरवरी को यूनाइटेड स्टेट्स व्हाइट हाउस ने 41 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें निर्वासितों को बेड़ियों में जकड़ा हुआ दिखाया गया है क्योंकि उन्हें अवैध अप्रवासियों को (जैसा कि उन्हें वहां %अवैध एलियंस% के रूप में जाना जाता है) अमेरिकी क्षेत्र से निकालने के डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के प्रयासों के तहत निर्वासन कार्यों के लिए एक हवाई जहाज में ले जाया जा रहा है। वीडियो में निर्वासितों या अमेरिकी अधिकारियों के चेहरे नहीं दिखाए गए थे लेकिन बाद वाले ने जो जैकेट पहनी थी जिससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि वे एनफोर्समेंट एंड रिमूवल ऑपरेशंस (ईआरओ) से थे, जो अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के प्रवर्तन और निष्कासन कार्यों का संक्षिप्त रूप है। वीडियो का उद्देश्य न केवल निर्वासितों, जिनमें से कई भारत से हैं, बल्कि उनके राष्टों और उनके नागरिकों का समग्र रूप से उपहास उड़ाना और उन्हें शर्मिंदा व अपमानित करना था।

वीडियो का चौंकाने वाला शीर्षक था- एएसएमआर- अवैध विदेशी निर्वासन उड़ान% और एलोन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे 100 मिलियन से अधिक बार देखा गया है। वीडियो में एएसएमआर (ऑटोनॉमस सेंसरी मेरिडियन रिस्पांस) का तात्पर्य स्टील की जंजीरों की झुनझुनी ध्वनि से है जब उन्हें टरमैक पर बिछाया जाता है क्योंकि कैदी आगे बढ़ते हैं और एक-एक करके उन्हें जंजीरों में जकड़ा जाता है। एएसएमआर रीढ़ की हड्डी में महसूस होने वाली संतुष्टि और सुखद झुनझुनी की भावना है, जो कुछ लोगों में कुछ ध्वनियों से ट्रिगर होती है, जैसे टिशू पेपर का कुचलना या बबल रैप का फटना। स्टील की बेड़ियों के बिछाए जाने की आवाज वह झुनझुनी है जिसे वे पसंद करते हैं। मस्क ने वीडियो को %हाहा... वाह% शब्दों के साथ रीट्वीट किया।

निर्वासितों के साथ अमानवीय व्यवहार सिफ़ उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार में ही नहीं है। अमेरिकियों के दिमाग में %एलियंस% की गहरी पैठ है, जिसमें कई परतें काम कर रही हैं, जैसे कि श्वेत वर्चस्व, गरीबी का अपराधीकरण और या दुर्व्यवहार का सामान्यीकरण। अमेरिकी राष्टपति के आधिकारिक अकाउंट से ऐसा वीडियो जारी करने और उनके सबसे भरोसेमंद लेफ्टिनेंट द्वारा इसे रीट्वीट करने पर हंसने के लिए दिमाग में कुछ गड़बड़ जरूर है। सभी देशों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे निर्वासितों को वापस लौटाएं और अमेरिका को यह बताएं कि निर्वासन ठीक है लेकिन इंसानों के साथ दुर्व्यवहार करना, जिनमें से ज़्यादातर समाज के गरीब तबके के हैं और जो आजीविका की तलाश में हैं, ऐसी नौकरियां लेना जो इन इच्छुक श्रमिकों की उपलब्धता के बिना भी उपलब्ध हैं, एक फासीवादी शासन के करीब है जो अन्य मनुष्यों को मनुष्य से कमतर समझता है।

निर्वासन के लिए लक्षित देशों में सबसे बड़ा, सबसे मजबूत और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में भारत को यह विरोध अवश्य व्यक्त करना चाहिए। इसमें भारत स्पष्ट रूप से, बड़े पैमाने पर और बुरी तरह विफल रहा है। इसकी जगह हमारे पास ऐसा नेतृत्व है जो अमेरिका की कार्रवाइयों को उचित ठहराता है। क्या यह पूर्व विदेश सेवा के राजनयिक से राजनेता बने डॉ. एस जयशंकर नहीं थे जिन्होंने 6 फरवरी को एक बयान में कहा था- %आईसीई द्वारा उपयोग किए जाने वाले विमान द्वारा निर्वासन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया, जो 2012 से प्रभावी है, मैं दोहराता हूं, जो 2012 से प्रभावी है, प्रतिबंधों के उपयोग का प्रावधान करती है। हालांकि, हमें आईसीई द्वारा सूचित किया गया है कि महिलाओं और बच्चों को नहीं रोका जाता है। इसके अलावा भोजन या अन्य आवश्यकताओं से संबंधित पारगमन के दौरान निर्वासित लोगों की जरूरतों का ध्यान रखा जाता है, जिनमें संभावित चिकित्सा व आपात स्थिति भी शामिल है। मैं दोहराता हूं कि 5 फरवरी को अमेरिका द्वारा की जाने वाली उड़ान के लिए पिछली प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है।%

जयशंकर यह कहने में अधिक उत्सुक हैं कि हमने अपने कार्यकाल के दौरान कुछ नहीं किया। भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के बाद उनके द्वारा किए गए बेतुके, पूरी तरह से बेतुके, बदसूरत, बेशर्म और खुद को चोट पहुंचाने वाले हैं। पहले और बाद के बीच कृत्रिम विभाजन को देखिए! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को डॉ. जयशंकर को फटकार लगानी चाहिए, अगर नहीं तो पदावनत करना चाहिए क्योंकि उन्होंने इस महत्वपूर्ण मामले में देश को नीचा दिखाया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और राजनीतिक स्पेक्ट्रम के अन्य संगठनों को जयशंकर के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

छोटे देशों ने बेहतर काम किया है। वे एक अच्छी प्रतिक्रिया के उदाहरण के रूप में सामने आते हैं। कोलंबिया, ब्राजील और मैक्सिको ने अपने देशों में वापस भेजे गए निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार को स्पष्ट रूप से सामने लाया है। दो दक्षिण अमेरिकी देशों और मैक्सिको की गुस्से भरी प्रतिक्रियाएं एक अच्छी और संतुलित प्रतिक्रिया का एक शानदार उदाहरण हैं। राष्टपति गुस्तावो पेट्रो की एक वाणिज्यिक उड़ान पर कोलंबियाई निर्वासितों को संबोधित करते हुए तस्वीरें हैं, जब उन्होंने निर्वासितों को ले जा रहे अमेरिकी सैन्य कार्गो विमान को अनुमति देने से इनकार कर दिया तो वे सबसे पहले आवाज उठाने वालों में से एक थे। पेट्रो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर कहा था, %मैं कोलंबियाई प्रवासियों को ले जाने वाले अमेरिकी विमानों के हमारे क्षेत्र में प्रवेश देने से इनकार करता हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका को प्रवासियों को प्राप्त करने से पहले उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार के लिए एक प्रोटोकॉल स्थापित करना चाहिए।% कोलंबिया ने निर्वासितों को वापस लाने के लिए अपने देश के विमान भेजे और पेड्रो ने अपने लोगों को सम्मान के साथ वापस भेजने के लिए राष्टपति के विमान की भी पेशकश की। यह भारतीय प्रतिक्रिया के बिल्कुल विपरीत है।निर्वासित लोगों के तीन बैचों को हथकड़ियां और पैरों में जंजीरें डालकर अमेरिकी सैन्य कार्गो विमान की घुटन भरी उड़ान द्वारा भारत वापस लाया गया है। 23 फरवरी को भारतीय निर्वासितों का चौथा और नवीनतम बैच दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्टीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। अमेरिकी सैन्य कार्गो विमानों में हथकड़ी और जंजीरों में बंधे पहले के समूहों के विपरीत 12 लोगों का यह जत्था पनामा से एक वाणिज्यिक उड़ान से वापस आया। वे बेड़िया खोले हुए थे और उनके पैरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगे हुए थे लेकिन निर्वासितों ने तिजुआना शिविर मे यातना और कठिनाई के बारे में बताया, जहां उन्हे वाणिज्यिक उड़ान से पनामा के लिए रवाना होने से पहले घंटों तक अत्यधिक ठंड में फर्श पर बैठाया गया था। उन्होंने कहा कि कोलंबिया और ब्राजील जैसे देशो ने अपने लोगों के साथ इस तरह के व्यवहार की निंदा की है जबकि भारत चुप रहा है। इससे उनकी समस्याए और बढ़ गई हैं। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि वह निर्वासित नागरिकों के साथ %अपमानजनक व्यवहार% के बारे में वाशिंगटन से जवाब मांग रहा है। ब्राजील सरकार ने कहा कि वह निर्वासित प्रवासियों के लिए एक स्वागत केंद्र बनाएगी।इनमें से कोई भी देश अमेरिका की ताकत के आसपास भी नहीं है, फिर भी उन्होंने यह कहकर अपनी बात रखी है- आप हमारे लोगों के साथ बुरा व्यवहार नहीं कर सकते। अगर आप ऐसा करेंगे तो हम चुप नहीं रहेंगे। भारत इससे कुछ सबक सीख सकता है।सर्वाधिक दुखद तो यह है कि प्रारंभिक जत्थों के बाद मोदी ने अमेरिका का दौरा किया जहां उनकी मुलाकात राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प से हुई लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर उनसे बात तक नहीं की, विरोध जतलाना तो दूर की बात है।

संपादकीय

खाद का संकट

देश के कई राज्यों में रासायनिक खादों की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि ने नीति-नियंताओं को चौंकाया है। विशेषकर हरियाणा में यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट यानी डीएपी की खपत में तीव्र वृद्धि ने उर्वरक मंत्रालय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह तथ्य चौंकाने वाला है कि इस रबी के सीजन में हरियाणा में यूरिया खाद का उपयोग अट्ठारह फीसदी तक बढ़ गया है। जबकि कुछ जिलों में डीएपी की खपत में 184 फीसदी का उछाल देखा गया है। दरअसल, रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग और सब्सिडी वाले उर्वरकों की जरूरत से ज्यादा खपत, असामान्य स्थिति का संकेत दे रही है। जिसके चलते अधिकारियों को शंका है कि सब्सिडी वाले नीम कोटेड यूरिया को बड़ी मात्रा में खरीदकर प्लाइवुड, राल व खनन विस्फोटक जैसे उद्योगों के लिये ले जाया जा रहा है। जिनके लिये तकनीकी-ग्रेड वाला यूरिया खासा महंगा पड़ता है। आशंका जतायी जा रही है कि इन व्यवसाय में लगे कुछ लोग इस मूल्य अंतर का लाभ उठाकर बड़े पैमाने पर सब्सिडी वाली खाद की हेराफेरी कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार ये असामाजिक तत्व करीब दस लाख टन यूरिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिसकी कीमत छह हजार करोड़ रुपये बतायी जा रही है। इसकी पड़ताल के लिये केंद्र सरकार ने राज्य के अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान आरंभ किया है। साथ ही दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इतना ही नहीं, केंद्रीय उर्वरक विभाग आपूर्ति श्रृंखलाओं की निगरानी और रासायनिक खादों के रिसाव पर अंकुश लगाने के लिये विभिन्न मंत्रालयों के साथ समन्वय कर रहा है। कोशिश है कि किसानों को सब्सिडी पर मिलने वाली खाद के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सके। आशंका जतायी जा रही है ऐसी कोशिश पर यदि समय पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कालांतर किसानों के लिये खाद की आपूर्ति बाधित हो सकती है। जिसके सामाजिक व राजनीतिक निहितार्थों को समझते हुए केंद्र सरकार के संबंधित विभाग सतर्क यह तथ्य निर्विवाद है कि खेती में अत्यधिक उर्वरकों का उपयोग एक जटिल समस्या बनता जा रहा है। दरअसल, आम किसानों को ठोस जानकारी नहीं मिल पाती कि इसका कितना उपयोग अधिक फसल लेने व भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिये काफी है। आम किसान पैदावार बढ़ाने के लिये बड़ी मात्रा में यूरिया का उपयोग करते हैं। खासकर नई उच्च नाइट्रोजन वाली गेहूं की किस्मों के लिये। वहीं एनपीके यानी सोडियम, फॉस्फोरस व पोटेशियम उर्वरक की खपत में वृद्धि ने यूरिया पर निर्भरता को और अधिक बढ़ा दिया है। जिससे मिट्टी का क्षरण, कीट जोखिम बढ़ने के साथ ही भूजल प्रदूषण में तेजी से वृद्धि हो रही है। निर्विवाद रूप से रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध उपयोग न केवल मिट्टी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है बल्कि कृषि भूमि की दीर्घकालीन उपादेयता को भी कम कर रहा है।

उर्वरकों की खपत में तेजी से वृद्धि देश की आर्थिकी पर प्रतिकूल असर डाल रही है। उर्वरकों के आयात पर देश की बढ़ती निर्भरता वित्तीय संकट को भी बढ़ावा दे रही है। देश वार्षिक रूप से करीब 75 लाख टन यूरिया का आयात करता है। यूरिया की बढ़ती वैश्विक कीमतों ने उर्वरक सब्सिडी को 1.75 ट्रिलियन रुपये से अधिक कर दिया है। यदि इस स्थिति पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो बढ़ती उर्वरक मांग अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डालेगी। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सरकार उर्वरक की बिक्री की निगरानी को सशक्त बनाए । सब्सिडी वाली रासायनिक खाद का दुरुपयोग करने वालों के लिये सख्त दंड की व्यवस्था लागू करने की जरूरत है। इसके अलावा किसानों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि खेती में खाद का उपयोग कैसे संतुलित ढंग से किया जाना चाहिए। रासायानिक खाद की बिक्री को अनियंत्रित छोड़ देने से न केवल संकट का असर करदाताओं पर बोझ बढ़ाएगा वरन अर्थव्यवस्था पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है। साथ ही बड़ा संकट इस बात का भी कि खेती में अत्यधिक रासायनिक खाद के उपयोग से हमारे पर्यावरण पर भी घातक प्रभाव होगा। जो कालांतर कृषि की स्थिरता को भी संकट में डाल सकता है।

चिंतन: धर्म, कर्म, ज्ञान और प्रेम का अद्भुत समागम है प्रयागराज

प्रयागराज मेरी कर्मभूमि है। मैंने इसे हर नजरिए से पढ़ा है और आत्मीयता भाव पूर्वक उसे गढ़ा है। इस शहर की इंद्रधनुषी सांस्कृतिक छँटा आपको भाव विभोर किये बिना नहीं रहेगी। महाकुंभ 2025 के आयोजन से इसकी विश्वव्यापी प्रसिद्धि बढ़ी है। धार्मिक आस्था और पौराणिक महत्व वाले इस शहर के विभिन्न पहलुओं की चर्चा मैं यहां कर रहा हूँ ताकि इसके विभिन्न महत्ता से आप भी अवगत हो सकें।

वैसे तो ज्ञान, धार्मिक एवं सांस्कृतिक समागम की पवित्र भूमि प्रयागराज की महिमा, गरिमा, पूण्य प्रताप और आशीर्वाद के बारे में मैंने विभिन्न लेख में बहुत आत्मीय अनुभूति और गहन अध्ययन के साथ लिखता आया हूँ। अपनी सुदीर्घ वर्षों की साधना एवं लगभग तीन दशकों लंबे के प्रशासनिक अनुभव के बारे में विस्तार से लिखा है। जो भी समझा, उसे अपनी अल्प बुद्धि, ज्ञान और अनुभव के आधार पर लिखा और मन के उद्गार को देश-समाज हित में अभिव्यक्त किया।

लिहाजा, यहां पर मैं अपने मन में प्रयागराज विश्वविद्यालय (पूर्व नाम इलाहाबाद विश्वविद्यालय), जिसे ह्×द्धश्हस्त्र श्द्ध श्ड्डह्यह्ल यानी पूर्व का ऑक्सफोर्ड करार दिया जाता है और ऐसा ही गौरव उसे प्राप्त है, के कुछ अनछुए पहलुओं की चर्चा करूँगा। साथ ही गंगा-जमुना संस्कृति की उस तहजीब और प्रयागराज की पावन भूमि के साथ प्रयागराज की कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली उस अपठनीय और मन को द्रवित करने वाली चुनौतियों के दृष्टिगत अपने कर्मभूमि के कार्यकाल की अकथनीय दास्तान को वर्णित करने का प्रयास किया, जो वाकई कठिन थामेरा स्पष्ट मत है कि यदि लेखन में अनुभूति, सत्यता और निर्भीक होकर अपने अनुभूति जन्य भावों को प्रकट करने की क्षमता का अभाव है तो ऐसा लेखन निंदनीय और अपठनीय होता है। सच कहूं तो मैंने अपने जीवन में महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी, जनकवि कबीर जी को जिया है, अर्थात निराला जी की योग्यता के साथ आर्थिक विपन्नता का दंश भी झेला और क्षत्रिय कुल में जन्म लेकर भी नाम के आगे टाइटिल नहीं लगाने का साइड इफेक्ट्स भी झेला। परंतु जैसे सत्य पराजित नहीं होता है, उसी प्रकार शिक्षा पर आधारित ज्ञान, योग्यता, दक्षता को भी किसी प्रकार से पराजित नहीं किया जा सकता है।काव्यात्मक शब्दों में कहूँ तो- संपदा से कहीं अधिक जग में, मान-सम्मान की जरूरत/जरारत है, यार, मेरा ख्याल है तुझको, सिर्फ ईमान की जरुरत है। जिसने बख्शी तुम्हें बुलंदी, तुम, उसको पांवों की धूल मत समझो, खींच लेगा जमीन पर तुमको, दर्द उसका फिजूल मत समझो। दिव्य महाकुम्भ 2025 के सफलता पूर्वक

आयोजन से उपरोक्त भारतीय संस्कृति के मूल की पुनः पुष्टि हुई। क्योंकि संगम के पवित्र जल में सभी विचारधाराओं के नागरिकों ने, देश विदेश के नागरिकों ने एक ही पवित्र स्थान पर एवं पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई और सभी ने अपने आप को धन्य समझा है। और मैं प्रयागराज की पवित्र भूमि पर निवासित नागरिकों को भी साधुवाद दूंगा कि मात्र 45 दिवस की अवधि में 66 करोड़ से ज्यादा अनुशासित श्रद्धालुओं के प्रयागराज में आने पर भी यहाँ के नागरिकों ने शहरी यातायात और मुलभुत सुविधाओं पर आए भारी दबाव को सहर्ष स्वीकार करते हुए श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। मसलन यही भारत की तपोभूमि की सरकार है। ÷अतिथि देवो भवः÷ जिसके साक्षात् दर्शन प्रयागराज में एवं आसपास के जनपदों के नागरिकों के द्वारा कराए गए। पड़ोसी जनपद जौनपुर में तैनाती के कारण अतिथियों की व्यवस्था या अन्य प्रशासनिक कार्यों से उनकी सेवा का अवसर मुझे भी मिला, इसके लिए मैं विनम्रता के साथ अपने को अहोभाग्यशाली एवं जनसेवक मानता हूँ। ऐसा सौभाग्य मुझे सेवा के रूप में जीवनपर्यंत मिले, यही मनोकामना है। पुनः प्रयागराज वासियों की सहृदयता, सहनशीलता तथा अतिथियों के प्रति आदर-सम्मान की भावना से हृदय से सम्मान और माननीय मुख्यमंत्री योगी जी की प्रशासनिक दक्षता, राजनीतिक दूरदर्शिता, जनमानस तथा भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठा का कायल हूँ, क्योंकि इन सबका अनूठा संगम आपके व्यक्तित्व में प्रखरता से प्रकाश पुंज की तरह आलोकित हुआ है। चिरंतन सत्य उक्ति है कि सत्य कभी पराजित नहीं होता है। हां, सत्य की जीत में प्रतीक्षा होती है। आज मैं ध्यान दिलाता हूँ प्रयागराज की कुछ तहजीब और हेकड़ी जनित व्यवस्था की ओर, जिसके बारे में आपको जानना समझना चाहिए। मसलन, प्रयागराज की तहजीब और ज्ञान के प्रति अनुराग को देखना हो तो कहना न होगा कि तदसमय रिक्शा चालक भी हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू के समस्त दैनिक पेपर (अखबार) पढ़े बिना किसी भी दाम पर सवारियों को रिक्शा पर नहीं बैठता था। आज क्या स्थिति है, मुझे मालूम एवं अनुभूति नहीं है।वहीं, हेकड़ी की बात करूँ तो प्रत्येक शिक्षित, अशिक्षित व्यक्ति जिसको अपने बाहुबल पर अपनी सियासत और दबदबा कायम करना होता था, वह बात-बात पर ÷अमा बम्ब दागकर चीथड़े उड़ा दूंगा÷ कहते हुए सुना ही नहीं जाता था अपितु अनेक घटनाओं को कारित होते हुए सुना एवं देखा है। इसलिए बिना किसी का नाम अभिव्यक्त किए यह बताना पर्याप्त है। चूंकि धर्म, आस्था, ज्ञान व प्रेम की नगरी प्रयागराज में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले %ज्ञान के सागर% अपराधी भी कई प्रकार के संरक्षण में खूब नामी-गिरामी बने रहे। वह इस शहर से चमकने वाले लेखक, शिक्षाविद, न्यायाधीश, राजनीतिज्ञ और प्रशासनिक अधिकारियों से भी ज्यादा शक्तिशाली और पॉपुलर (प्रसिद्ध) हुए। हालांकि, वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री योगी जी के सशक्त नेतृत्व में ऐसे सभी तत्व अब पाताल वासी हो गए हैं। वहीं, चर्चा जब प्रयागराज की हो तो इलाहाबाद के प्रसिद्ध सुपाच्य यानी पाचन योग्य और प्रोटेम रिच तथा सभी प्रकार से गुणकारी ÷इलाहाबादी अमरूद÷ के गुणों का उल्लेख किये बिना लेख को समाप्त करना उचित नहीं होगा। मेरी अल्प बुद्धि, ज्ञान और अनुभव से मैंने यह अनुभूति की है कि प्रयागराज की ज्ञान की प्रतिभा को आयुर्वेदिक दृष्टि से प्रौढ़ता के साथ अपने पराक्रमी रूप में छात्र-छात्राओं, योग्य सभी क्षेत्र के ज्ञानी मनीषियों के पाचनतंत्र को शुद्ध और हाजमे को उत्कृष्ट रखने के लिए ÷इलाहाबादी अमरूद÷ की महिमा का वर्णन भी अत्यंत महत्वपूर्ण, अति आवश्यक है।यहाँ के गरीब छात्र-छात्राएं या आर्थिक दृष्टि से कहीं भी अभाव वाले, किसी भी क्षेत्र के नागरिकों की जीवन चर्या को एवं व्यक्तित्व को रोगमुक्त करने में ÷इलाहाबादी अमरूद÷ अत्यंत महत्वपूर्ण, आवश्यक रहा है। कम पैसों में यह वर्णन मेरे समय का है। अभी भी कम रुपये में वहां के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए रामबाण और उपयोगी है और रहेगा। जिसके कारण यह अध्ययन रत छात्र-छात्राओं और माननीय न्यायाधीश, विद्वान अधिवक्ताओं, लेखकों, और शिक्षा विद राजनीतिज्ञों, कर्मकारों और सामान्य नागरिकों की जीवन चर्या का अभिन्न, कम मूल्य मिलने वाला विश्व का सबसे प्रतिष्ठित एवँ बिकने वाला फ़ल इलाहाबादी लाल अमरूद सदैव पवित्र तीर्थराज प्रयागराज की पावन भूमि पर आकर्षण का केंद्रबिंदु रहेगा।इलाहाबादी गुलाबी अमरूद में पर्याप्त मात्रा में मौजूद विटामिन सी इम्यून सिस्टम को दुरूस्त करता है। उत्कृष्ट गुणवत्ता यानी बेस्ट क्वालिटी के फाइबर हमारे पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद हैं। फाइबर की वजह से पेट में गैस जैसी समस्याएं नहीं होती हैं और हमारी आँतें साफ रहती हैं। अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम के कारण दिल के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है। खट्टेपन की वजह से कम कैलोरी मोटापे को रोकता है और शुगर एवं ब्लड शुगर कंट्रोल करता है। इसमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन भी पाया जाता है। इससे स्वस्थ त्वचा बनती है तथा विटामिन ए आंखों को ठीक रखता है। इसलिए इलाहाबादी अमरूद छात्र-छात्राओं को और प्रयागराज के बुद्धिजीवियों तथा सभी का प्रिय है।उपरोक्त कारणों से भी यहां के छात्र-छात्राएं प्रतियोगिता परीक्षा में बाजी मार लेते हैं, क्योंकि स्वस्थ रहने के कारण उनकी सफलता का प्रतिशत भी औसत रूप से अधिक रहता है।

इस तरह करने पर आपके हाथ रहे कोमल और सुंदर

हाथों के सौंदर्य के प्रति भी सजग एवं सतर्क रहना जरूरी है। हाथों की कोमलता, उनकी त्वचा और देखभाल ऐसी हो कि लोगों के सामने हाथ बढ़ाना पड़े तो शर्मिंदगी न उठानी पड़े। घर का कामकाज टाला नहीं जा सकता पर इसका अर्थ यह नहीं कि हाथों की उपेक्षा की जाए।

साधारण हाथों का रखरखाव यदि ठीक ढंग से हो तो भी वे सभी का ध्यान आर्जषित कर सकते हैं। हाथों की देखभाल करना बहुत आसान है, पर इसके लिए जरूरी है इनकी नियमित देखभाल। हाथ सुंदर लगने के लिए सबसे जरूरी है- हाथों की त्वचा कोमल हो, उंगलियों का आकार सुंदर हो, उंगलियों के नाखून सुंदर हों। हाथों को सुंदर बनाने के लिए इन सब बातों पर अमल करें :

- हाथ धोने के बाद पानी अच्छी तरह पोंछना न भूलें। हाथों का तैलीए तत्व बना रहे, इसके लिए धोने के तुरंत बाद उन पर क्रीम लगाएं।
- हाथों की त्वचा के दाग हटाने व रंग निखारने के लिए नींबू का प्रयोग करें। रात को दूध की क्रीम में थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाकर हाथों पर मलकर सोएं। अधिक बेहतरी के लिए ग्लिसरीन भी मिला सकती हैं।
- गर्म पानी, साबुन तथा सोडे आदि में हाथ डुबोने पड़ें तो उसका दुष्प्रभाव दूर करने के लिए एक बड़ा चमच सिरका या नींबू मिले पानी से हाथ धोएं।
- रात को सोते समय हमेशा किसी लोशन या क्रीम का प्रयोग करें।
- ग्लिसरीन के साथ गुलाबजल या खीरे का रस मिलाकर लगाएं। यह सस्ता भी है और फायेदमंद भी।
- उंगलियों का नियमित व्यायाम और मालि श करें।

प्रत्येक उंगली को एक-एक करके, दूसरे हाथ के अंगूठे तथा उंगलियों के बीच दबाकर नाखून से नीचे की ओर दबाते हुए मालिश करें।

- हाथों की उंगलियों एवं नाखूनों के रख-रखाव हेतु हते में एक बार अवश्य वक्त निकालें। मैनीक्योर द्वारा हाथों की संपूर्ण सुंदरता को कायम रखा जा सकता है। सबसे पहले थोड़े गुनगुने पानी में थोड़ा शैपू घोल लें। झाग में 5 मिनट तक हाथ डुबोए रखें। हो सके तो उसमें बोरेक्स डालें। इससे हाथों की कोमलता बढ़ेगी। हाथों के नाखून साफ करें। आसपास की मृत त्वचा सफेद होकर उभर आएगी जिसे आप आसानी से खुरदरे कपड़े से हटा सकती हैं।
- हाथों और नाखूनों को साफ कर सुखाने के पश्चात नेलकटर से नाखूनों को गोल आकार दें।
- क्यूटिकल पुशर या सींक पर रूई लपेटकर रिमूवर में भिगो कर धीरे-धीरे त्वचा को पीछे की ओर खिसकाएं। यह कार्य बहुत दक्षता तथा आराम से करना चाहिए वरना त्वचा के किनारे फट सकते हैं। नाखूनों पर खरोंच लगने से उनकी चिकनाहट कम हो जाती है।
- नाखूनों को आकार देते समय अर्द्धचंद्र का आकार भी अपनाएं। इससे नाखूनों का आकार स्वाभाविक लगता है।
- नाखूनों पर पालिश करने से नाखून जल्दी नहीं टूटते तथा सुंदर लगते हैं। एक बार नेल पालिश लगाने के बाद नेल पालिश सूखने के बाद, तब दोबारा उस पर नेल पालिश लगाएं। उससे नाखून भी सुरक्षित रहते हैं। नेल पालिश भी इकसार तथा चमकीली लगती है।

* नाखूनों की मजबूती के लिए उन पर नींबू का छिलका रगड़ें।   * नाखूनों को बेतरतीब ढंग से बढ़ाकर न रखें।

* रात को सोते समय नाखूनों पर क्यूटिक क्रीम से मालिश करें। इससे नाखून मुलायम तथा लचीले रहते हैं।

चेहरे की खूबसूरती बनाएं रखने के लिए अपनाएं ये दादी मां के घरेलू नुस्खे

आपने कभी अपनी नानी मां और दादी मां के चेहरों को ध्यान से देखा है कि उनके चेहरों पर कितनी रौनक रहती है। उनके चेहरे पर न तो झुर्रियां और न ही कोई दाग धब्बा दिखाई देता है। जिससे उनकी उम्र का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। आखिर इस बात का क्या राज है जो दादी मां छुपा रहीं हैं।

आज हम आपको बताने वाले हैं कि दादी मां और नानी मां की खुबसूरती का क्या राज है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स का कहना हैं कि हमारी दादी और नानी मां को प्राकृतिक चीजों पर पूरा यकीन था। उन्होंने अपनी खुबसूरती के लिए एक रुपया भी खर्च नहीं किया। आपको बता दें कि आजकल बाजारों में कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स आते हैं और लड़कियों इनके चकरों में पड़कर अपना चेहरा खराब कर लेती हैं। आज हम आपको दादी और नानी मां के उन घरेलु नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके बारे में किसी को भी पता नहीं है।

- अगर आप लंबे समय तक जवान दिखना चाहती हैं तो हमेशा पीठ के बल लेटें। पेट के बल सोने से आपके चेहरे पर झुर्रियां आ सकती हैं, जिसके कारण आप की सूहसूरती खराब हो जाती है और आपकी उम्र ज्यादा लगती है।
- जब भी आप अपने चेहरे की मसाज करें या फिर साफ करें तो चेहरे को कोमलता से छुएं। अगर आप चेहरे को रगड़-रगड़ कर साफ करेंगे तो आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हो जाएंगे। ऐसे में चेहरे की मसाज हमेशा ऊपर की ओर करें। - हर किसी को बालों को लेकर बहुत सी समस्याएं होती हैं। ऐसे में आप नारियल के तेल से बालों की मसाज करें, जिसे आपके बाल मजबूत बनते हैं।
- नींद हमेशा अच्छी और पूरी लेनी चाहिए तभी आपके चेहरे से बुढापा जाएगा।
- अपने खान-पान पर ध्यान दें। बाहर का खाना कम खाएं। चेहरे की सुंदरता बनाए रखने के लिए ताजे फल सब्जियों का सेवन करें।
- चेहरे पर जमी गंदगी आपके चेहरे को काला कर देती है। इसलिए घर में बनाए हुए स्क्रब से हफ्ते में दो बार स्क्रब जरूर करें ताकि आपके चेहरे में ग्लो आ सकें।
- खुद की स्किन से प्यार करें और उसकी अच्छे से देखभाल करें।

बालों में ऑयल चम्मी करने के फायदें

सिर पर तेल से चम्मी करने से बालों में मजबूती आती है और ग्रोथ भी बढ़ती है लेकिन अगर इन्हें लगाकर बाल ढंग से साफ न किए जाएं तो बालों को नुकसान भी पहुंचता है। सरसों का तेल बालों में लगाने से बाल मजबूत और सफेद कम होते हैं लेकिन एक इसकी एक समस्या यह होती है कि बालों में तेल पड़ा होने पर उनमें गंदगी ज्यादा चिपकती है और सही से न धोने पर वह झड़ना शुरू हो जाते है। तेल लगाने के बाद बालों को गुनगुने-कोसे पानी से धोएं ताकि पूरा तेल और चिपक पन निकल जाएं। 1. अगर आपके बाल रूखें है तो हर दिन बालों में ऑयल लगाएं। इससे बालों का रूखापन समाप्त हो जाएगा। 2. तेल लगाने से बालों में शाइन आती है। और बाल मुलायम होते हैं। 3. बालों में तेल लगा होने से गंदगी सीधे नहीं लगती बल्कि तेल वाले बालों में चिपक जाती है। जिसके कारण बालों को धोना बहुत जरूरी हो जाता है। इसी के साथ यह पराबैंगनी किरणों से भी बालों को बचाती है। 4. नियमित तेल लगाने से बाल जल्दी सफेद नहीं होते। हर दिन रात को 10 मिनट तेल लगाकर अच्छी तरह से मसाज करें। इससे बालों की जड़ों को पूरा पोषण मिलता है। 5. रोज तेल लगाने से रूसी की समस्या दूर होती है। 6. बालों में तेल डालने से बालों को प्रोटीन मिलता है, जिससे वो मजबूत बनते हैं। 7. बहुत सारी लड़कियों को लड़कियां लंबे बालों की शौकीन हैं वो सबसे पहले अपने बालों को मजबूत बनाएं और उन्?हें तेल लगाकर पोषित करें।

इन घरेलू नुस्खों से कुछ ही मिनटों में हटाएं हाथों से मेहंदी का दाग

आजकल हर लड़की मेहंदी या हिना को किसी समारोह व शादियों में अपनी हथेलियों पर लगाती है। यह हिना पेड़ के पत्तों से निकाली जाती है जिसको लगाने से यह हथेली की ऊपरी सतह के अंदर रिस जाती है। इसकी कुछ दिनों तक आपकी हथेली पर छाप बनी रहती है। कभी-कभी आपको कुछ कारणों से मेहंदी या हिना की छाप को हटाना पडता है। इसलिए आज हम आपकों मेहंदी के दाग को एक दिन में हटाने के लिए ये घरेलू अचूक और कारगर तरीकों के बारे में बताएगें जिनसे हिना के दाग को आसानी से हटाया जा सकता है।

1. ऑलिव ऑयल (Olive oil)

अगर आप हाथों पर लगी मेहंदी को हटाना चाहती हैं तो ऑलिव ऑयल को बाउल में निकाल कर उसमें रूई को डुबोकर इसमें निचोड़ कर मेहंदी पर 10 मिनट तक लगा रहने दें और बाद में गुनगुने पानी से धो लें।

2. क्लोरीन (ष्द्धद्यश्रह्वद्धठ्ठद्द)

हिना के दाग को हटाने के लिए हाथों को क्लोरीन और पानी के मिश्रण में कम से कम 5 मिनट तक डुबो कर रखें और बाद में ठंडे पानी से धो लें।

3. बेकिंग सोडा (Baking soda) हाथों से मेहंदी के दाग हटाने के लिए एक कटोरी में 3 बड़े चम्मच बेकिंग सोडा और नींबू का रस मिलाकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को हाथों में 10 मिनट लगाकर हथेलियों को अच्छे से रगड़ें। जब रगड़ने से मेहंदी के दाग हटा जाए तो हाथों को गुनगुने पानी से धो लें।

4. ब्लीचिंग पाउडर (Bleaching powder)

ब्लीचिंग पाउडर को हाथों पर लगाने से आसानी से हिना के दाग को हटाया जा सकता है। मेंहदी के दाग को हटाने के लिए ब्लीचिंग पाउडर की एक मोटी परत डिज़ाइन पर लगाएं और सूखने दें। इसे दो से तीन बार लगाने से हिना के दाग आसानी से हट जाते है।

5. आलू का जूस (Potato juice)

अगर आप 1 दिन में हिना का दाग हटाना चाहते है तो आलू के जूस से हथेली पर मसाज करें और इसे सूखने दें। सूखने के बाद में हाथों को गुनगुने पानी से धो लें।

मेकअप धुलेगा नहीं, खिलेगा!

■ मेकअप सुन्दर और टिकाऊ होने के लिए सबसे पहले त्वचा का स्वस्थ और सुन्दर होना सबसे आवश्यक है। बरसात के मौसम में वातावरण में मौजूद नमी के कारण रोमछिद्र ब्लॉक हो जाते हैं। इसलिए आप सुबह अपनी त्वचा को स्क्रब कर लीजिए। रात को सोने के पहले चेहरे को फेस वॉश से क्लीन कर लीजिए। इससे त्वचा साफ और सुकोमल रहेगी।

■ बरसात के दिनों में मेकअप टिकाऊ रहे इसके लिए वॉटर प्रूफ पैन स्टिक, और वॉटर प्रूफ पैन-केक का इस्तेमाल आप बेस बनाने के लिए कर सकती हैं। पार्टी में जाते समय आप चाहें तो केवल टू-वे केक का इस्तेमाल भी बेस के लिए कर सकती हैं। इससे भी मेकअप काफी देर तक टिका रहता है।

■ आंखों को बड़ा और सुन्दर दिखने के लिए आई लाइनर लगाते समय ध्यान रखना चाहिए कि लाइनर वॉटरप्रूफ हो ताकि बूंदा-बांदी पड़ने पर फैले नहीं। अगर आप रोज-रोज लाइनर नहीं लगाना चाहती हैं तो आप पर्मानेंट आई लाइनर भी लगावा सकती हैं। इससे आंखें हर समय और हर मौसम में सुन्दर दिखती हैं।

■ आजकल कजरारे नैनों का फैशन है, लेकिन बरसात के दिनों में पानी से काजल फैलने की संभावना बनी रहती है इसलिए इस मौसम में वॉटरप्रूफ आई लाइनर का इस्तेमाल आप चाहें तो काजल की जगह कर सकती हैं। अच्छा रहेगा कि आप आंखों में पर्मानेंट काजल करवालें इससे काजल फैलने का डर भी नहीं रहेगा और आंखें हर पल कजरारी नजर आएंगी।

■ पलकें ज्यादा कर्ली, धनी और सुन्दर दिखे इसके लिए आप इस मौसम में वॉटरप्रूफ मस्कारा का प्रयोग करें तो अच्छा रहेगा। आप किसी अच्छे कॉस्मेटिक क्लीनिक से पर्मानेंट मस्करा भी लगवा सकती हैं इससे आपको रोज-रोज मस्कारा लगाने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि पर्मानेंट मस्कारा 10-15 दिनों तक टिकता है।

■ आप अगर बिन्दी लगाने जा रहें हैं तो इस मौसम में अच्छी क्वालिटी की चिपकने वाली बिन्दी का प्रयोग करें क्योंकि लिक्विड अथवा पाउडर बिन्दी इस मौसम में टिक नहीं पाती। खास मौकों पर आप किसी अच्छे ब्यूटी क्लीनिक से वॉटरप्रूफ बिन्दी भी बनावा सकती हैं।

■ बरसात के मौसम में होंठ सुन्दर दिखे और लिपस्टिक देर तक टिकी रहे इसके लिए आप पहले लिप लाइनर से होंठों को शेप दें और फिर मैट लिपस्टिर लगाकर पाउडर पफ से ट्रॉस्परेंट पाउडर लगा लें, इसके ऊपर लिप ग्लौस लगा लीजिए। लिपस्टिक देर तक टिकेगी भी और सुन्दर भी दिखेगी।

■ इस मौसम में बालों को सैट करने के लिए हेयर स्टाईलिंग जैल और कर्लिंग स्टाइल से बालों को सैट नहीं करना चाहिए। इससे भींगने पर बाल चिपचिपे हो जाते हैं और कर्ल किए गए बाल कर्ल भी नहीं रह पाते हैं। बेहतर होगा कि इस मौसम में आप नेचुरल और अनकेप्ट हेयर स्टाइल रखें।

■ वर्षा में भींगने से ऑयल और मैल के कारण बालों में चिपचिपापन आ जाता है इसलिए भींगे बालों को माइल्ड शैम्पू से साफ कर लें।

■ शिफॉन, रेशमी, स्टार्च वाले कपड़े इस मौसम में नहीं पहनने चाहिए क्योंकि ये खराब हो जाते हैं। महीन सूती कपड़े जो पानी में भींगने पर ट्रॉनसिपरेंट हो जाते हैं जहां तक संभव हो नहीं पहनने चाहिए। बेहतर होगा कि आप थिक कॉटन, टेरीकॉटन या क्रेप जैसे कपड़े इस मौसम में पहनें यह शरीर के लिए आरामदायक और अनुकूल भी रहेंगे।

काबुली चना अचार

सामग्री : 150 ग्राम काबुली चना, 1 टेबलस्पून नमक, 1 टीस्पून सरसों का पाउडर, 1 टेबलस्पून सौंफ, 1 टीस्पून कलौंजी, 1/4 टीस्पून हींग, आधा टीस्पून हल्दी, 1 टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर, 200 मिली। सरसों या तिल का तेल।

विधि : कच्चे आम के पानी में काबुली चना, हल्दी और नमक मिलाकर रातभर के लिए भिगोकर रख दें। सुबह उसमें सरसों पाउडर और हल्दी मिलाएं। सौंफ, कलौंजी और हींग मिलाकर एक साथ भून लें। इसे काबुली चना के मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से मिला लें। कड़ाही में तेल को गरम करें। फिर ठंडा होने के बाद उसमें काबुली चना का मिश्रण मिलाकर 8 घंटे के लिए रख दें।

रूसी से बचने के उपाय

1. बालों की जड़ों को छूते हुए, मोटे दांत वाले, उत्तम क्वालिटी के कंघे से नियमित कंघी करें। पांच मिनट तक कंघी करने से बालों में जमा गंदगी त्वचा से छूटेगी।
2. कंघी करने के पश्चात गोल दांतों वाले ब्रश से पांच मिनट तक बालों में आहिस्ता-आहिस्ता ब्रश करें। रक्तसंचार तेज होगा।
3. कंघी व ब्रश करते वक्त ध्यान रहे कि रूसी चेहरे या खुले अंगों पर न गिरे। बालों को चेहरे के पीछे की तरफ ब्रश करें व जहां-जहां रूसी गिरी हो, उस स्थान को किसी एंटीसेप्टिक की सहायता से पोंछ लें।
4. रूसी वाले कंघे व ब्रश को गर्म पानी व साबुन से धो डालें व थोड़ी देर धूप में रखें या एंटीसेप्टिक लगाएं।
5. सप्ताह में एक या दो बाद एंटीसेप्टिक तेल से सिर की मालिश करें। मालिश करने के बाद बालों को भाप दें। इससे तेल बालों की गहराई तक जाता है और बालों को पर्याप्त ऑक्सीजन प्राप्त होता है।
6. बालों को धोने के बाद हर्बल पैक लगाएं। इस हर्बल पैक से रूसी भी दूर होगी, साथ ही बालों को अतिरिक्त खुराक भी मिलेगा।
7. सप्ताह में एक बार गुनगुने तेल में 8-10 बूंदें कैलेंडुला क्यू मिलाकर मालिश करें। तीन-चार घंटे बाद बाल धो लें।

खरीदारी करते समय...

- खरीदारी करने के लिए बार-बार न जाएं। बेहतर यही है कि शॉपिंग के लिए जाने से पहले आवश्यक वस्तुओं की सूची बना ली जाए और कोशिश करें कि माह में एक-दो बार में ही सारी वस्तुएं खरीद ली जाएं। इस तरह समय की बचत के साथ अनावश्यक खर्च भी कम होगा।
- बाजार में वस्तुओं के प्रचलित दामों के उतार-चढ़ाव पर नजर रखें। महंगी वस्तुओं की खरीदारी से पूर्व उनकी गुणवत्ता व मूल्य की जांच-पड़ताल कर लें।
- घर में आय-व्यय का संकलन रजिस्टर बनाएं, जिसमें खरीदी गई मुख्य वस्तुओं का विवरण दिनांक व मूल्य सहित अंकित करें। महंगी वस्तुओं की रसीद विक्रेता से अवश्य लें तथा उसे भी संकलन रजिस्टर में नत्थी करें।
- पारिवारिक आय को ध्यान में रखते हुए ही खरीदारी करें।
- खरीदारी करते समय यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि कहीं आपकी खरीदारी से घर-परिवार के जरूरी एवं आकस्मिक खर्चे जैसे बिजली, पानी, टेलीफोन के बिल, दूध, धोबी, अखबार वाले का भुगतान, बच्चों की फीस अथवा ट्यूशन आदि का भुगतान तो प्रभावित नहीं हो रहा?
- 'कम खर्च बालानंसी' को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक खरीदारी से बचें।
- बच्चों में बचत करने की आदत विकसित करें। आवश्यक जरूरतों को छोड़कर घर में ज्यादा नकदी न रखें। नजदीक के डाकघर या बैंक में ही बचत पास बुक खुलवाएं ताकि जरूरत पड़ने पर रूपये आसानी से निकलवाये जा सकें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते है। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2007

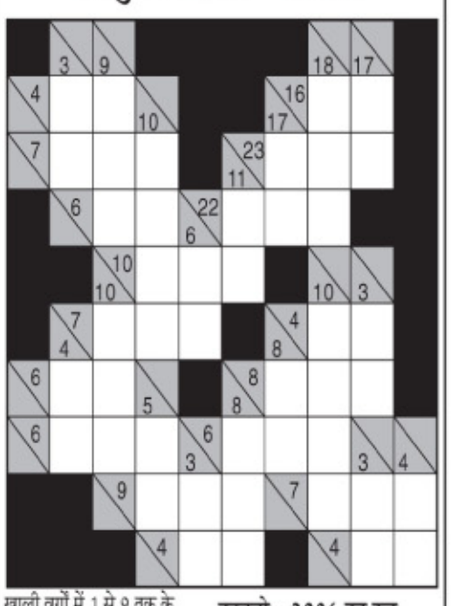

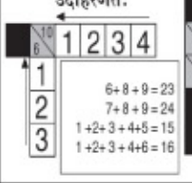

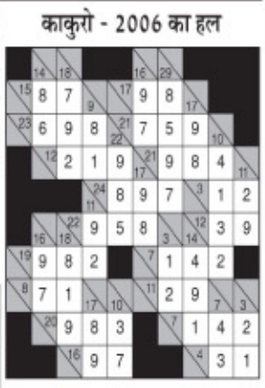

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2006 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक घर से पति-पत्नी के हँसने की कुछ ज्यादा ही आवाजें आती रहती थीं। मोहल्ले के कई लोग एकत्र होकर उनके यहाँ खुशहाली का राज जानने को पहुँचे।

मोहल्ले वालों की जिज्ञासा को शांत करते हुए पति बोला- बहुत सरल है, हमारे यहाँ मेरी बीबी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं...! अगर मुझे लग जाता है तो वो हँसती और नहीं लगता है तो मैं हँसता हूँ।

□ □ □

एक बार रीमा बन-ठनकर पिक्चर देखने जा रही थी। तभी एक सहेली मिल गई। रीमा का ठाठ-बाट देखकर बोली- 'अ...हा...आ हाथों में हीरों की चूड़ियाँ, कानों में हीरे के टॉप्स, गले में हीरों का हार, यह बनारसी साड़ी क्यों, क्या तुम्हारे पति ने नौकरी कर ली है?'

रीमा बोली- 'नहीं गीता, मैंने पति बदल लिया है।'

□ □ □

चमन (नरेश से)- सुना है तुमने एक उपन्यास लिखा है?

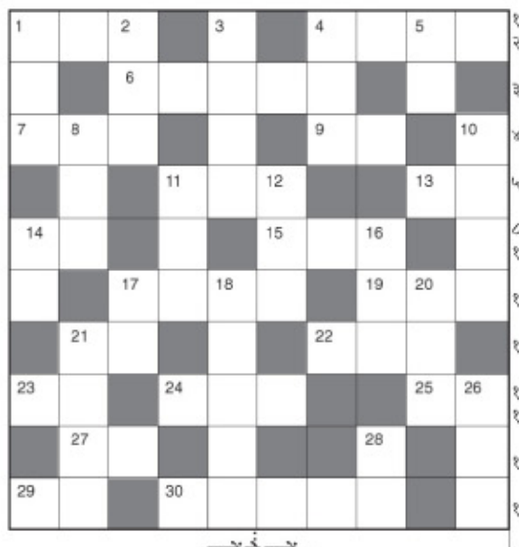

नरेश- हाँ! एक बहुत अच्छा उपन्यास लिखा तो है।

चमन- कुछ बिके भी है?

नरेश- हाँ, बिके है न..। इस उपन्यास को प्रकाशित करने में मेरी अँगूठी, स्कूटर, बीवी की चूड़ियाँ और मंगलसूत्र जैसी कई चीजें बिक गई है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2007

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रुत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. अमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2006

सूडोकु -2007

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2006 का हल

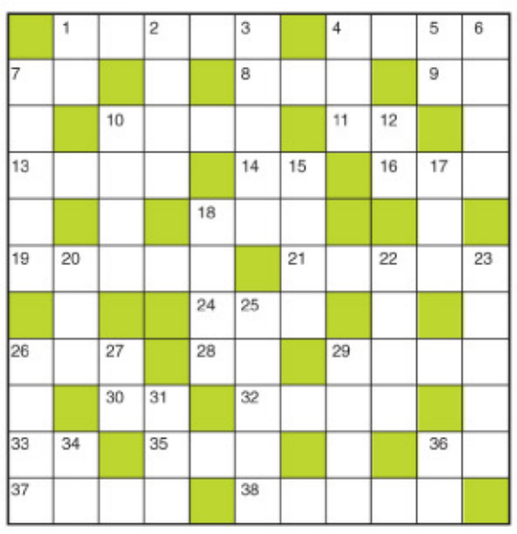

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 2007

बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -2006 का हल

आगरा में दो बाइकों की भिड़ंत में पांच की मौत

एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा के थाना कागारौल क्षेत्र में जगनेर मार्ग के गहरीकलां रोड पर देर रात बुलेट मोटर साइकिल और बाइक की आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल है। हादसा कल रात करीब साढ़े दस बजे हुआ। एक बाइक पर चार व दूसरी बुलेट बाइक पर दो युवक थे। बुलेट सवार दो युवकों में एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रुप से घायल है। दूसरी बाइक सवार चारों युवकों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव एसएन मेडिकल कॉलेज में भिजवाए। मृतकों में चार सैंया क्षेत्र के रहने वाले थे और एक किरावली का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार, सैंया में रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले चार लोग गढ़मुक्खा में शादी समारोह से लौट रहे थे। चारों आपस में चाचा-ताऊ के लड़के थे। बेहद गरीब परिवार के थे। पुलिस ने बताया कि सैंया के रहने वाले भगवान दास (35), वकील (30), रामस्वरूप (28) और सोनू (25) शनिवार की शाम को अपनी बाइक से रिश्तेदार की साली की शादी में भाग लेने के लिए गढ़मुक्खा गए थे। वहीं बुलेट पर गहरीकलां, कागारौल निवासी करन और कन्हैया कागारौल जा रहे थे।

मतदाता फोटो पहचान पत्र संख्या में दोहराव का मतलब डुप्लीकेट मतदाता नहीं, चुनाव आयोग ने दिया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कुछ सोशल मीडिया पोस्ट और मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लिया है, जिसमें दो अलग-अलग राज्यों के मतदाताओं के समान मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) संख्या होने के मुद्दे को उठाया गया है। आयोग ने इस संबंध में यह स्पष्ट किया है कि कुछ मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर समान हो सकते हैं, लेकिन समान ईपीआईसी नंबर वाले मतदाताओं के लिए जनसांख्यिकीय विवरण, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र सहित अन्य विवरण अलग-अलग हैं। ईपीआईसी नंबर के बावजूद कोई भी मतदाता अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में अपने निर्दिष्ट मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां वे मतदाता सूची में नामांकित हैं, कहीं और नहीं। आयोग का कहना है कि विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के कुछ मतदाताओं को समान ईपीआईसी संख्या/श्रृंखला का आवंटन सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के मतदाता सूची डेटाबेस को ईआरओएनईटी प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित करने से पहले एक विकेन्द्रीकृत और मैन्युअल तंत्र का पालन करने के कारण हुआ था। इसके परिणामस्वरूप कुछ राज्य/संघ शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालयों ने एक ही ईपीआईसी अल्फ़ान्यूमेरिक श्रृंखला का उपयोग किया और विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को डुप्लीकेट ईपीआईसी नंबर आवंटित किए जाने की संभावना को छोड़ दिया।

ताजमहल का भ्रमण के बाद बोले डॉ. ब्रायन ग्रीन ने कहा- यहां की ऊर्जा और जिज्ञासा सचमुच प्रेरणादायक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी, लेखक तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय में गणित और भौतिकी के प्रोफेसर डॉ. ब्रायन ग्रीन ने ताजमहल की अपनी यात्रा के बाद कहा कि भारत में मैंने विज्ञान और नवाचार के प्रति जो जुनून देखा है, वह अद्भुत है। यहां के छात्रों में ऊर्जा और जिज्ञासा वास्तव में प्रेरणादायक है। शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति भारत के विशिष्ट दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने वैश्विक प्रभाव डालने के लिए भारतीय छात्रों के उत्साह और महत्वाकांक्षा पर जोर दिया। संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री व अंतरिक्ष से भारत का अवलोकन करने वाले माइक मैसिमिनो ने कहा कि भारत ज़मीन अधिक सुंदर है। भारत के सौंदर्य के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए उन्होंने ताजमहल की असाधारण शिल्पकला की प्रशंसा की और इसे भारत की इंजीनियरिंग और डिजाइन की समृद्ध विरासत का प्रमाण बताया। डॉ. ब्रायन ग्रीन और माइक मैसिमिनो मौजूदा समय में भारत की यात्रा पर हैं और देश की समृद्ध वैज्ञानिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक विरासत का आनंद ले रहे हैं। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने प्रतिष्ठित ताजमहल का दौरा किया जहां उन्होंने विज्ञान, इंजीनियरिंग और शिल्प कौशल में भारत की प्रगति की प्रशंसा की।

कुमाऊँ सभा का होली मिलन समारोह 9 मार्च को चंडीगढ़ में

चंडीगढ़। चंडीगढ़ द्वारा होली मिलन समारोह आगामी 9 मार्च कलाग्राम, चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर कुमाऊं दर्पण स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा। मीडिया प्रभारी शशी प्रकाश पांण्डे ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम में कुमाऊँनी और उत्तराखंडी परिवारों के साथ मिलकर अबीर-गुलाल व फूलों की होली खेली जाएगी। समारोह की अध्यक्षता कुमाऊँ सभा के प्रधान मनोज रावत करेंगे, जबकि महासचिव दीपक सिंह परिहार और कोषाध्यक्ष नारायण सिंह रावत सभी अतिथियों का स्वागत करेंगे। कार्यक्रम में उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोकगायक बिशन सिंह हरियाला, प्रकाश रावत, आनंद कोरंगा, बिन्नी मेहरा, हीरा कोरंगा और यशोदा नैलवाल अपनी प्रस्तुतियां देंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छोलिया नृत्य, छोल-दमाऊ, कुमाऊँनी गीत, झोड़ा-चांचरी और होली गीतों की शानदार प्रस्तुति होगी।

चमोली हिमस्खलन : मृतकों की संख्या हुई सात, आखिर श्रमिक की तलाश में अभियान जारी

एजेंसी

चमोली। उत्तराखंड के माना क्षेत्र में चमोली में हुए हिमस्खलन में मरने वालों की संख्या सात हो गई है। बचाव अधिकारियों ने तीन और शव निकाले। इस बीच, आखिरी लापता श्रमिक की तलाश जारी है। हिमस्खलन में फंसे 55 लोगों में से 46 को बचा लिया गया है जबकि सात के शव बरामद हुए हैं। एक मजदूर खुद सुरक्षित अपने घर पहुंच गया था। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुबह आपदा परिचालन केंद्र का दौरा किया और चमोली में चल रहे बचाव कार्यों की निगरानी के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की। सुबह मौसम साफ होने के बाद बचाव कार्य फिर से शुरू हो गया, जिससे अभियान में शामिल टीमों को खोजबीन तेज करने में मदद मिली। अभियान में सहायता के लिए हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए हैं। माना गांव में हुए हिमस्खलन में 55 मजदूर फंस गए थे। सेना, आईटीबीपी, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य

आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के त्वरित और समन्वित प्रयासों से 46 मजदूरों को बचा लिया गया। हालांकि, सात मजदूरों की जान चली गई और एक अभी भी लापता है। बचाव अभियान में मदद के लिए ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर), थर्मल इमेजिंग कैमरे और पीड़ित-स्थान निर्धारण कैमरों सहित उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। सीएम धामी ने कहा, साफ मौसम हमारे पक्ष में है, लेकिन कल (सोमवार) के लिए हाई अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। ऊंचाई वाले इलाकों में काम करने वालों को बर्फबारी और हिमस्खलन की उच्च आशंका के कारण काम रोकने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि सरकार की प्राथमिकता लापता श्रमिकों का जल्द से जल्द पता लगाना है। सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन दल, बीआरओ और वायुसेना समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग भी अभियान में सक्रिय रूप से शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में संचार और बिजली बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई गांवों का संपर्क टूट गया है और खाद्य आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। पांच ब्लॉकों में बिजली बाधित हो गई थी, लेकिन आंशिक रूप से बहाल कर दी गई है। चूंकि प्रभावित स्थल माना के पास है, इसलिए सभी प्रकार के संचार टूट गए हैं और संपर्क बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

यह आंकड़े खबर लिखे जाने तक के हैं।

रेवंत एसएलबीसी सुरंग बचाव अभियान की समीक्षा करेंगे

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग हादसे की जगह पर जाएंगे और वहां फंसे आठ मजदूरों को बचाने के लिए जारी बचाव अभियान की समीक्षा करेंगे।

श्री रेड्डी नागरकुरनूल जिले के डोमलपेंटा में एसएलबीसी सुरंग स्थल पर भारतीय सेना, नौसेना और एनडीआरएफ सहित कई एजेंसियों के बचाव अभियान की अगुवाई कर रहे अधिकारियों के साथ आज शाम समीक्षा बैठक करेंगे।

इससे पहले पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने बताया था कि बचाव दल को सुरंग बोरिंग मशीन (टीबीएम) के हिस्सों के पास चार मानव अवशेष मिले हैं, जबकि चार अन्य अवशेष आसपास के इलाकों में पाये गये हैं। श्री कृष्ण राव ने संवाददाताओं से कहा कि राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) ने सुरंग में ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार के साथ बचाव दल की सहायता की, जिसके बाद स्लिट को हटाने के लिए पांच महत्वपूर्ण

स्थानों को चिह्नित किया गया। उन्होंने कहा,हमें उम्मीद है कि इन चिह्नित स्थलों पर स्लिट हटाने का काम शीघ्र ही पूरा हो जायेगा।

गौरतलब है कि गत 22 फरवरी को डोमलपेंटा के पास एसएलबीसी सुरंग की छत का एक हिस्सा ढह गया था। सुरंग में तैनात दो इंजीनियरों सहित 50 श्रमिकों में से 42 लोग अपनी जान बचाने में सफल रहे, जबकि आठ अन्य फंस गये।

सीएम स्टालिन बेवजह पैदा कर रहे विवाद, वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश: एच राजा

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के वरिष्ठ नेता एच राजा ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि वे गैर-जरूरी मुद्दों को उठाकर राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। तंजावुर जिले के थिरुवैयारु में अरुलमिगु अक्कासलाई विनयगर मंदिर में कुंभभिशेकम उत्सव में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राजा ने कहा कि सीएम एमके स्टालिन बेवजह विवाद पैदा कर लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। तमिलनाडु में लोकसभा सीटों के प्रस्तावित परिसीमन का जिक्र करते हुए राजा ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री कार्यालय, केंद्र सरकार या चुनाव आयोग से किसी ने इस मुद्दे पर कोई बयान दिया है? राजा ने तमिल फिल्म निर्देशक और राजनेता सीमन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की भी आलोचना की और कहा कि यह अनुचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके सरकार सीमन को चुप कराने की कोशिश में लगी है क्योंकि वह उनकी नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। भाजपा नेता

राजा ने स्कूली पाठ्यक्रम से नैतिक विज्ञान की कक्षाओं को हटाने के डीएमके सरकार के फैसले पर भी हमला किया और कहा कि यह एक ऐसा कदम है, जो समाज के नैतिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाएगा।राजा ने आरोप लगाया कि डीएमके सरकार राज्य में हिंसा और अनैतिकता की संस्कृति को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है और स्कूलों में यौन उत्पीड़न जैसे अपराधों को रोकने में असमर्थ है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह लोगों की वास्तविक समस्याओं को संबोधित करने के बजाय अपनी विचारधारा को बढ़ावा देने में अधिक रुचि रखती है।

आगामी तीन दिन के अंदर हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपनी फसल की खराबे की रिपोर्ट दर्ज कराएं : कृषि मंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि जो किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीकृत नहीं हैं वे अगले 72 घंटों (तीन दिन) के भीतर हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर ओलावृष्टि से हुए अपना नुकसान दर्ज कराएं, ताकि कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर फसल नुकसान का सही आकलन कर सकें।

राणा ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे चिंता न करें उनकी खराब फसल के नुकसान की भरपाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य में किसानों की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से फसल नुकसान की रिपोर्टिंग की व्यवस्था उपलब्ध है।

जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपना पंजीकरण करवा रखा है, वे अपने निकटतम कृषि अधिकारी से संपर्क कर अपनी फसल के खराबे की रिपोर्ट दर्ज करवाएं। वहीं, जिन किसानों की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीकृत नहीं करवाई

गई हैं वे आगामी तीन दिन के अंदर हरियाणा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपनी फसल की खराबे की रिपोर्ट दर्ज कराएं। इसके बाद दर्ज रिपोर्ट के अनुसार कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर फसल नुकसान का सही आकलन करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। ऐसे किसान जल्द से जल्द इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा लें। कृषि मंत्री ने बताया कि दोनों पोर्टल वर्तमान में खुले हुए हैं। ऐसे में सभी प्रभावित किसानों से आग्रह है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने फसल नुकसान की रिपोर्ट दर्ज करवाकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।धत करने के बजाय अपनी विचारधारा को बढ़ावा देने में अधिक रुचि रखती है।

मप्र में किसानों को पांच रुपये में मिलेगा बिजली का स्थायी कनेक्शन, मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य सरकार के हाल में लिए गए किसान हितैषी निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का किसानों ने सम्मान कर आभार जताया। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के हित में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को अब पांच रुपये में बिजली का स्थायी कनेक्शन मिलेगा। यह योजना मध्य क्षेत्र में सबसे पहले लागू की जाएगी। इसके बाद इसका पश्चिम क्षेत्र में विस्तार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार इस बजट में किसानों को सोलर पंप के माध्यम से बिजली के झंझट से मुक्त करने की योजना बना रही है। अगले तीन साल में 30 लाख सोलर पंप दिए जाएंगे। इससे दिन में भी बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि सोलर एनर्जी उत्पादन करने वाले

किसानों से सरकार बिजली भी खरीदेगी। बता दें कि अभी किसानों को खेतों में स्थायी बिजली कनेक्शन लेने के लिए हर साल 7.500 रुपये चुकाने पड़ते हैं।

मुख्यमंत्री ने आभार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की साख बढ़ाने के लिए किसानों का जीवन सुखी और समृद्ध बनाना जरूरी है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल के बारे में कहा कि पहले लोग तार पकड़ लेते थे, लेकिन करंट नहीं आता था। पहले गांवों में न बिजली थी, न सड़कें। नगरों में पेयजल, खेतों को पानी और उद्योगों को पानी दिया जा सकता था, लेकिन जब हम उज्जैन में सिंहस्थ के लिए नर्मदा का पानी मांगते थे, तो दिग्विजय सिंह ने विधानसभा में कहा था कि यह असंभव है। शिप्रा ऊंचाई पर है और नर्मदा नीचे, इसलिए यह आ ही नहीं सकती। लेकिन आज नर्मदा-शिप्रा लिंक बन चुका है। केन-बेतवा नदी जोड़कर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड को बहुत पहले ही पानी मिल सकता था, लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने इसे असंभव बताया। फिर वे कोर्ट चले गए और अड़चनें डालीं। लेकिन हमने इस असंभव काम को करके दिखाया। उन्होंने कहा कि चंबल-मालवा के 13 जिले पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से बदलने वाले हैं।

मेहसाणा में केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने की भगवान गोवर्द्धननाथ की पूजा

एजेंसी

मेहसाणा। केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मेहसाणा जिले की विजापुर तहसील के पिलवाई में भगवान गोवर्द्धननाथ के मंदिर में दर्शन-पूजन किया। केन्द्रीय मंत्री ने भगवान गोवर्द्धननाथ से आम जन की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर शाह के पुत्र और आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह समेत परिवार के सदस्य मौजूद रहे। भगवान गोवर्द्धननाथ के नवनिर्मित मंदिर की स्थापना प्रसंग पर वैष्णव सम्प्रदाय के डॉ वागिशकुमार महाराज कांकरोली नरेश भी मौजूद रहे। केन्द्रीय मंत्री शाह के साथ राज्य सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, राज्य सभा सदस्य मयंक नायक, लोकसभा सदस्य हरिभाई पटेल, गिरीश राजगोर समेत वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अपनी संभावनाओं से दुनिया को आकर्षित कर रहा है भारत : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत अब वादे करने वाला देश नहीं रह गया है। भारत को अब सपेरों का देश नहीं माना जाता। भारत पूरी दुनिया को अपनी संभावनाओं से आकर्षित कर रहा है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ केरल राज्य के तिरुवनंतपुरम में 'लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, विकास और भारत का भविष्य' विषय पर चौथे पी. परमेश्वरन स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पी. परमेश्वरन की भारतीय मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता, भारतीय लोकाचार की उनकी गहरी समझ और राष्ट्रीय एकता के लिए उनका अथक प्रयास पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। सांस्कृतिक रूप से निहित और आध्यात्मिक रूप से जागृत एक आत्मनिर्भर भारत के लिए उनका दृष्टिकोण पूरे देश में गहराई से गूंजता है। हाल के दशक में भारत के विकास को लेकर धनखड़ ने कहा कि जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शी जवाबदेह शासन ने पारिस्थितिकी तंत्र को उछाल दिया है। 1.4 बिलियन का राष्ट्र ग्रामीण क्षेत्र में आए परिवर्तनकारी बदलाव को देखें। हर घर में शौचालय है, बिजली कनेक्शन है, पानी का कनेक्शन आने वाला है, गैस कनेक्शन है, कनेक्टिविटी, इंटरनेट और सड़क, रेल और स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सहायता करने वाली नीतियां। ये हमारी विकास पथ को परिभाषित करती हैं।

उन्होंने कहा कि यह आर्थिक पुनर्जागरण, जो कुछ साल पहले कल्पना से परे था, चिंतन से परे था, सपनों से परे था, उसने हमारे सनातन का सार, समावेशिता, गैर-

भेदभावपूर्ण, समान, समान विकास के परिणाम और सभी के लिए फल उत्पन्न किए हैं। किसी भी योग्यता, जाति, धर्म, जाति, रंग के बावजूद प्रयास किया गया है कि लाभ अंतिम पंक्ति में रहने वाले लोगों तक पहुंचना चाहिए और यह बड़ी सफलता के साथ किया जा रहा है।

धनखड़ ने कहा कि भारत के सबसे महान सपूतों में से एक (पी. परमेश्वरन) की स्मृति में यह स्मारक व्याख्यान है। वे इस सदी में हिंदू विचार प्रक्रिया के अग्रणी विचारकों में से एक हैं। हम इस व्याख्यान के माध्यम से सामाजिक कार्यों के लिए प्रतिबद्ध सबसे बेहतरीन बुद्धिजीवियों में से एक का जश्न मना रहे हैं। एक सभ्यता को केवल एक बुनियादी विचार से जाना जाता है। क्या यह वास्तव में अपने महान सपूतों का सम्मान करती है? और पिछले कुछ वर्षों में यही विषय रहा है। हमारे भूले हुए नायक, गुमनाम नायक, अच्छी तरह से नहीं तो अनदेखे नायक, हमने उन्हें याद किया है। अकार्बनिक जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए धनखड़ ने कहा कि जनसांख्यिकी मायने रखती है। जनसांख्यिकी को बहुसंख्यकवाद के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। हम इन दो खेमों में विभाजित समाज नहीं बना सकते लेकिन जब जनसांख्यिकी की बात आती है।

अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन : उत्तर प्रदेश के अक्षय कुमार प्रथम और यूथोपिया के थ्रोमस आरटसा दूसरे स्थान पर रहे

एजेंसी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला नारायणपुर के अबूझाड़ में आयोजित पीस हाफ मैराथन के चौथे संस्करण का शुभारंभ नारायणपुर के हाईस्कूल मैदान से सुबह 5:30 बजे हुआ। मैराथन का शुभारंभ वनमंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप और विधायक अनुज शर्मा एवं नारायणपुर कलेक्टर, एसपी व बस्तर आईजी सुंदरराज पी.की उपस्थिति में मैराथन धावकों को झंडा लहराकर किया गया। उत्तर प्रदेश के अक्षय कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया और यूथोपिया के थ्रोमस आरटसा दूसरे स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में यूथोपिया की ही वटोटा ने पहला स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में देश-विदेश के लगभग 10 हजार धावकों ने हिस्सा लिया। 21 किलोमीटर की दौड़ अबूझमाड़ के बासिंग में समाप्त हुई। अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन के 21 किलोमीटर की

दौड़ में उत्तर प्रदेश के अक्षय कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। अक्षय कुमार ने शुरू से अंत तक अपनी लय बनाए रखी। वहीं विदेशी एथिलीट यूथोपिया के थ्रोमस आरटसा दूसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में यूथोपिया की वटोटा ने पहला स्थान प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश की रेणुका ने दूसरा स्थान हासिल किया। हजारों दर्शकों ने फिनिश लाइन पर धावकों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन सिर्फ एक खेल का आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति और शांति का संदेश देने का भी माध्यम है। इस प्रतिष्ठित मैराथन में राज्य, देश और विदेश के लगभग दस हजार धावकों ने हिस्सा लिया और बस्तर संभाग में अमन, चैन और खुशहाली का स्पष्ट संदेश दिया है। हमारी सरकार के प्रयासों से बस्तर में शांति और विकास की नई राह खुली है। इससे पहले बस्तर ओलंपिक में संभाग के 1 लाख 65 हजार प्रतिभागियों की भागीदारी रही। यह बस्तर क्षेत्र में शांति व्यवस्था और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में सहायक होगी।

पंचायती राज मंत्रालय 4 मार्च को राष्ट्रीय कार्यशाला में शुरू करेगा 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान'

एजेंसी

नई दिल्ली। पंचायती राज मंत्रालय की ओर से पंचायतीराज संस्थाओं की महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 4 मार्च 2025 को होने वाली सशक्त पंचायत - नेत्री अभियान आरंभ होगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय पंचायती राज राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल और केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे उपस्थित रहेंगी। इसके अलावा पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज, पंचायती राज मंत्रालय के अपर सचिव सुशील कुमार लोहानी के साथ विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, एसआईआरडी एंड पीआर और यूएनएफपीए, टीआरआईएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। मंत्रालय के अनुसार इस राष्ट्रीय कार्यशाला में स्थानीय शासन में महिलाओं की भागीदारी से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर पैनल चर्चाएं होंगी। इसमें पीआरआई में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व स्थानीय स्वशासन में भूमिका में बदलाव भी शामिल है। इन चर्चाओं की अध्यक्षता करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों में देबाश्री मुखर्जी, सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, और अलका उपाध्याय, सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग शामिल हैं, जो इन महत्वपूर्ण चर्चाओं में अपनी विशेषज्ञता से लाभान्वित करेंगी। यूएनएफपीए द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में महिलाओं की उपलब्धियों के बारे में बताया जाएगा।

सामरिक रूप से सशक्त आज के भारत को दबाना या झुकाना संभव नहीं : संजय सेठ

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा है कि भारत आज सामरीक रूप से इस हद तक सशक्त हो चुका है कि इसे दबाना, झुकाना या आंख दिखाने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता। कुछ सालों पहले तक हमारी सेना के पास पर्याप्त हथियार ओर अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं हुआ करते थे, लेकिन पिछले करीब एक दशक में हालात तेजी से बदले हैं। आज न सिर्फ हमारी सेना पूरी तरह आत्मनिर्भर है, बल्कि हम दुनिया के करीब सौ देशों को हथियार मुहैया कराने में सक्षम हैं।यह बात उन्होंने कोलकाता के रथीन्द्र मंच में श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के तत्वावधान में आयोजित विवेकानंद सेवा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक ऐसा महा आयोजन था, जिसने सनातन संस्कृति की विशिष्टताओं को दुनिया भर के समक्ष महमामंडित किया। महाकुंभ में किसी प्रकार का भेदभाव नजर नहीं आया। समाज के हर तबके के लोगों ने एक साथ संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने देशवासियों से विकसित भारत निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि 2047 में विकसित और दुनिया के सिरमौर के रूप में ही भारत अपनी आजादी के सौ वर्ष पूर्ण करेगा।

समारोह में भारत सेवाश्रम संघ, बेलडांगा के संत स्वामी प्रदीप्तानंद उपाख्य कार्तिक महाराज को विवेकानंद सेवा सम्मान से नवाजा गया। सम्मान के तौर पर उन्हें एक लाख रूपये के चेक व मानपत्र प्रदान किया गया। सम्मान पाकर अपने उदगार व्यक्त करते हुए कार्तिक महाराज ने कहा कि इस सम्मान ने मुझे अपने कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति और अधिक सचेत कर दिया है। ऐसे सम्मान समाज के प्रति और अधिक दायित्ववान होने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने धर्मांतरण को गंभीर समस्या बताते इसके निदान का उपाय करने एवं पिछड़ों और आदिवासियों के उत्थान के सतत प्रयत्नशील रहने का संकल्प व्यक्त किया। मुख्य वक्ता जाने-माने पत्रकार बलवीर पुंज ने कहा कि भारत में सिर्फ हिंदू ही हैं। एक वर्तमान और दूसरी पूर्व हिन्दू। अगर हममें से एक पूर्व हिन्दू बन जाता है तो न सिर्फ हमारी एक संख्या कम हो जाती है, बल्कि हमारा एक शत्रु भी बढ़ जाता है। हिंदू संस्कृति इतिहास से भी प्राचीन है, इसलिये चिरस्थायी है। समारोह में सुप्रसिद्ध आयकर सलाहकार सज्जन तुलस्यान, उद्योगपति सज्जन भजनका, समाजसेवी लक्ष्मी नारायण भाला, कुमारसभा के अध्यक्ष महावीर प्रसाद बजाज, अरुण प्रकाश मल्लावत व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह का संचालन डा. तारा दुगड़ ने किया।

नारायण और राम में कोई अंतर नहीं

नारायण और राम दोनों वास्तव में एक ही हैं, मात्र नामों का अंतर है। नारायण संस्कृत का शब्द है। राम का अर्थ क्या है? एक अर्थ है रमंते योगिनः यस्मिन रामः। अर्थात् राम ही मात्र एक ऐसे विषय है जो योगियों के आध्यात्मिक मानसिक आभोग हैं, मानसाध्यात्मिक भोजन है, मानसाध्यात्मिक आनंद और प्रसन्नता के स्रोत हैं।

एक कहानी है कि किसी ने हनुमान से कहा, हनुमान, तुम एक भक्त हो और जानते हो कि मूलतः नारायण और राम में कोई अंतर नहीं है। तब तुम सर्वदा राम का ही नाम लेते हो, कभी नारायण का नाम नहीं लेते हो जबकि दोनों मूलतः एक ही हैं।

राम का दूसरा अर्थ है, रति महीधरः रामः। रति का प्रथम अक्षर र है और महीधर का प्रथम अथर म, राम। रति महीधरः, संपूर्ण विश्व की सर्वश्रेष्ठ ज्योतित सत्ता है, जिनसे सभी ज्योतित (प्रकाशित) सत्ताएं ज्योति प्राप्त करती हैं। चन्द्रमा पृथ्वी से ज्योति प्राप्त करती है, पृथ्वी सूर्य से ज्योति प्राप्त करती है और सूर्य परम पुरुष से ज्योति प्राप्त करते हैं। वे ही वह सर्वोच्च सत्ता है जो दूसरों को प्रकाशित करते हैं। वह सर्वोच्च प्रकाशमान सत्ता कौन हैं? परम पुरुष ही सर्वोच्च ज्योतित सत्ता हैं। राति महीधरः का तात्पर्य है, मात्र परम पुरुष, कोई अलग सत्ता नहीं, कोई अन्य सत्ता नहीं। राम का तीसरा अर्थ है, रावणस्य मरणं रामः। रावण शब्द का प्रथम अक्षर है रा और मरणं का प्रथम अक्षर है म। राम-राम अर्थात वह सत्ता जिसके चाप से रावण मर जाता है। अस्तु, रावणस्य मरणं, रावण की मृत्यु कहां होती है, कब होती है? जब कोई राम की शरण में जाता है तो रावण मर जाता है। अतः रावणस्य मरणं राम, जो परम पुरुष, राम, चिति सत्ता की शरण में चला जाता है, वह रावण रूपी राक्षस का नाश कर सकता है। रावणस्य मरणं का तात्पर्य सर्वोच्च चितिसत्ता। अतः राम और नारायण में कोई अंतर नहीं है। तुम्हें अधिकाधिक सचाई के साथ अपनी सम्पूर्ण मानसिक वृत्तियों को समाहृत करते हुए बिंदुभूत रूप में अपने लक्ष्य परम पुरुष की ओर चलना चाहिए। अपितु, सभी मानसिक वृत्तियों को सूई की नोक (सूच्यग्र) के समान एकाग्र करते हुए अपने मैं भाव को मात्र उस एक तत्व की ओर, बिना किसी अन्य रूप, नाम, वर्ण अथवा विषय पर ध्यान दिए तुम्हें परिचालित करना चाहिए। इसीलिए हनुमान कहते हैं, श्रीनाथे जानकी नाथे। श्री शब्द का योगारूढ़ार्थ है, वह सत्ता जो रजोगुणी शक्ति की अधिष्ठान है, जो शक्ति से पूर्ण है। श्रीनाथ, श्री के मालिक नारायण हैं और जानकी अर्थात् सीता के मालिक (पति) हैं राम। सीता में सी का अर्थ है खेतों को जोतना (कल्चर), और उसका विशेषण वाची शब्द है सीता अर्थात् पूर्ण संस्कारित। यह संस्कार आता कहां से है? कौन इस संस्कार (संस्कृति) का मालिक है? इस संस्कार (संस्कृति) का कौन प्रेरणास्रोत अथवा सहायक है? परम पुरुष, श्रीनाथ अथवा जानकीनाथ का तात्पर्य है, उन्हीं परम पुरुष से। इसीलिए श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। हनुमान कहते हैं, मैं इसे जानता हूं कि आध्यात्मिकता, अध्यात्मवाद और आध्यात्मिक साधना विज्ञान की भी दृष्टि से श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। तथापि मम सर्वस्वः रामः कमललोचनः।

अस्तु, मन की सम्पूर्ण वृत्तियों को एक ही तत्व की ओर परिचालित करो, एक नाम का उपयोग करो, मात्र अपने इष्ट मंत्र का उपयोग करो और किसी अन्य मंत्र का उपयोग मत करो। हनुमान इसीलिए कहते हैं, मैं मात्र राम का नाम जपता हूं। कभी भी नारायण का नाम नहीं जपता। मैं नहीं जानता कि और नारायण हैं कौन? प्रत्येक साधक को जानना चाहिए कि संपूर्ण विश्व में मात्र एक ही मंत्र है और वह है उसका इष्ट मंत्र। वह कोई और मंत्र जानता ही नहीं है।

जब दैत्यों ने किया समुद्र मंथन के लिए मजबूर

एक दिन ऐरावत पर भ्रमण करते हुए देवराज इन्द्र से मार्ग में महर्षि दुर्वासा मिले। उन्होंने इन्द्र पर प्रसन्न होकर उन्हें अपने गले की पुष्प माला प्रसाद रूप में प्रदान की। इन्द्र ने उस माला को ऐरावत के मस्तक पर डाल दिया और ऐरावत ने उसे अपनी सूंड से नीचे डालकर पैरों से रौंद दिया। अपने प्रसाद का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा ने इन्द्र को श्रीभ्रष्ट होने का शाप दे दिया। महर्षि के शाप से श्रीहीन इन्द्र दैत्यराज बलि से युद्ध में परास्त हो गये। दैत्यराज बलि का तीनों लोकों पर अधिकार हो गया। हारकर देवता ब्रह्मा जी को साथ लेकर भगवान विष्णु की शरण में गये और इस घोर विपत्ति से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने कहा कि आप लोग दैत्यों से संधि कर लें और उनके सहयोग से मंदराचल को मथानी तथा वासुकी नाग को रस्सी बनाकर क्षीरसागर का मंथन करें। समुद्र से अमृत निकलेगा, जिसे पिलाकर मैं देवताओं को अमर बना दूंगा, तभी देवता दैत्यों को पराजित करके पुनः स्वर्ग को प्राप्त कर सकेंगे।

इन्द्र दैत्यराज बलि के पास गये और अमृत लोभ से देवताओं और दैत्यों में संधि हो गयी। देवताओं और दैत्यों ने मिलकर मंदराचल को उठाकर समुद्र तट की ओर ले जाने का प्रयास किया, किंतु असमर्थ रहे। अंत में स्मरण करने पर भक्त भयहारी भगवान पधारे। उन्होंने खेल खेल में ही भारी मंदराचल को उठाकर गरुण पर रख लिया और क्षणमात्र में क्षीरसागर के तट पर पहुंचा दिया। मंदराचल की मथानी और वासुकी नाग की रस्सी बनाकर समुद्र मंथन प्रारम्भ हुआ। भगवान ने मथानी को धंसते हुए देखकर स्वयं कच्छप रूप में मंदराचल को आधार प्रदान किया। मंथन से सबसे पहले विष प्रकट हुआ, जिसकी भयंकर ज्वाला से समस्त प्राणियों के प्राण संकट में पड़ गये। लोक कल्याण के लिए भगवान शंकर ने विष का पान किया। इसके बाद समुद्र से लक्ष्मी, कौस्तुभ, पारिजात, सुरा, धन्वन्तरि, चंद्रमा, पुष्पक, ऐरावत, पांचजन्य, शंख, रम्भा, कामधेनु, उच्चैः श्रवा और और अमृत कुंभ निकले। अमृत कुंभ निकलते ही धन्वन्तरि के हाथ से अमृतपूर्ण कलश छीनकर दैत्य लेकर भागे, क्योंकि उनमें से प्रत्येक सबसे पहले अमृतपान करना चाहता था।कलश के लिए छीना झपटी चल रही थी और देवता निराश खड़े थे। अचानक वहां एक अद्वितीय सौन्दर्य से भरपूर नारी प्रकट हुई। असुरों ने उसके सौंदर्य से प्रभावित होकर उससे मध्यस्थ बनकर अमृत बांटने की प्रार्थना की। वास्तव में भगवान ने ही दैत्यों को मोहित करने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। मोहिनी रूप धारी भगवान ने कहा कि मैं जैसे भी विभाजन का कार्य करूं, चाहे वह उचित हो या अनुचित, तुम लोग बीच में बाधा उत्पन्न न करने का वचन दो तभी मैं इस काम को करूंगी। सभी ने इस शर्त को स्वीकार किया। देवता और दैत्य अलग अलग पंक्तियों में बैठ गये। जिस समय भगवान मोहिनी रूप में देवताओं को अमृत पिला रहे थे, राहु धैर्य न रख सका।

वह देवताओं का रूप धारण करके सूर्य-चंद्रमा के बीच बैठ गया। जैसे ही उसे अमृत का घूंट मिला, सूर्य-चंद्रमा ने संकेत कर दिया। भगवान मोहिनी रूप का त्याग करके शंख चक्रधारी विष्णु हो गये और उन्होंने चक्र से राहु का मस्तक काट डाला। असुरों ने भी अपना शस्त्र उठाया और देवासुर संग्राम प्रारम्भ हो गया। अमृत के प्रभाव से तथा भगवान की कृपा से देवताओं की विजय हुई और उन्हें अपना स्वर्ग वापस मिल गया।

युगों-युगों के लिए आदर्श भाई बन गए भरत

श्रीराम वनवास के बाद महाराज दशरथ ने उनके वियोग में अपना प्राण त्याग दिया। फिर गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश से उनके शरीर को सुरक्षित रख दिया गया और ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न को बुलाने के लिए शीघ्रगामी दूत भेजे गये। भरतजी के ननिहाल से लौटने के बाद कैकेयी ने उन्हें प्रेमपूर्वक गले से लगाया और उनसे अपने पिता, भाई और माता की कुशल क्षेम पूछी। महाराज दशरथ को कैकेयी के महल में न देखकर भरत ने पूछा, मां तुम यहां अकेली बैठी हो, तुम्हारे बिना तो पिताजी एकांत में कभी नहीं रहते थे। भईया श्रीराम भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। कारण क्या है उन्हें नहीं देखकर मुझे दुख हो रहा है।

कैकेयी ने कहा कि पुत्र तुम्हारे लिये भय और दुख की कोई बात नहीं है। मैंने महाराज से पूर्व वर के अनुसार तुम्हारे लिये राज्य तथा श्रीराम के लिये चौदह वर्षों का वनवास मांग लिया। श्रीराम के वनवास से दुखी होकर तुम्हारे पिता मृत्यु को प्राप्त हुए। कैकेयी के इस कुकृत्य को सुनकर भरत शोक समुद्र में डूब गये। उन्होंने कैकेयी से कहा, %अरी पापिनी, तू बात करने योग्य नहीं है। तू अपने पति की हत्या करने वाली हत्यारिणी है और तेरे गर्भ से जन्म लेने के कारण उस महापाप का मैं भी भागीदार हूं। मैं तेरा मुंह भी नहीं देखना चाहता। अतः तू मेरे सामने से तत्काल हट जा। कैकेयी के कुकृत्य की निंदा करने के बाद भरत माता कौशल्या के पास गये और उन्हें विभिन्न प्रकार से सांत्वना दी। उसके बाद उन्होंने गुरुदेव वसिष्ठ की आज्ञानुसार महाराज दशरथ का विधिवत अंतिम संस्कार किया तथा पिता के उद्देश्य से ब्राम्हणों को अनेक प्रकार का दान

दिया। गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश और माता कौसल्या के अनुरोध के बाद भी भरत ने राज्य लेना अस्वीकार कर दिया तथा सबको साथ लेकर श्रीराम को मनाने के लिए पैदल ही चित्रकूट चल दिये। मार्ग में निषादराज गुह और श्रीभरद्वाज जी से मिलते हुए भरतजी चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने दूर्वादल के समान श्याम शरीर और विशाल हृदय वाले श्रीराम को बैठे हुए देखा। वे श्रीजानकीजी को निहार रहे थे और श्रीलक्ष्मणजी उनके चरण कमलों में सेवा कर रहे थे। भरत पाहि नाथ कहते हुए दण्ड की भांति जमीन पर गिर पड़े और उन्होंने श्रीराम के युगल चरणों को पकड़ लिया। श्रीराम ने प्रेम से अधीर होकर उन्हें गले से लगाया। भरतजी ने श्रीराम से कहा, हे महाभाग! यह समस्त पैतृक राज्य आप ही का है। आप हमारे बड़े भाई हैं, आप हमारे पितातुल्य हैं। आप इस राज को स्वीकार करें और मेरी माता के अपराध को भुलाकर हमारी रक्षा करें।

श्रीराम ने कहा, भाई पिताजी ने मुझे चौदह वर्ष का वनवास और तुम्हें अयोध्या का राज्य दिया है। पिता के आदेश का पालन करना हम दोनों का परम धर्म है। जो मनुष्य पिता के आदेश का उल्लंघन करता है वह जीता हुआ भी मृतक के समान है। अतः तुम अयोध्या का पालन करो और मैं दण्डकारण्य में निवास करूंगा तथा वनवास से लौटने के बाद जैसा तुम चाहोगे वैसा करूंगा। इस तरह विभिन्न प्रकार से समझाकर श्रीराम ने अपनी चरण पादुकाएं श्री भरत जी को सौंप दीं। भरतजी अयोध्या लौट आये और उन पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर नंदीग्राम में तपस्वी जीवन व्यतीत करते हुए अयोध्या पर शासन करने लगे।

उंगलियां बताएंगी आपकी आर्थिक स्थिति

धन-संपत्ति का होना या आपकी जिंदगी में इसका आना काफी हद तक आपके टैलंट के साथ-साथ आपके हाथों की रेखा पर भी निर्भर करता है। आइए जानें कि उंगलियों को देख आप कैसे पता लगाएंगे कि

आपकी जिंदगी में कब धनागमन होगा या फिर इन चीजों से आपका जीवन सूना रहेगा।

1. यदि आपकी कनिष्ठा उंगली और अनामिका उंगली को आपस में सटाने के बाद बीच में गैप नज़र आ रहा हो तो समझ लीजिए कि बुढ़ापे में पैसों की तंगी से आप परेशान हो सकते हैं।
2. यही गैप यदि मध्यमा और अनामिका उंगली के बीच नज़र आ रही हो तो साफ है कि युवा अवस्था में आप पैसों के संकट से जूझ सकते हैं।
3. यदि मध्यमा और तर्जनी के बीच यह गैप हो तो बचपन में जातक को आर्थिक समस्या से सामना करना पड़ सकता है।
4. यदि यह गैप किसी भी उंगली के बीच न हो तो इसका अर्थ है कि व्यक्ति जन्म भर धन-संपति से परिपूर्ण रहता है।
5. यदि उंगलियों के सभी पर्व लंबे हों तो व्यक्ति धनवान होता है।
6. यदि मध्यमा उंगली के तीसरे पर्व के करीब अनामिका आकर मिल गई हो तो ऐसे लोग कलाकार, बुद्धिमान, विद्वान और विचारशील होते हैं और इस क्षेत्र में धन

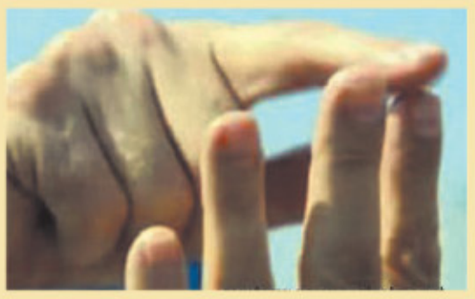

कमाते हैं।

7. यदि अनामिका उंगली सीधी और लंबी है तो समझ लें कि जातक धन कमाने के मामले में काफी कुशल होता है।
8. यदि अनामिका उंगली तर्जनी के समान लंबी हो और उसका पहला पर्व चपटा हो तो व्यक्ति को खूब धन व सम्मान मिलता है।
9. यदि व्यक्ति की उंगलियों में अनामिका का तीसरा पर्व ज्यादा लंबा हो और गांठें उन्नत हों तो बिना वह किसी परेशानी के धन कमाने में लीन रहता है।
10. यदि जीवन रेखा से कई छोटी रेखाएं नज़र आएं और यह ऊपर की ओर जाती दिखे तो समझ लीजिए कि उस खास उम्र में व्यक्ति धन-संपत्ति और सम्मान पाता है।
11. यदि मस्तिष्क रेखा से कोई रेखा गुरु पर्वत की ओर जाए और उसके अंत पर क्रॉस जैसे निशान हो या फिर कोई टेढ़ी-मेढ़ी रेखा हो तो ऐसे लोगों को चाहकर भी धन पाने में सफलता नहीं मिल पाती।
12. अंगूठे के दोनों पर्व यदि कठोर और बराबर हैं तो यह धन और बिजनेस को खूब बढ़ाता है।

अंगूठा बताता है आपका व्यक्तित्व

कहते हैं अंगूठा मस्तिष्क का अहम बिंदु होता है। पुराने जमाने में किसी का अंगूठा देखकर उसकी बीमारी और उपचार के बारे में बताया जाता था। आइए, जानें कि अंगूठे का शेप क्या-क्या कहता है आपके बारे में...

- अंगूठा यदि मोटा हो तो कहते हैं ऐसे लोग बड़े ही जिद्दी स्वभाव के और भद्दे आचरण वाले होते हैं।
- अंगूठा यदि छोटा हो तो ऐसे लोग फिकल माइंड के होते हैं। पल में ये पल में वो- यह सोचने में उन्हें ज्यादा देर नहीं लगती। अंगूठा छोटा और पतला हो तो व्यक्ति की मानसिक स्थिति कमजोर और उनमें लीडिंग पावर की कमी दिखती है।
- लंबे अंगूठे वालों का व्यक्तित्व शानदार होता है। वे काफी जल्दी खुद पर कंट्रोल करना जानते हैं।
- कहते हैं कि अंगूठे के आगे का हिस्सा यदि शेप में पतला हो तो व्यक्ति बेहद होशियार, बुद्धिमान और हर बात को अलग और बेहतर तरीके से सोचने वाला और संवेदनशील होता है।
- कुछ लोगों का अंगूठा ऊपर से बिल्कुल चौड़ा सा नजर आता है। जिनका अंगूठा ऐसा हो, वह व्यक्ति प्रैक्टिकल होता है। कही अनकही बातों पर ध्यान न देते हुए वह वही करता है जो प्रैक्टिकली सही हो। हालाकि ऐसे लोग बड़ी जल्दी उत्तेजित भी हो जाते हैं।
- हममें से ज्यादातर लोगों का अंगूठा नीचे से मोटा और ऊपर थोड़ा पतला और मुड़ा होता है। लेकिन, यदि किसी का अंगूठा शेप में बिल्कुल सीधा हो तो समझ लें कि मूड खराब होने पर उन्हें समझाना किसी के बस की बात नहीं। स्वभाव से बड़े ही जिद्दी किस्म के होते हैं। लोग उनसे दूर रहना ही पसंद करते हैं।
- कुछ लोगों का अंगूठा बेहद लचीला होता है और ऐसे लोगों का स्वभाव भी काफी सॉफ्ट होता है। दोस्ती तो इनकी सबसे हो जाती है, लेकिन ऐसे लोगों पर भरोसा कोई जल्दी नहीं करता।

विराट कोहली ने एक और उपलब्धि अपने नाम की, 300 वनडे मैच खेलने वाले सातवें भारतीय खिलाड़ी बने

एजेंसी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में उतरते ही वनडे में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। कोहली का यह वनडे करियर का 300वां मुकाबला है। इस तरह वह भारत के लिए 300 वनडे मुकाबले खेलने वाले सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम अपना आखिरी ग्रुप मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेल रही है। मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया है। भारतीय टीम बल्लेबाजी कर रही है। यह मैच पूर्व कप्तान एवं स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के लिए काफी खास है। यह मैच कोहली के करियर का 300वां वनडे मुकाबला है। वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, महेंद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गजों के क्लब में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने करियर में इतने या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। सातवें भारतीय खिलाड़ी बने कोहली-विराट कोहली 300 वनडे मुकाबले खेलने वाले सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले भारत के छह खिलाड़ियों ने 300 या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। इनमें शीर्ष पर पूर्व भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं।

वह विकेट दिलाने वाला गेंदबाज है, यह सही समय है कि उसे मौके दिए जाएं : रवि शास्त्री

दुबई।पूर्व खिलाड़ियों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करने वाले वरूण चक्रवर्ती की तारीफ की है और रवि शास्त्री ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में उसे खिलाना चाहिए। चक्रवर्ती ने न्यूजीलैंड पर आखिरी ग्रुप मैच में 44 रन से मिली जीत में 42 रन देकर 5 विकेट लिए।भारत के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री ने कहा, 'मैं उससे काफी प्रभावित हूं। टीम प्रबंधन को पूरे अंक जाते हैं जिसने उसे उतारने का फैसला लिया। बीच के ओवरों में वह विकेट दिलाने वाला गेंदबाज है। यह सही समय है कि उसे मौके दिए जाएं। उसे टीम में शामिल किया तो उसने 5 विकेट ले लिए। उसके मौजूदा फॉर्म और हाव भाव को देखें, उसके आत्मविश्वास और कौशल को देखें। टूर्नामेंट में अब न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका बचे हैं और उन्होंने उसके खिलाफ ज्यादा खेला नहीं है। शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि इसी एकादश को उतारना चाहिए क्योंकि 48 घंटे के भीतर ही खेलना है। स्पिनरों की भूमिका अहम रहने वाली है। भारत के पूर्व कोच और महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने वरूण की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले एक डेढ साल में उसका प्रदर्शन शानदार रहा है और वह लगातार मैच जिताता आया है। चाहे तमिलनाडु हो, केकेआर या भारतीय टी20 टीम।

चैम्पियंस ट्रॉफी: आस्ट्रेलियाई टीम में चोटिल शॉर्ट की जगह इस युवा ऑलराउंडर को किया शामिल

दुबई। युवा स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला कूपर कोनोली को चैम्पियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले के लिये चोटिल मैथ्यू शॉर्ट की जगह आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान पिंडली में चोट लगी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 21 वर्ष के कोनोली को टूर्नामेंट में यात्रा रिजर्व में रखा गया था। आईसीसी टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने इस बदलाव को सोमवार को मंजूरी दे दी। कोनोली ने अभी तक ऑस्ट्रेलिया के लिए छह अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें तीन वनडे हैं। ऑस्ट्रेलिया को मंगलवार को पहले सेमीफाइनल में भारत से खेलना है।

कोहली-जम्पा की टक्कर देखने लायक होगी, सेमीफाइनल के पहले बोले अंबाती रायुडू

दुबई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू का मानना है कि मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के महत्वपूर्ण सेमीफाइनल में करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा के बीच होने वाली टक्कर देखने लायक होगी। 2017 से लेकर अब तक जम्पा ने कोहली को वनडे में पांच बार आउट किया है जिससे दुबई की धीमी पिचों पर यह मुकाबला बेहद रोमांचक होगा। भारतीय स्टार को 2024 की शुरुआत से लेकर अब तक लेग स्पिनरों ने पांच बार आउट किया है जबकि उन्होंने 48.68 की स्ट्राइक-रेट से उनके खिलाफ केवल 37 रन बनाए हैं। रायुडू ने जियो हॉटस्टार से कहा, यह एडम जाम्पा बनाम विराट कोहली (सेमीफाइनल में अहम मुकाबला) होगा। विराट को हाल ही में लेग स्पिनरों के खिलाफ थोड़ा संघर्ष करना पड़ा है, लेकिन इस टूर्नामेंट में उन्होंने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके लिए अच्छा रहेगा।न्यूजीलैंड के खिलाफ कोहली ने अपने 300वें वनडे मैच में दो बाउंड्री लगाईं, उन्होंने हेनरी की गेंद पर एक बाउंड्री के लिए जोर से कट शॉट खेला लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने बैकवर्ड पॉइंट पर शानदार कैच लपका जिससे कोहली और मैदान में मौजूद सभी हैरान रह गए और वह 11 रन पर आउट हो गए। रायुडू को लगता है कि किस्मत सिर्फ कोहली के साथ नहीं थी, क्योंकि वह 300 वनडे खेलने वाले सातवें भारतीय और कुल मिलाकर 22वें खिलाड़ी बने।

वरूण का पंजा मैट पर भारी, भारत ने न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराया

एजेंसी

दुबई । श्रेयस अय्यर (79), हार्दिक पंड्या (45) और अक्षर पटेल (42) की शानदार पारियों के बाद वरूण चक्रवर्ती (पांच विकेट) और अन्य के बेहतरीन स्पिन आक्रमण की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी के 12वें मुकाबले में 44 रनों से हराकर अपना विजय क्रम जारी रखा। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 49 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। रचिन रविंद्र (छह) को हार्दिक ने आउट किया। उसके बाद 12वें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने विल यंग (22) को चलता कर दिया। इसके बाद केन विलियमसन और डैरिल मिचेल ने पारी को संभालने का प्रयास किया। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी हुई। 26वें ओवर की पहली गेंद कुलदीप यादव ने डैरिल मिचेल

(17) को पगबाधा कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। इसके बाद तो भारतीय स्पिन गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर अपना शिकंजा कस लिया। भारतीय स्पिन आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। टॉम लेथम (14), ग्लेन फिलिप्स (12) और माइकल ब्रेसवेल को वरूण चक्रवर्ती ने पगबाधा आउट किया। 41वें ओवर में अक्षर पटेल ने एक छोर थामे रन बटोर कर शतक की ओर बढ़ रहे केन विलियमसन को केएल राहुल के हाथों स्टंप कराकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। केन विलियमसन ने 120 गेंदों में सात चौकों की मदद से (81) रनों की पारी खेली। अपनी टीम को जीत की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे कप्तान मिचेल सैंटनर (28) को वरूण ने 45वें ओवर में बोल्ड कर न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीद को खत्म कर दिया। इसी ओवर में मैट हेनरी (दो) भी वरूण का शिकार बने।

इसके बाद कुलदीप यादव ने विलियम ओरूर्क (एक) को बोल्ड कर न्यूजीलैंड की पारी को 45.3 ओवर में 205 रन पर समेट कर मैच भारत की झोली में डाल दिया। भारत की ओर से वरूण चक्रवर्ती ने तीन विकेट लिये।कुलदीप यादव को दो विकेट मिले। हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहाँ न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

जोशुआ चेप्टेगी ने 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2:06:30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं।

युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे।

गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने 2023 में वालेंसिया मैराथन में अपना डेब्यू किया था, जहां वे 37वें स्थान पर रहे थे।

मधवेंद्र शेखावत ने पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ में की राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी

एरिजोना । भारत के मधवेंद्र शेखावत ने बिग स्काई इनडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की।

अमेरिका के एरिजोना यूनिवर्सिटी में आयोजित बिग स्काई इनडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में 21 वर्षीय भारतीय एथलीट ने 7.64 सेकंड के समय के साथ शीर्ष पर रहते हुए बाधा दौड़ जीती। इसी के साथ उन्होंने पिछले महीने फ्रांस में तेजस शिरसे द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मधवेंद्र ने फाइनल में जमैका के जेरोम कैंपबेल को हराकर जीत दर्ज की। इस चैपियंसशिप में जेरोम 7.65 सेकेंड के साथ दूसरे तथा अमेरिका के जाचरी विंगर 7.93 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

मधवेंद्र ने हीट्स में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन्होंने 7.79 सेकेंड में फिनिश लाइन पार की और आठ खिलाड़ियों के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उनका पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 7.68 सेकेंड था, जो उन्होंने 14 फरवरी को सिएटल में दर्ज किया था। चीन के नानजिंग में 21 से 23 मार्च तक आयोजित होने वाली विश्व एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप 2025 के लिए पुरुषों की 60 मीटर हर्डल्स का ऑटोमैटिक

क्वालीफिकेशन समय 7.57 सेकेंड है। मधवेंद्र और शिरसे विश्व इनडोर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग समय को पार नहीं कर सके, लेकिन दोनों शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने वाले एथलीटों की सूची के जरिए स्थान पक्का करने की दौड़ में बने हुए हैं।

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का रास्ता साफ

एजेंसी

नई दिल्ली। फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया। पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं। संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है।

तीसरी बार लगा था प्रतिबंध

फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था। 2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी

के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी। हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति

पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मर्डेका कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी।

हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी।

फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है। पाकिस्तान 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025:चोटिल मैट शॉर्ट की जगह कूपर कोनोली ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

एजेंसी

दुबई। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल से पहले अपनी चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बदलाव किया है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट के चोट के कारण बाहर होने के बाद युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिनर कूपर कोनोली को टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले के दौरान चोट लगी थी, जिससे वे नॉकआउट मुकाबलों के लिए फिट नहीं हो सके। 21 वर्षीय कोनोली पहले से ही टीम के साथ यात्रा रिजर्व के रूप में मौजूद थे, जिससे वे तुरंत चयन के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

सेमीफाइनल में भारत से मुकाबला, टीम संयोजन पर विचार

ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में भारत का सामना करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद भारत सेमीफाइनल में पहुंचा है।

टीम प्रबंधन अब यह तय करेगा

कि कोनोली को सीधे प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाए या फिर विकल्पों पर विचार किया जाए। यदि चयनकर्ता शीर्ष क्रम में बदलाव करना चाहते हैं, तो जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका दिया जा सकता है। वहीं, यदि टीम एक अतिरिक्त स्पिनर चाहती है, तो तनवीर संघा के चयन पर विचार किया जा सकता है।

स्पिनरों की भूमिका अहम, ज़म्पा ने दी प्रतिक्रिया

दुबई की पिच को देखते हुए स्पिनरों की अहम भूमिका होगी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 37.3 ओवर की स्पिन गेंदबाजी कराई थी, जिसमें वरुण चक्रवर्ती ने 42 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम ज़म्पा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, टूर्नामेंट की प्रकृति को देखते हुए हमें अलग-अलग परिस्थितियों में खेलना पड़ा है। पाकिस्तान और दुबई की परिस्थितियों में थोड़ा अंतर है। पिच धीमी हो सकती है, जिससे विकेट लेने के और मौके बन सकते हैं।उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर रहा हूं, लेकिन इसके बावजूद टीम के लिए योगदान देना और अहम विकेट लेना मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

भारत से वनडे में आखिरी भिड़ंत विश्व कप फाइनल में

वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया और भारत की आखिरी भिड़ंत 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में हुई थी, जहां भारत ने जीत दर्ज की थी। यदि ऑस्ट्रेलिया इस बार सेमीफाइनल जीतता है, तो वे फाइनल के लिए लाहौर लौटेंगे, जबकि हार की स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा।सेमीफाइनल मुकाबले को लेकर दोनों टीमें अपनी रणनीति अंतिम रूप देने में जुटी हैं, जहां स्पिनर्स की भूमिका निर्णा यक साबित हो सकती है।

कृष्णा जयशंकर ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, माउंटेन वेस्ट इंडोर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की कृष्णा जयशंकर ने माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय कृष्णा ने 16.03 मीटर के प्रयास के साथ न केवल पोडियम पर जगह बनाई, बल्कि भारतीय इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

नेवादा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही कृष्णा ने शनिवार को हुए फाइनल में अपने अंतिम प्रयास में 16.03 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे उन्होंने 2023 में महाराष्ट्र के पूर्णाराव राणे द्वारा स्थापित 15.54 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

इस प्रतियोगिता में कोलोराडो विश्वविद्यालय की मैया लेंसर ने 19.02 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी गैबी मोर्न्स ने 17.09 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक पर कब्जा जमाया।

न्यू मैक्सिको राज्य के ल्बुकर्क में आयोजित इस प्रतिष्ठित इनडोर

प्रतियोगिता में कृष्णा के शानदार प्रदर्शन ने भारतीय एथलेटिक्स में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

केरल को हराकर विदर्भ ने जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब

एजेंसी

नागपुर। विदर्भ ने फाइनल मुकाबले में रनों का पहाड़ करते हुए केरल को हराकर पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदर्भ को पहली पारी में केरल पर बनाई गई बढ़त के आधार पर जीत मिली और इस घरेलू टूर्नामेंट में चैंपियन बन गया। विदर्भ ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। इससे पहले उसने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। विदर्भ के दानिश मालेवार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला। विदर्भ ने कल के

चार विकेट पर 249 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में मैच के पांचवें दिन करूण नायर ने अभी अपने कल के स्कोर में तीन रन जोड़े थे कि आदित्य सरवटे ने उन्हें अजरुद्दीन ने स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। नायर ने (295) में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (135) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हर्ष दुबे (चार) रन बनाकर आउट हुये। कप्तान अक्षय वड़कर(25) को सरवटे ने बोल्ड आउट किया। अक्षय कारनेवार (30) को एनपी बासिल ने बोल्ड किया। दोनों कप्तानों की मैच ड्रा करने की सहमिति के समय विदर्भ ने 143.5 ओवरों में नौ विकेट पर 375 रन बना लिये थे और दर्शन नालकंडे (51 अवजित) और यश ठाकुर (आठ) अविजित रहे। केरल की ओर से आदित्य सरवटे ने चार विकेट लिये। एम डी निधीष, जलज सक्सेना, ईडन ऐपल टॉम, एनपी बासिल और अक्षय चंद्रन ने एक-एक विकेट लिया।

वरुण चक्रवर्ती को दूसरे ही मुकाबले में मिले 5 विकेट, स्टुअर्ट बिन्नी का रिकॉर्ड टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली । दुबई के मैदान पर भारतीय मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कमाल कर दिया। ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में जब भारतीय टीम पहले खेलते हुए 249 रन ही बना पाई थी तो वरुण ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड को 205 रन पर ही रोक दिया। वरुण का यह मात्र दूसरा वनडे था। भारत के लिए वह महज दूसरे वनडे में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड स्टुअर्ट बिन्नी के नाम पर था जिन्होंने साल 2014 में अपने तीसरे वनडे मुकाबले में मीरपुर के मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ 6/4 के आंकड़े दिए थे। वरुण ने और भी रिकॉर्ड बनाए।

42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप का भोपाल के बड़े तालाब पर आज होगा शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब स्थित मध्य प्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब पर 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम चार बजे इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। इस प्रतियोगिता में 23 राज्यों के लगभग 500 प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप सात मार्च तक आयोजित होगी। मंत्री सारंग ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 14 इवेंट्स होंगे। दो इवेंट्स पैरा सिंगल स्कल महिला एवं पुरुष वर्ग भी शामिल है। 14 इवेंट्स के सभी फाइनल्स सात मार्च को संपन्न होंगे जिसमे सात इवेंट्स सुबह एवं सात की शाम होंगें। सभी स्पर्धाएं 2000 मीटर की दूरी पर आयोजित की जाएंगी।उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर की कुल 27 टीमों में से 23 राज्यों की एवं इंडियन

आर्मी, इंडियन नेवी, इंडियन एयरफ़ोर्स, और सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की टीमों के 500 प्रतिभागी शामिल होंगे। उद्घाटन अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग, सेलिंग और स्लालम खेलों की विशेष प्रस्तुति देंगे। सारंग ने बताया कि इस प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से बोट क्लब सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर किया जाएगा।

'अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन' का चौथा सफल आयोजन

एजेंसी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन-2025 में पुरूष वर्ग में उत्तर प्रदेश के अक्षय कुमार ने 01 घण्टा 02 मिनट 15 सेकंड में और महिला वर्ग में इथियोपिया की हिवेत जेब्रीवाहिद ने 01 घण्टा 13 मिनट 01 सेकेण्ड में 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। राज्य के संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद महेश कश्यप और धरसींवा विधायक अनुज शर्मा आज अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन 2025 के चौथे आयोजन में शामिल हुए। यहां बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल के खेल मैदान में प्रातः 5.30 बजे से दौड़ लगाकर मैराथन दौड़ का शुरूआत किया गया। मैराथन दौड़ शुरू होने के पूर्व हजारों धावकों को वार्मअप कराने हेतु जुम्बा डॉस कराया गया, जिसका धावकों ने खूब आनंद लिया। मैराथन दौड़ ओरछा विकासखंड के ग्राम बासिंग में संपन्न हुई जहां विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया। 'अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन' दौड़ में हजारों धावकों ने दौड़ लगायी। इसमें पुरूष वर्ग में उत्तर प्रदेश के अक्षय कुमार ने और महिला वर्ग में इथियोपिया की हिवेत जेब्रीवाहिद ने

21 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं पुरूष वर्ग में इथियोपिया के फिरोमसा 01 घण्टा 02 मिनट 52 सेकेण्ड एवं महिला वर्ग में उत्तरप्रदेश की रेनूसिंह 01 घण्टा 13 मिनट 18 सेकेण्ड में दौड़ लगाकर द्वितीय स्थान तथा पुरूष वर्ग में मोहल्लामानपुर के फुकेश्वर लाल देसमुख ने 01 घण्टा 04 मिनट 14 सेकेण्ड एवं महिला वर्ग में बिहार की अंजली ने 01 घण्टा 14 मिनट 46 सेकेण्ड समय लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 10 किलोमीटर पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान मोनू कुमार, द्वितीय पीयूष मसानी और तृतीय स्थान दीपक कुमार ठाकुर तथा महिला वर्ग में प्रथम स्थान उत्तर प्रदेश की अमृता पटेल, द्वितीय स्थान इथियोपिया की प्री वेक्कनी और तृतीय स्थान उत्तर प्रदेश की अन्नुपाल ने प्राप्त की।इसी प्रकार 05 किलोमीटर महिला वर्ग में प्रथम स्थान सूरजपूर की सोनिका राजवाड़े, द्वितीय स्थान रायपुर की ईशारानी सिन्हा और तृतीय स्थान सरगुजा की ममता की ममता पैकरा ने हासिल की। बस्तर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुंदरराज पी एवं कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने अतिथियों का स्वागत किया और मैराथन आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, बृजमोहन देवांगन प्रथम स्थान विजेताओं को मैडल और एक लाख 50 हजार रुपए की राशि उनके खाते में आरटीजीएस के माध्यम से अंतरण की जाएगी।

भारत का पहला रमजान शो, फिल्मी दुनिया छोड़ चुकीं

सना खान

की नई पेशकश

भारत में 2 मार्च से रमजान शुरू है. इस पाक महीने में तमाम मुसलमान एक महीने तक रोजा रखेंगे. इस खास मौके पर शोबिज की दुनिया छोड़ चुकीं सना खान एक नया शो लेकर आ रही हैं, जिसमें रमजान और दीन से जुड़ी बातें होंगी. सना खान ने सोशल मीडिया पर अपने शो का प्रोमो वीडियो शेयर किया है.सना खान के शो का नाम है 'रौनक-ए-रमदान'. इस शो को वो भारत का पहला रमजान शो कह रही हैं. सना ने जो प्रोमो शेयर किया है, उसमें उन्होंने नमाज, इफ्तार और सेहरी की झलक दिखाई हैं. इस वीडियो में उनके पति मुफ्ती अनस सैयद भी नजर आ रहे हैं. सना ने कहा कि ये उनका पुराना सपना था, जो अब पूरा हो रहा है.

सना खान के दिल के करीब रमजान

सना खान ने लिखा, आज जो मैं बात आपके साथ शेयर करने जा रही हूं वो सिर्फ एक अनाउमेंट नहीं है बल्कि हमारे दिल का एक बहुत पुराना सपना है, जो अब पूरा हो रहा है. हम लेकर आ रहे हैं इंडिया का पहला रमजान शो 'रौनक-ए-रमदान'. बचपन से लेकर आज तक रमजान हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है.

उन्होंने आगे कहा, सेहरी की वो खामोशी, इफ्तार की वो रौशनी, मस्जिद में वो गुजरे सुकून भरे पल, ये सब हमेशा एक महसूस बनकर दिल में रहते हैं. हमेशा सोचा था कि काश कोई ऐसा शो हो, जो सिर्फ रमजान के बारे में न हो बल्कि रमजान को महसूस भी कराए. और आ वो दिन आ गया है. सना ने बताया कि इस शो में हम दीन की गहरी बातें करेंगे, मेहमान आएंगे जो अपनी कहानियां शेयर करेंगे और मैं खुद इफ्तार के लिए एक खास डिश बनाऊंगी और बनवाऊंगी, जो सिर्फ एक खाना नहीं बल्कि एक दुआ होगी.

कहां देख सकेंगे सना खान का शो ?

सना खान का ये शो 1 मार्च से शुरू हो रहा है. आप हर रात 8:30 बजे उनका शो उनके यूट्यूब चैनल पर देख सकेंगे. एक समय पर सना खान बॉलीवुड का बड़ा नाम रही हैं. उन्होंने कई बड़ी फिल्मों में काम किया है. साल 2020 में उन्होंने फिल्मी दुनिया को छोड़ने का ऐलान किया था. वो भले ही फिल्मों से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर अक्सर ही एक्टिव रहती हैं

रातों-रात फोटो डिलीट... आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम से हटा दी राहा की तस्वीर, अचानक क्यों लिया ऐसा फैसला?

आलिया भट्ट इंडस्ट्री में काफी कम समय में ज्यादा नाम कमा चुकी हैं. उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में भी दी हैं. प्रोफेशनल लाइफ को लेकर वो अक्सर ही चर्चा में रहती हैं, लेकिन पर्सनल लाइफ भी उनके फैन्स के लिए काफी इंटरेस्टिंग टॉपिक है. आलिया के साथ ही साथ उनकी बेटी राहा भी लोगों के बीच काफी फेमस हो चुकी हैं. हालांकि, बाकी स्टार्स की तरह आलिया ने लोगों से अपनी बेटी की तस्वीर छुपाई नहीं थी. लेकिन हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से राहा की सारी तस्वीरें डिलीट कर दी है.

रातों-रात आलिया के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से राहा की वो सारी तस्वीरें हटा दी गई हैं, जिसमें उसका चेहरा दिखता है. हालांकि, इसकी वजह अभी तक आलिया ने नहीं बताई है. लेकिन कुछ वक्त पहले नीतू कपूर ने भी पैपराजी को राहा की फोटो क्लिक करने के लिए मना किया था. वैसे देखा जाए, तो राहा पैपाराजी के सामने ज्यादा आने लगी थी, जिसके बाद से अब अंदाजा लगाया जा रहा है कि आलिया ने अब राहा को लेकर प्राइवेसी मेंटेन कर ली है.

क्यों ले लिय ऐसा फैसला ?

इस तरह फोटो हटाने का कनेक्शन कई सोशल मीडिया यूजर्स सैफ अली खान पर हुए हमले से जोड़ा है. टाइम्स नाउ की रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया ने ये फैसला सैफ पर हुए हमले के बाद से लिया है. दरअसल, 16 जनवरी को एक्टर के छोटे बेटे के कमरे में एक अंजान शख्स घुस गया था. जिससे बचाव के चलते सैफ अली खान को कई गहरी चोटें आई थीं. इस घटना के बाद से सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए करीना कपूर खान ने भी पैपाराजी से अपने बच्चों की फोटो क्लिक करने पर मनाही की है.

लोगों ने किया है सपोर्ट

आलिया भट्ट के इस तरह से राहा की फोटो हटाए जाने को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग राय छिड़ गई है. हालांकि, इनमें से ज्यादातर यूजर्स ने एक्ट्रेस के इस डिसीजन की सपोर्ट करते हुए इसे सही बताया है. आलिया की पर्सनल लाइफ की बात करें, तो उन्होंने साल 2022 में रणबीर कपूर के साथ शादी रचाई थी, जिसके कुछ वक्त के बाद ही दोनों ने अपनी जिंदगी में राहा का वेलकम किया था.

ओपनिंग डे पर कितना कमाएगी 400 करोड़ में बनी सलमान खान की सिकंदर?

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सुपरस्टार सलमान खान की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है. एक्टर अपनी फिल्मों से मास ऑडियंस को एंटरटेन करते हैं. ईद पर तो फैंस को ईदी देने का उनका सिलसिला पुराना है. इस ईद पर सलमान खान सिकंदर फिल्म लेकर आ रहे हैं. फिल्म को लेकर बज़ बना हुआ है. हाल ही में सिकंदर का एक टीजर भी जारी किया गया है जिसमें भाईजान एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं. फिल्म के 1 मिनट 21 सेकंड के टीजर ने साफ कर दिया है कि ईद पर धमाका होने जा रहा है. वहीं ये फिल्म सलमान खान के अब तक के करियर की बहुत महंगे बजट की फिल्म है. ऐसे में इस फिल्म से काफी कमाई की भी उम्मीदें हैं. शुरुआती रुझान भी आने लगे हैं. आइये जानते हैं कि सलमान खान की सिकंदर ओपनिंग डे पर कितनी कमाई कर

सकती है.

क्या कह रहे ट्रेड एनालिस्ट ?

ट्रेड एनालिस्ट गिरीश वानखेड़े ने सिकंदर के बॉक्स ऑफिस प्रेडिक्शन पर बातें की हैं, उन्होंने कहा- सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचने के लिए तैयार है. खास बात ये है कि इस दौरान ज्यादा फिल्में सिनेमाघरों में सलमान की सिकंदर से कॉम्पिटीट करने के लिए नहीं हैं. ऐसे में फिल्म पहले दिन 60 करोड़ के आस-पास का कलेक्शन कर सकती है. अगर ऐसा होता है तो फिल्म आसानी से पहले वीकेंड में 200 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर सकती है. इस फिल्म से सलमान खान अपनी पुरानी फिल्मों के रिकॉर्ड्स भी तोड़ सकती है.

कब रिलीज हो रही फिल्म ?

सलमान खान की ये मोस्ट अवेटेड फिल्म 28 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है. इसमें सलमान के अपोजिट रश्मिका मंदाना नजर आएंगी. इसके अलावा फिल्म में सत्यराज, शरमान जोशी और प्रतीक बब्बर जैसे एक्टर्स भी शामिल हैं. इसका निर्देशन ए आर मुर्गदास ने किया है. वहीं इसका निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है. फिल्म का बजट रिपोर्ट्स के मुताबिक 400 करोड़ का है. ऐसी उम्मीद लगाई जा रही है कि ये हिंदी भाषा में सलमान खान की पहली 500 करोड़ कमाने वाली फिल्म हो सकती है. वहीं इस फिल्म की नजरें दुनियाभर में 1000 करोड़ रुपये कमाने की भी होगी.

दूसरी परेशानी मोल लूंगा... मानहानि केस में

कंगना रनौत

से सुलह होने पर जावेद अख्तर का पहला रिएक्शन, 5 साल से थी कानूनी लड़ाई

हाल ही में कंगना रनौत और फेमस स्क्रीनराइटर और गीतकार जावेद अख्तर के बीच 5 पुराना मामला खत्म हो गया है. दरअसल, साल 2020 में जावेद अख्तर ने कंगना रनौत के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया था, जिसके बाद से दोनों में कानूनी लड़ाई चल रही थी. हालांकि, 28 फरवरी को एक्ट्रेस ने कोर्ट में इस मामले को लेकर जावेद अख्तर से माफी मांग ली और इस मामले को खत्म कर दिया था. अब इस मामले पर जावेद अख्तर का पहला रिएक्शन सामने आया है.

कंगना रनौत और जावेद अख्तर का ये मामला असल में साल 2016 में शुरू हुआ था, लेकिन लोगों के बीच एक्ट्रेस ने इस मामले को 5 साल पहले लेकर आई थीं. हालांकि, मामला खत्म होने के बाद से कंगना ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जावेद अख्तर के साथ फोटो सेयर करते हुए इस केस के खत्म होने की बात बताई थी. जिसके बाद अब जावेद अख्तर की भी रिएक्शन सामने आया है. उन्होंने इस मामले में काफी मजाकिया बयान दिया है.

'दूसरी परेशानी मोल लूंगा'

बीबीसी हिंदी से बात करते हुए जब जावेद अख्तर से इस मामले के खत्म होने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैंने कोई पैसे तो नहीं मांगे थे कंगना से. मैं बस चाहता था कि वो मुझसे माफी मांग लें और उन्होंने मांग ली. आगे जब उनसे पूछा गया कि क्या अब वो खुश हैं, तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि अब देखता हूं कोई दूसरी परेशानी मोल लूंगा. सुलह होने के बाद से कंगना ने अपने शेयर किए हुए पोस्ट में लिखा कि जावेद अख्तर उनकी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म के लिए गाना भी लिखेंगे.

क्या था ये पूरा मामला ?

दोनों स्टार्स के बीच के इस मामले की बात की जाए, तो साल 2016 में जब कंगना और ऋतिक रोशन के बीच विवाद चल रहा था, तो जावेद अख्तर ने इसे सुलझाने की कोशिश की थी. उन्होंने उस वक्त एक्ट्रेस को अपने घर बुलाया और एक्टर से माफी मांगने की बात कही. हालांकि, उन्होंने उस वक्त इस पर कुछ भी जवाब नहीं दिया. लेकिन 2020 में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि जावेद अख्तर ने उन्हें घर बुलाकर धमकाया है. जिसके बाद से जावेद अख्तर ने उनके खिलाफ मानहानि का केस कर दिया था.